{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 21 जनवरी 2026
माघ शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 120
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	82,180.47
निफ्टी	-	25,232.50
सोना	-	1,49,780
चांदी	-	3,20,000
डॉलर	-	91.04

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भरतपुर में करंट से मासूम की मौत पर बवाल

भरतपुर। राजस्थान के डीग जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र में बिजली के करंट से पांच वर्षीय बालक की मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दर्दनाक घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। परिजनों का कहना है कि करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे बच्चे को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल सकी, जिसके कारण उसकी जान चली गई। आरोप है कि अस्पताल में चिकित्सकों ने इलाज में लापरवाही बरती और गंभीर हालत के बावजूद बच्चे को तत्काल जरूरी उपचार नहीं दिया गया। परिजनों का दावा है कि यदि समय पर सही इलाज मिलता तो मासूम की जान बचाई जा सकती थी।

कोलकाता पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 125 किलो से अधिक गांजा जब्त

कोलकाता। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस ने 125 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। इस अभियान में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह कार्रवाई विशेष खुफिया सूचना के आधार पर की गई, जिसमें लंबे समय से सक्रिय एक तस्करी रैकेट का सुराग मिला था। सूचना मिलते ही कोलकाता पुलिस ने कई विशेष टीमों का गठन किया और संभावित मार्गों पर कड़ी निगरानी शुरू की। घंटों की सतर्कता के बाद पुलिस ने खिद्दिरपुर रोड पर एक ग्रे रंग की अशोक लेलैंड मिनी मालगाड़ी को रोककर तलाशी ली। शुरुआती जांच में वाहन सामान्य प्रतीत हुआ, लेकिन पुलिस को संदेह होने पर गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

गुजरात में वन्यजीव तस्करी का सबसे बड़ा खुलासा, एसओजी ने करोड़ों का कोबरा ज़हर जब्त किया

सूरत। गुजरात के इतिहास में वन्यजीव तस्करी के सबसे बड़े मामलों में से एक का पर्दाफाश हुआ है। शहर (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) पुलिस ने एक गुप्त ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित कोबरा सांप के जहर की भारी खेप जब्त की है। पुलिस ने सूरत के सरथाणा इलाके में स्थित फ्रपटेल लाइफ पार्टनरफ्र मैरिज ब्यूरो की ऑफिस पर छापा मारकर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 6.5 एमएल तरल कोबरा ज़हर बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत रु. 5.85 करोड़ बताई जा रही है।

कुछ ना कहना

भाजपा के नबीन राष्ट्रीय अध्यक्ष की हुई ताजपोशी

पीएम मोदी बोले— नितिन नबीन अब मेरे बॉस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया है। वरिष्ठ नेता नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से पार्टी की कमान संभाल ली है। भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने उनके नाम की घोषणा की। इसके साथ ही नितिन नबीन भारतीय जनता पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। इस अवसर पर पार्टी मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी रही।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, कि भाजपा का संगठनात्मक सफर प्रेरणादायक रहा है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, कि मैं एक कार्यकर्ता हूं और नितिन नबीन अब मेरे 'बॉस' हैं। उन्होंने कहा, भाजपा ने शून्य से शुरू कर शिखर तक की यात्रा तय की है। आज पार्टी नए दौर में प्रवेश कर रही है और मुझे विश्वास है कि नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा नए शिखर की ओर आगे बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने उन्हें 'नवीन अध्यक्ष' बताते हुए उनके अनुभव, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता की सराहना की।

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से पदभार संभाल लिया। इसके साथ ही वे भाजपा के इतिहास में इस पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के नेता बन गए। पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा भाजपा के 'संगठन पर्व' के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. के. लक्ष्मण मंच पर मौजूद रहे।

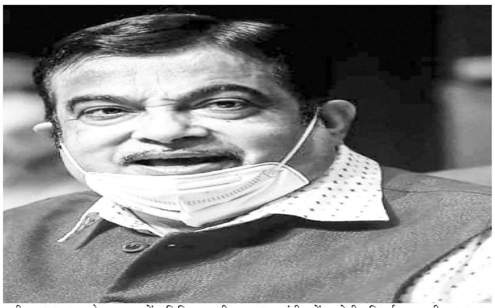

राजनीति भोग नहीं, त्याग है...

नितिन नबीन को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए नए अध्याय की शुरुआत की, क्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुख्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने कहा कि मैं आज इस मौके पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और उनका अभिवादन करता हूं। आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ, मैं इस पार्टी की विचारधारा, परंपराओं और राष्ट्रवादी आंदोलन की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आज 140 करोड़ भारतीय विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है।

कुत्तों का अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है, जस्टिस...प्रमाण पत्र के लिए क्यों नहीं कह सकते?

सुप्रीम कोर्ट ने सुनीं लोगों की दलीलें अब 28 को होगा फैसला

नई दिल्ली। देश में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई जारी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान पशु कल्याण, आम नागरिकों की सुरक्षा और नगर निकायों की जिम्मेदारी को लेकर तीखी बहस हुई। एक ओर जहां पशु अधिकारों से जुड़े पक्ष ने कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी क्षेत्र में छोड़ने की वकालत की, वहीं दूसरी ओर रिहायशी सोसायटियों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाने की मांग उठी। देश के सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुन लीं। अब 28 जनवरी को इन दलीलों का जवाब और किए जा रहे उपायों पर चर्चा होगी। सुप्रीम कोर्ट में 28 जनवरी को दोपहर दो बजे आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई होगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने दलील दी कि समस्या का समाधान नए आश्रय स्थल बनाने में नहीं, बल्कि मौजूदा एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) नियमों के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन से होगा। उन्होंने कहा कि एनएपीआरई नीति ने रेबीज उन्मूलन में आने वाली नौ बड़ी बाधाओं की पहचान की है और सभी हितधारकों की भूमिका स्पष्ट की है, लेकिन कई राज्यों ने अब तक अपनी कार्ययोजना तैयार ही नहीं की। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने नसबंदी की प्रभावशीलता पर जोर देकर कहा कि कुछ शहरों में इससे आवारा कुत्तों की संख्या और आक्रामकता में कमी आई है। उन्होंने सुझाव दिया कि नसबंदी की पुष्टि के लिए कुत्तों का अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। इस पर जस्टिस संदीप मेहता ने व्यंग्यात्मक लहजे में टिप्पणी की, कि हम कुत्ते को प्रमाण पत्र ले जाने के लिए क्यों नहीं कह सकते?फ्र इस टिप्पणी को लेकर बाद में यह बहस भी हुई कि अदालत की टिप्पणियों को मीडिया में किस तरह प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ वकील भूषण ने कहा कि कोर्ट की टिप्पणियों के कभी-कभी गंभीर सामाजिक परिणाम हो सकते हैं, इसलिए सतर्कता आवश्यक है। वहीं, पीठ ने स्पष्ट किया कि उसकी टिप्पणियां व्यंग्य नहीं बल्कि गंभीर चिंता को दिखाती हैं। राजू रामचंद्रन ने लाइव टेलीकास्ट के संदर्भ में कहा कि बार और बेंच दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सावधानी बरतें।

हम नहीं चाहते कि हमारे किसी आदेश से रूस-भारत के साथ रिश्ते खराब हों

बच्चे के साथ मॉस्को भागी महिला को ढूंढने का सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि उनके किसी आदेश से रूस के साथ रिश्ते खराब हों। यह बात कोर्ट ने भारतीय पति और रूसी पत्नी के बीच चल रहे विवाद को लेकर कही। महिला अपने अलग रह रहे भारतीय पति के साथ भरण पोषण को लेकर कटु विवाद के बीच बच्चे के साथ मॉस्को चली गई थी। कोर्ट ने केंद्र को चार हफ्ते के अंदर महिला और बच्चे का पता लगाने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने केंद्र सरकार की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल की दलील पर गौर किया कि महिला और बच्चे का पता लगाने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। सॉलिसिटर ने बताया कि उन्हें ढूंढकर भारत वापस लाने के लिए इंटरपोल के नोटिस भी जारी किए गए हैं। विधि अधिकारी ने कहा कि उन्हें कुछ नई जानकारी मिली है...कृपया हमें कुछ और सप्ताह का समय दें। हम एक अपडेटेड रिपोर्ट दाखिल करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस भारत का मित्र है, जिस पर बेंच ने भी सहमति जताई और केंद्र को चार हफ्ते का समय दिया। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल की थी। कोर्ट ने विधि अधिकारी से इस मुद्दे को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के सामने उठाने को कहा ताकि रूस की जांच समिति से बच्चे और याचिकाकर्ता-मां का पता लगाने का आग्रह किया जा सके। यह महिला साल 2019 से भारत में रह रही थी। महिला एक्स-1 वीजा पर भारत आई थी, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी। हालांकि, अदालती कार्यवाही में सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर वीजा की अवधि बढ़ाने का निर्देश दिया।

बेंच ने सॉलिसिटर से कहा कि हम ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहते जिससे भारत और रूस के रिश्ते खराब हों, लेकिन यह ऐसा मामला है जिसमें एक बच्चा शामिल है। हम सिर्फ यही आशा कर सकते हैं कि बच्चा अपनी मां के साथ स्वस्थ और सुरक्षित हो। आशा है कि यह मानव तस्करी का मामला नहीं है...। पिछले साल 21 जुलाई को कोर्ट को बताया गया था कि रूसी महिला बच्चे के साथ नेपाल सीमा के रास्ते चली गई है। आशंका जताई गई कि वह शारजाह के रास्ते अपने देश पहुंच गई थी। पति ने आरोप लगाया कि उसकी अलग रह रही पत्नी बच्चे के संरक्षण के संबंध में कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रही है। व्यक्ति ने दावा किया कि उसे महिला और बच्चे के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ओडिशा हाईकोर्ट ने दिया बड़ा फैसला कहा-

दूसरी पत्नी को पेंशन का हक नहीं

भुवनेश्वर। ओडिशा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत एकपत्नीवाद केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि एक अनिवार्य और सख्त कानूनी नियम है। अदालत ने एक महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने दिवंगत पति, जो कि एक सरकारी कर्मचारी थे, की दूसरी पत्नी होने के नाते पारिवारिक पेंशन की मांग की थी। न्यायमूर्ति दीक्षित कृष्ण श्रीपाद और न्यायमूर्ति चित्तरंजन दाश की खंडपीठ ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इस तरह की मांगों को स्वीकार करना अवैधता को बढ़ावा देने जैसा होगा। इसलिए दूसरी पत्नी को पेंशन का हक नहीं दिया जा सकता।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपीलकर्ता का विवाह द्विविवाह की श्रेणी में आता है, जो हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 17 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 495 के तहत एक दंडनीय अपराध है। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि हिंदुओं में एकपत्नीवाद एक मूल नियम है जिसमें किसी भी प्रकार के अपवाद की गुंजाइश नहीं है। पहले विवाह के अस्तित्व में रहते हुए दूसरा विवाह करना कानून की मूल भावना और स्थापित वैधानिक प्रावधानों के पूरी तरह विपरीत है।यह मामला तब शुरू हुआ जब स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग ने नवंबर 2021 में महिला की पेंशन अर्जी इस आधार पर ठुकरा दी थी कि कर्मचारी ने अपनी पहली पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी की थी। इसके बाद महिला ने पहले एकल पीठ का दरवाजा खटखटाया, लेकिन दोनों ही बार उसे राहत नहीं मिली। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई थी कि संतान न होने के कारण कर्मचारी ने दूसरी शादी की थी।

जब ज्योतिषपीठ के अधिकृत नहीं तो कैसे कर रहे 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग

धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजा नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

प्रयागराज। प्रयागराज संगम में मौनी अमावस्या पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोकने और शिष्यों के साथ मारपीट करने का विवाद बढ़ा ही जा रहा है। संगम में स्नान से इनकार करने और धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने नोटिस भेजा है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि संबंधित व्यक्ति ज्योतिषपीठ के अधिकृत शंकराचार्य नहीं हैं, ऐसे में वे अपने नाम के साथ 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग किस आधार पर कर रहे हैं? नोटिस में मेला प्रशासन ने 24 घंटे में लिखित जवाब मांगा है। इसमें यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वे किस वैधानिक या धार्मिक आधार पर स्वयं को शंकराचार्य कहते हैं। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

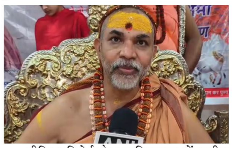

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन ब्रह्मलीन ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती और स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के लंबित मुकदमे का जिक्र किया गया है। नोटिस प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक मेला क्षेत्र में आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों और शिविरों को लेकर प्रशासन पहले से ही सतर्क है। सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए सभी धार्मिक आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए गए हैं। किसी भी पद, उपाधि या पहचान का गलत इस्तेमाल प्रशासन के लिए गंभीर विषय माना जा रहा है।

नोटिस के बाद संत के समर्थकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि शंकराचार्य एक परंपरागत धार्मिक पद है और इस पर प्रशासनिक हस्तक्षेप उचित नहीं। समर्थकों का आरोप है कि मेला प्रशासन धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा है। वहीं, कुछ लोगों का यह भी कहना है कि कोर्ट के आदेशों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है, चाहे वह धार्मिक व्यक्ति ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट के प्रार्थना पत्र के उपरोक्त खंड को पूर्णतया स्वीकार करते हुए 14 अक्टूबर 2022 को आदेश दिया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इस अपील संख्या की ताजा स्थिति के रूप में कोई अन्य आदेश पारित नहीं हुआ है।

रायबरेली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा...

मोदी देश का धन अंबानी-अडाणी को देना चाह रहे

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने अपने रायबरेली दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सारा पावर अपने हाथों में लेकर गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाकर उनका अपमान किया है। मगर मुख्य बात नाम बदलने की नहीं है। हमारी गरीब जनता को जो सुरक्षा दी गई थी, उसे मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है। एक तरफ हम जनता की रक्षा कर रहे हैं, दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी देश का पूरा धन खींचकर अंबानी और अडाणी के हाथों में दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन कर रही है। हम मजदूरों की रक्षा के लिए मजबूती से उनके साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि मनरेगा योजना खत्म हो जाए, ताकि जो पैसा बहनों और मजदूरों को जाता है, वह सीधे अंबानी, अडाणी और बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पास चला जाए। सामने से तो यह नहीं कर सकते, इसलिए धीरे-धीरे मनरेगा का गला घोंटा जा रहा है। हम संविधान की रक्षा करते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि संविधान रद्द हो, खत्म हो। वे अंबेडकर जी की सच्चाई को मिटाना चाहते हैं। गांधी जी की सोच को मिटाना चाहते हैं।

आजादी से पहले जो हिंदुस्तान था, वैसा हिंदुस्तान बनाना चाहते हैं, जहां आपके हाथों से जमीन छीनी जाए।

हिंदुस्तान की सरकार अडाणी-अंबानी की सरकार है

राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान की सरकार अडाणी-अंबानी की सरकार है, किसानों और मजदूरों की सरकार नहीं है। इस देश को अडाणी-अंबानी की सरकार से कोई फायदा नहीं होने वाला है, बल्कि जबरदस्त नुकसान होगा।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पर बोला हमला कहा...

कौन है धीरेंद्र शास्त्री...चोर को बता रहे हो कथावाचक

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को चोर उचक्का बताया है। उन्होंने कहा कि ये कौन हैं धीरेंद्र शास्त्री? जब पत्रकारों ने कहा कि कथावाचक हैं। तब पप्पू यादव ने कहा कि चोर-उचक्का को कथावाचक बना रहे हो, ओशो हैं क्या, आचार्य राममूर्ति हैं क्या।

दरअसल पटना एयरपोर्ट पर पत्रकार ने धीरेंद्र शास्त्री के हालिया बयान (तिरंगा में चांद आ जाएगा तो देश सुरक्षित नहीं रहेगा) पर उनसे सवाल किया। जिसके बाद सांसद भड़क गए। आगे कहा कि वो जो हमारे एक बाबा हैं जो बहुत प्यारे हैं, हमेशा हंसते रहते हैं प्रेमानंद बाबा। ऐसे बाबा की इज्जत करो। ये चोर-उचक्का जिसका सनातन से कोई लेना देना नहीं, सनातन का कुछ पता नहीं, उसकी बात करते हो।

कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय पर भी तंज

पूर्णिया सांसद ने धीरेंद्र शास्त्री के साथ-साथ वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय? पर भी निशाना साधा। 5 दिसंबर को कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय? ने हरियाणा की शिप्रा शर्मा के साथ राजस्थान के जयपुर में सात फेरे लिए। इस शादी में काफी खर्च हुआ था।

सहायता राशि दिलाने, गरीबों को आवास,पुलिया निर्माण,अवैध रेत खनन और प्लॉट की रजिस्ट्री न होने की शिकायतें लेकर पहुंचे लोग

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या 92 आवेदकों ने दिये आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 20 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 92 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जनसुनवाई में कटंगी तहसील के ग्राम आगरी निवासी भूपेंद्र देहलिंगे रेडक्रॉस से सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आये थे। भूपेंद्र का कहना था कि वह एक मजदूर है जो मजदूरी का कार्य करके ही अपने परिवार का पालन पोषण करता है। भूपेंद्र ने बताया कि मजदूरी का कार्य करते समय उसका पाँव फ्रेक्चर हो गया, जिसका इलाज दो माह से जारी है, लेकिन उसके पास इतनी राशि नही है कि वह अपने पैर का सही ढंग से बे हॉस्पिटल में इलाज कर पाए। वहीं पैर फ्रेक्चर होने से उसका काम काज भी बंद हो गया है जिससे घर की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। अत: भूपेंद्र ने रेडक्रॉस से सहायता दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

वारासिवनी तहसील की ग्राम पंचायत रामपायली के रेखलाल रागे अपनी पुत्रियों का विवाह कराने के लिए उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ दिलवाने की मांग लेकर आये थे। रेखलाल का कहना था कि उसकी दो बेटियाँ है जिनका विवाह वह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत करवाना चाहता है किंतु उसके पास गरीबी रेखा का कार्ड न होने के कारण उसे इस योजना का लाभ नही दिया जा रहा है। रेखलाल ने बताया कि वह एक गरीब व्यक्ति है तथा उसका मकान भी घासमद सरकारी जमीन पर है, जिसका पट्टा भी उसे अब तक प्राप्त नही हुआ है। अत: उसका बीपीएल कार्ड शीघ्र बनाया जाए जिससे वह योजना का लाभ लेकर अपनी बेटियों का विवाह करवा सकेगा। इस प्रकरण में जनपद सीईओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

कटंगी तहसील की ग्राम पंचायत अतरी निवासी इवंता बाई बिसेन प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। इवंता बाई का कहना था कि वह गरीबी रेखा में जीवनयापन करने वाली एक विधवा महिला है, जिसका मकान अब पूर्णरूप से जीर्णशीर्ण हो गया है, जिससे हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इवंता ने बताया कि वह 3 से 4 बार ग्राम पंचायत बहाकल में आवेदन दे चुकी है किंतु अब तक उसका नाम पीएम आवास की लिस्ट में नही आया है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ कटंगी को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लामता तहसील के मोतेगांव निवासी बाबूलाल चौधरी अपनी कृषि भूमि पर बिना स्वीकृति के विद्युत पोल लगाए जाने की शिकायत लेकर आये थे। बाबूलाल का कहना था कि उनकी स्वामित्व की कृषि भूमि पर विद्युत मंडल के ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के 10 विद्युत पोल खड़े कर दिए गए हैं, जिससे उसे खेती कार्य में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। बाबूलाल ने बताया खेत में पोल पर तार भी खींच दिए गए है जिसका उन्होंने विरोध भी किया, लेकिन इसके बाद भी विद्युत लाइन का कार्य जारी रखा गया। इससे उनकी फसल और कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बाबूलाल चौधरी ने उनकी भूमि पर अवैध रूप से लगाए गए विद्युत पोल हटाए जाने की मांग की। इस प्रकरण में एमपीईबी के सहायक अभियंता को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में ग्राम सहेजना के ग्रामीण मसनीनाला देव स्थल बाबामंडी मार्ग पर पुलिया निर्माण के स्वीकृति की मांग कों लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम सहेजना मसनीनाला (देव स्थल बाबामंडी) एक धार्मिक स्थल है जहाँ पर कार्तिक महीने में मँडई मेले का आयोजन किया जाता है। बरसात के दिनों में किसानों व स्कूली बच्चों कों आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पता है। अत- मसनीनाला बाबामंडी मार्ग पर पुलिया स्वीकृति किया जाए। ग्रामीणों की इस समस्या पर कलेक्टर नें ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील के ग्राम सिवनाघाट के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि राजू तिवारी नामक व्यक्ति द्वारा कच्ची रोड बनाकर वैनगंगा नदी से रेत का अवैध खनन कई दिनों से किया जा रहा है। नदी से रेत का खनन होने के कारण पानी का जलस्तर बहुत नीचे गिर गया है जिससे ग्रामीणों कों जल संकट का सामना करना प रहा है और इससे बारिश के दिनों में बा आने की सम्भावना बन जाती है जिससे ग्रामीणों कों बेघर होना पता है। इस पर वारासिवनी एसडीएम कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम चिखलाबान्ध निवासी नेतलाल रामटेके उसके प्लॉट की रजिस्ट्री नही करने की शिकायत लेकर आये थे। नेतलाल ने बताया कि उनके पिता स्व. नेहरू रामटेके ने थाना रामपायली तहसील खैरलांजी अंतर्गत अपनी पत्नी उषा रामटेके के नाम से एक प्लॉट क्रय किया था, जिसका खसरा नंबर 154/3/क/1, रकबा 0.389 हेक्टेयर है। नेतलाल ने बताया कि इस प्लॉट की कुल राशि अलगङ्कअलग तिथियों में विक्रेता को दी गई। 6 जून 2020 को 2 लाख रुपये, 30 जुलाई 2020 को 54 हजार रुपये, 15 अक्टूबर 2020 को 1 लाख रुपये तथा 28 दिसंबर 2020 को 50 हजार रुपये नकद भुगतान किया गया। इसके बावजूद प्लॉट की रजिस्ट्री अब तक नहीं की गई है। नेतलाल ने कई बार विक्रेता से संपर्क किया, लेकिन उसके साथ टालमटोल की जा रही है। फोन पर चर्चा के बाद भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। इस मामले को लेकर उसने 02 जून 2025 को थाना रामपायली में भी आवेदन दिया है किंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। नेतलाल ने इसकी जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

प्रथम बार जोन स्तरीय खेलो एमपी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, बालाघाट बना खेल केंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला कबड्डी संघ बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम बार जोन स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

20 जनवरी को मुलना स्टेडियम, बालाघाट में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस जोन स्तरीय प्रतियोगिता में तीन जिलों बैतूल, बालाघाट एवं छिंदवाड़ा की बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में बालाघाट जिला प्रथम, छिंदवाड़ा द्वितीय तथा बैतूल तृतीय स्थान पर रहा। वहीं बालिका वर्ग में छिंदवाड़ा ने प्रथम, बालाघाट ने द्वितीय एवं बैतूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खेलो एमपी जोन कबड्डी प्रतियोगिता का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामकिशोर (नानो) कावरे रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मती मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष मती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर तथा जिला कबड्डी संघ के महासचिव रमेश दीक्षित उपस्थित रहे। समस्त अतिथियों द्वारा विजेता एवं सहभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा आगामी राज्य स्तरीय खेलो एमपी कबड्डी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया गया। अतिथियों ने बालाघाट जोन के खिलाड़ियों के उवल भविष्य की कामना की। उक्त आयोजन को सफल बनाने में जिला कबड्डी संघ के सचिव, पदाधिकारी, ऑफिशियल्स, जिला खेल प्रशिक्षक, ब्लॉक युवा समन्वयक, खेल शिक्षक एवं खेल विभाग के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

5 शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद कराया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की विभिन्न विभागों की अधिक दिनों से लंबित शिकायतों का रेंडमली चयन कर संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं शिकायतकर्ता को समक्ष में बुलाकर सुनवाई की जाती है। इसी कडी में 20 जनवरी को कलेक्टर श्री मीना द्वारा 100 से अधिक दिनों की लंबित 05 शिकायतों को समक्ष में सुना गया और इन शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 138 दिनों से लंबित शिकायत की समक्ष में सुनवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके एवं उपयंत्री द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत मोहनपुर के ग्राम सोनेवानी के आशीष चौधरी द्वारा नलजल योजना से जल प्रदाय नही होने की शिकायत की गई थी। इस शिकायत पर विभाग द्वारा कार्यवाही की गई है और सोनेवानी में नवीन जलस्त्रोत के लिए डगवेल खनन कर जल प्रदाय चालू कर दिया गया है एवं गांव के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से पानी मिलने लगा है। इस पर इस शिकायत

को बंद कराया गया है। इसी प्रकार कटंगी विकासखंड के भूपेंद्र लोखण्डे की छात्रवृत्ति नही मिलने संबंधी 116 दिनों से लंबित शिकायत का निराकरण होने पर उसे बंद कराया गया। लांजी विकासखंड के ग्राम बिरनपुर की जेवंताबाई द्वारा सोसायटी से खाद नही मिलने की शिकायत की गई थी। 160 दिनों से लंबित इस शिकायत की सुनवाई में बताया गया कि जेवंताबाई की शिकायत खाद से संबंधित नही थी बल्कि उसके द्वारा उसकी बिना सहमति के बेटों को ऋण वितरण नही किये जाने की मांग की गई थी। इस पर जेवंताबाई को आश्वस्त करा दिया गया है कि उसकी सहमति के बगैर समिति द्वारा ऋण वितरण नही किया जाएगा। इस शिकायत को बंद करने के निर्देश दिये गए।

परसवाडा विकासखंड के डीलनसिंह राजपूत द्वारा उसका संबल कार्ड पूर्व सचिव द्वारा अपात्र कर दिये जाने की शिकायत की गई थी। श्रम विभाग से संबंधित यह शिकायत निराकरण के लिए 155 दिनों से लंबित थी। श्रम विभाग द्वारा इस शिकायत की जांच में पाया गया कि डीलनसिंह की संबल आईडी पात्र है और उसे संबल योजना का लाभ मिलता रहेगा। इस प्रकार इस शिकायत को बंद कराया गया। इसी प्रकार परसवाडा विकासखंड के मनोज पंद्रे द्वारा पिता फागूलाल पंद्रे की मृत्यु होने के बाद संबल योजना की अनुग्रह राशि नही मिलने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत 182 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस शिकायत की जांच में पाया गया कि मनोज पंद्रे की समग्र आईडी एवं बैंक खाता की डीबीटी एवं ईकेवायसी नही होने के कारण उसकी अनुग्रह राशि का प्रकरण ऑनलाईन नही किया जा सका था। अब मनोज पंद्रे द्वारा अपने खाते की ईकेवायसी करा ली गई है और इसकी शिकायत का समाधान हो गया है, जिसके कारण इस शिकायत को अब संतुष्टि पूर्वक बंद करा दिया गया है।

छठवें दिन शिव पार्वती विवाह प्रसंग ने भक्तों को किया भावविभोर

गर्राटोला में संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला स्थित शासकीय माध्यमिक शाला के मैदान परिसर में 14 जनवरी से संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन पंडित शिवानंद महाराज द्वारा प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे

तक तथा सायंकाल 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। शिव महापुराण कथा के छठवें दिन सोमवार को पंडित शिवानंद महाराज ने भगवान शिव एवं माता पार्वती के विवाह प्रसंग का अत्यंत रोचक और भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान महाराज ने बताया कि राजा हिमालय के घर माता पार्वती का अवतरण हुआ था। बचपन से ही माता पार्वती भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन रहती थीं। राजा हिमालय और रानी मैनावती पुत्री की भक्ति से प्रसन्न तो थे, लेकिन जब पार्वती ने भगवान शिव से विवाह की इच्छा प्रकट की, तो दोनों चिंतित हो गए। महाराज ने कथा में बताया कि राजा हिमालय और रानी मैनावती ने माता पार्वती को कई बार समझाने का प्रयास किया कि भगवान शिव अवघड़दानी हैं, गले में सर्प धारण करते हैं और वैरागी जीवन जीते हैं। उन्होंने पार्वती से अन्य किसी योग्य वर से विवाह करने की सलाह भी दी, ताकि वह सुखमय जीवन व्यतीत कर सके, लेकिन माता पार्वती अपने निश्चय पर अडिग रहीं। कथा के अनुसार विवाह की तिथि निश्चित होने पर भगवान शिव भूत-पिशाचों की बारात के साथ राजा हिमालय के घर पहुंचे। इस अद्भुत बारात को देखकर सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। माता पार्वती की माता रानी मैनावती तो बारात का स्वरूप देखकर मूर्छित तक हो गई थीं। इस प्रसंग का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की आकर्षक एवं जीवंत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के दर्शन कर भक्तगण झूमते नजर आए और पूरा परिसर शिवमय हो उठा। शिव महापुराण कथा सुनने के लिए गर्राटोला के अलावा गर्रा, ब्राम्हणटोली, जनोबाटोली, झाड़गांव सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

पल्हेरा के ग्राम रोजगार सहायक को जनपद पंचायत बिरसा में संलग्न किया गया

संबल योजना का लाभ दिलाने के लिए रुपए लेने का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर संबल योजना की हितग्राही महिला से अनुग्रह राशि दिलाने के लिए 25 हजार रुपए की राशि लेने के मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत पल्हेरा के ग्राम रोजगार सहायक हिरमत जामरे को शासकीय कार्य से विरक्त रखते हुए जनपद पंचायत बिरसा में संलग्न किया गया है। इस अवधि में उसे निर्धारित मासिक पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत ही दिया जाएगा।

जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पल्हेरा की जानकीबाई कावरे ने कलेक्टर श्री मीना को जनसुनवाई में शिकायत की थी कि पति की मृत्यु के बाद अनुग्रह सहायता राशि दिलाने के लिए ग्राम रोजगार सहायक हिरमत जामरे द्वारा उससे दो बार में कुल 25 हजार रुपए की राशि ली गई है। कलेक्टर श्री मीना ने इस शिकायत की जांच करने के निर्देश दिये थे। जांच में पाया गया कि जानकी बाई की शिकायत सही है, इस पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ द्वारा ग्राम रोजगार सहायक हिरमत जामरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मनरेगा के अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक अभिषेक सराफ ने ग्राम रोजगार सहायक हिरमत जामरे द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नही पाये जाने पर उसे शासकीय कार्य से विरक्त करते हुए जनपद पंचायत बिरसा में संलग्न कर दिया है, इस अवधि में उसे निर्धारित पारिश्रमिक आधी राशि ही दी जाएगी।

बिहारीलाल अग्रवाल के निधन से नगर शोक में डूबा

पद्मेश न्यूज। बैहर। संतोषी ट्रेडर्स के संचालक सुनील अग्रवाल के ससुर, वरिष्ठ समाजसेवी श्री बिहारीलाल जी अग्रवाल का 82 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते दोपहर लगभग 12 बजे निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही अग्रवाल परिवार सहित पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। शोक स्वरूप नगर की कई दुकानें बंद रहीं।स्व. बिहारीलाल अग्रवाल का जन्म ग्राम बोडेगांव, जिला दुर्ग में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम नैनकट्टी में पूर्ण हुई। शिक्षक के रूप में कार्य करने के पश्चात उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर सहित विभिन्न स्थानों पर सेवाएं दीं। इसके बाद उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट में भी सेवा प्रदान की और वहीं से सेवा निवृत्त हुए। विगत लगभग 12 वर्षों से वे अपनी छोटी पुत्री संतोषी के निवास पर, दामाद सुनील अग्रवाल (भवन निर्माण ठेकेदार एवं लोहा-सीमेंट के थोक व्यापारी) के साथ रह रहे थे। निधन के उपरांत दूसरे दिन उनके नाती हिमांशु अग्रवाल, जो वर्तमान में महिंद्रा कंपनी, दिल्ली में भवन डिजाइनिंग यंत्री के रूप में सेवारत हैं, वायुयान द्वारा नागपुर पहुंचे और अपने नाना श्री बिहारीलाल अग्रवाल को अश्रुपूरित विदाई देते हुए मुखाग्नि दी। उल्लेखनीय है कि श्री अग्रवाल ने जीवनकाल में ही इच्छा व्यक्त की थी कि उनके निधन के बाद उनका नाती हिमांशु उन्हें मुखाग्नि दे।अंतिम यात्रा में दुर्ग से आए उनके भतीजे, सगे-संबंधी, परिजन एवं नगर के सभी वर्गों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और मोक्षधाम तक कंधा देकर उन्हें अंतिम विदाई दी।स्व. बिहारीलाल अग्रवाल व्यवहार कुशल, मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। पंचतत्व में विलीन होने के पश्चात दो मिनट का मौन रखकर शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

अपहृत नाबालिग किशोरी को गुजरात से बरामद किया

थाना तिरोड़ी पुलिस की कार्रवाई, आरोपी हिरासत में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने पिछले एक माह से बिना बताएं घर से निकली एक नाबालिक किशोरी को गुजरात राज्य से दस्तयाब किये। साथ ही इस नाबालिक लड़की का अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को भी गिरफ्तार किया

है। यह युवक सागर पिता सदाराम शिवहरे 21 वर्ष वार्ड नंबर 7 ग्राम सावरगांव थाना तिरोड़ी निवासी है। तिरोड़ी पुलिस के मुताबिक 17 दिसंबर को यह किशोरी बिना बताए घर से लापता हो गई थी ।परिजनों के द्वारा इस नाबालिक किशोरी की तलाश की गई किंतु वहां नहीं मिली परिजनों के द्वारा की गई रिपोर्ट पर तिरोड़ी पुलिस थाने में इस नाबालिक किशोरी का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 323/2025, धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया था तिरोड़ी पुलिस द्वारा लगातार इस नाबालिक किशोरी की तलाश की जा रही थी। हाल ही में सूचना मिली कि यह नाबालिक किशोरी गुजरात राज्य में है। जिसे दस्तयाब करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) विवेक कुमार शर्मा और तिरोड़ी पुलिस थाना प्रभारी कौशल सूर्या के मार्गदर्शन में सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार , प्रधान आरक्षक कौशल शर्मा और महिला आरक्षक अरुणा सलामे की टीम गुजरात रवाना की गई थी। तिरोड़ी पुलिस की इस टीम ने गुजरात राज्य में किशोरी की पतासाजी करने के दौरान 18 जनवरी को अपहर्ता किशोरी को गुजरात राज्य के जिला भुज कच्छ के गारम मोटा असमिया, थाना कोडाय क्षेत्र से विधिवत दस्तयाब कर लिया है ।पुलिस के अनुसार इस मामले में आरोपी सागर पिता सदाराम शिवहरे 21 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 7, ग्राम सावरगांव को संदेही के रूप में चिन्हित किया गया है। अपहर्ता किशोरी को आरोपी से समक्ष गवाहों की उपस्थिति में सुरक्षित दस्तयाब किया गया ।दस्तयाबी के पश्चात किशोरी के कथन महिला अधिकारी द्वारा धारा 180 बीएनएस के अंतर्गत दर्ज किए गए। सागर शिवहरे को इस किशोरी का अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्यवाही जारी है।

कायदी क्षेत्र की पत्थर खदानें कभी आत्मनिर्भर मजदूरों का आधार थी, आज बेरोजगारी और पलायन की बेबसी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी विकासखंड के अंतर्गत आने वाला कायदी क्षेत्र कभी पत्थर उत्खनन के लिए प्रसिद्ध रहा है। लगभग 50 वर्ष पूर्व इस क्षेत्र की पहाड़ियों में एक दर्जन से अधिक पत्थर उत्खनन खदानें संचालित थीं। इन खदानों के माध्यम से आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के सैकड़ों मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होता था। यह क्षेत्र उस समय आत्मनिर्भर रोजगार का एक मजबूत उदाहरण था।

हाथों से पत्थर तोड़ने की परंपरा थी रोजगार का आधार

उस दौर में पत्थर तोड़ने का कार्य पूरी तरह श्रम आधारित था। मजदूर अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर हाथ से पत्थर तोड़ते थे। पुरुष, महिलाएं और युवा सभी इस कार्य में सहभागी होते थे। यह कार्य केवल मजदूरी नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चला आ रहा जीवन यापन का साधन था। खेती-किसानी के बाद खाली समय में मजदूर पत्थर खदानों में काम कर अपनी अतिरिक्त आय अर्जित करते थे। इससे मजदूरों को काम के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता था और परिवार एक साथ रहकर सम्मानजनक जीवन जी पाता था।

वन विभाग के अधिग्रहण ने छीना रोजगार

लगभग 30 वर्ष पूर्व कायदी क्षेत्र की पहाड़ियों को वन विभाग द्वारा अपने अधीन ले लिया गया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इन क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया गया, जिसके चलते पत्थर उत्खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया।

हालांकि वृक्षारोपण पर्यावरण के लिए आवश्यक था, लेकिन इसके साथ कोई वैकल्पिक रोजगार योजना लागू नहीं की गई। परिणामस्वरूप, सैकड़ों मजदूरों का पारंपरिक रोजगार एक झटके में समाप्त हो गया।

हाथों से पत्थर तोड़ने की परंपरा थी रोजगार का आधार

मजदूरों पर पड़ा गहरा सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

खदानों के बंद होने के बाद मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया। स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन समाप्त होने से मजदूरों को मजबूरी में बाहरी शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों की ओर पलायन करना पड़ा। बाहरी क्षेत्रों में मजदूरों को अस्थायी काम, कम मजदूरी, असुरक्षित कार्यस्थल और रहने की दयनीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार से दूर रहना, बच्चों की शिक्षा में बाधा और सामाजिक असुरक्षा जैसी समस्याएं आम हो गई हैं।

मशीनों ने छीनी मजदूरों की भूमिका

वर्तमान समय में कायदी क्षेत्र की कुछ शासकीय और निजी भूमि को लीज पर लेकर पत्थर उत्खनन किया जा रहा है। लेकिन यहां आधुनिक मशीनों और भारी उपकरणों का प्रयोग हो रहा है ।जहां पहले एक खदान में 20 से 30 मजदूरों को रोजगार मिलता था, अब वही काम कुछ मशीनें और गिने-चुने ऑपरेटर कर रहे हैं। इससे स्थानीय मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हो चुके हैं।

ब्लास्टिंग बनी बड़ी समस्या

कुछ पत्थर खदानें आबादी क्षेत्र के समीप स्थित थीं। ब्लास्टिंग के कारण मकानों में दरारें, धूल प्रदूषण, कंपन और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बाद प्रशासन द्वारा कई खदानों को बंद कर दिया गया ।हालांकि यह निर्णय सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक था, लेकिन इससे मजदूरों की बेरोजगारी और भी बढ़ गई।

आज भी आधा दर्जन खदानें, फिर भी बेरोजगार मजदूर

वर्तमान में कायदी क्षेत्र में लगभग आधा दर्जन पत्थर खदानें निजी भूमि या लीज पर संचालित हैं, लेकिन मशीनों के कारण स्थानीय मजदूरों को इनमें काम नहीं मिल रहा। बीते कई वर्षों से इस क्षेत्र के मजदूर लगातार बाहरी शहरों में मजदूरी करने को विवश हैं।

मजदूरों की पीड़ा

स्थानीय मजदूरों का कहना है कि पहले हमें काम के लिए कहीं जाना नहीं पड़ता था। गांव में ही रोजगार मिल जाता था। आज हालत यह है कि महीनों घर से बाहर रहना पड़ता है, फिर भी पूरा खर्च नहीं निकल पाता।

शासन-प्रशासन से मांग

क्षेत्र के मजदूर और सामाजिक कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता देकर रोजगार उपलब्ध कराया जाए, मशीन आधारित खनन के साथ-साथ श्रम आधारित कार्य को बढ़ावा दिया जाए, बंद की गई खदानों के बदले वैकल्पिक रोजगार योजनाएं लागू की जाएं, मनरेगा, कौशल विकास और स्थानीय उद्योगों से मजदूरों को जोड़ा जाए।

जनहित से जुड़ा गंभीर मुद्दा

कायदी क्षेत्र की यह स्थिति केवल रोजगार का प्रश्न नहीं, बल्कि सैकड़ों परिवारों के भविष्य से जुड़ा विषय है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो पलायन, गरीबी और सामाजिक असंतुलन और अधिक बढ़ सकता है। जनहित में आवश्यक है कि शासन-प्रशासन इस दिशा में गंभीरता से पहल करे, ताकि कायदी क्षेत्र के मजदूर अपने ही गांव में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

टीकाकरण कार्य का मानदेय लंबित

गौ सेवक संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गौ सेवक संघ द्वारा जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग रखी गई। ज्ञापन में संघ ने बताया कि बीते कुछ वर्षों से टीकाकरण अभियान के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों का मानदेय अब तक जारी नहीं किया गया है। गौ सेवक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वे शासन के निर्देश पर समय-समय पर पशुओं के टीकाकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं नि:स्वार्थ भाव से देते आ रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा उनके मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे संघ से जुड़े सदस्यों में भारी नाराजगी है। संघ ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि लंबे समय से भुगतान लंबित रहने के कारण गौ सेवकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि उनके द्वारा किए गए कार्यों का लंबित मानदेय शीघ्र जारी कराया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

मध्य प्रदेश गौ सेवक संघ के जिला अध्यक्ष योगलाल नगपुरे ने बताया कि वे बीते कई वर्षों से पशुपालन विभाग को निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन विभाग द्वारा उनसे कार्य तो लिया जाता है, जबकि उसके एवज में मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते गौ सेवकों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। योगलाल नगपुरे ने बताया कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच जिले के विभिन्न गांवों और तहसीलों में संघ से जुड़े गौ सेवकों ने व्यापक स्तर पर पशुओं के टीकाकरण का कार्य किया। शासन के निर्देशों के अनुरूप टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में गौ सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, किंतु इसके बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक उनका मानदेय जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि गौ सेवक न केवल टीकाकरण कार्य करते हैं, बल्कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार भी करते हैं। इसके साथ ही किसान भाइयों और उनके मवेशियों को टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इसके बावजूद लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने के कारण गौ सेवकों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। जिला अध्यक्ष नगपुरे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही उनके द्वारा किए गए कार्यों का मानदेय जारी नहीं किया गया, तो गौ सेवक संघ शासन और विभाग से जुड़े किसी भी कार्य को आगे करने में असमर्थ रहेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि गौ सेवकों के योगदान को देखते हुए उनके लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

घास की जमीन पर सड़क और विकास कार्य फिर आवास पट्टा क्यों नही दिये जा रहे है

आवास टोली के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 33 स्थित जागपुर घाट आवास टोली में निवासरत लोगों ने एक बार फिर जमीन के पट्टे की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रशासन से गुहार लगाई। आवास टोली के रहवासियों का कहना है कि जब शासन इस भूमि को घास की जमीन बता रहा है, तो फिर यहां बड़े स्तर पर विकास कार्य कैसे कराए गए और कुछ लोगों को बिना पट्टे के प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कैसे दे दिया गया। आवास टोली के रहवासियों ने प्रशासन के समक्ष कई गंभीर सवाल उठाए। आवास टोली निवासी रागिनी एवं कृष्ण कुमार ने कहा कि यदि यह भूमि वास्तव में घास की जमीन है, तो फिर जागपुर घाट से गोंगलाई तक मुख्य सड़क का निर्माण कैसे कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब नगर पालिका द्वारा इस क्षेत्र में लाखों रुपये की लागत से सड़क, बिजली, पेयजल व्यवस्था और नालियों का निर्माण कराया जा चुका है, तो यह कैसे माना जा सकता है कि भूमि पर किसी प्रकार का अधिकार नहीं दिया जा सकता। रहवासियों का कहना है कि जब शासन और नगर पालिका द्वारा यहां पूरा आधारभूत ढांचा विकसित कर दिया गया है, तो वर्षों से इस स्थान पर निवास कर रहे परिवारों को जमीन का पट्टा देने में आखिर किस बात की आपत्ति है। लोगों ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर पैसे तो खर्च कर दिया गया, लेकिन निवासरत परिवारों को कानूनी अधिकार देने में लगातार टालमटोल क्यों किया जा रहा है। पट्टे की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची महिलाओं ने बताया कि वे लंबे समय से इसी क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रह रही हैं। उनके पास रहने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, इसके बावजूद आज तक उन्हें जमीन का अधिकार नहीं मिल पाया है। इस स्थिति के चलते वे भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

मध्यान्ह भोजन का कार्य छिनने से रोजगार संकट में

आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आजीविका मिशन से जुड़ी वे महिलाएं, जो शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन निर्माण का कार्य कर रही थीं, इन दिनों गंभीर बेरोजगारी की समस्या से जूझ रही हैं। रोजगार समाप्त हो जाने से परेशान महिलाओं ने मंगलवार 20 जनवरी को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदन सौंपते हुए पुन: रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। इस संबंध में जानकारी देते हुए वंदना उके ने बताया कि वे सभी महिलाएं आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। उनका समूह प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला भटेरा सहित वार्ड क्रमांक एक

बूढ़ी बालाघाट में संचालित शासकीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन तैयार करने का कार्य लंबे समय से कर रहा था। उन्होंने बताया कि बिना पूर्व सूचना के अचानक उनके समूह को उक्त कार्य से हटा दिया गया, जिससे समूह की सभी महिलाएं बेरोजगार हो गईं और उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। वंदना उके ने बताया कि पूर्व में समूह की अध्यक्ष के पुत्र द्वारा आर्थिक तंगी के चलते कुछ राशन सामग्री बेच दी गई थी। इसी घटना को आधार बनाकर प्रशासन द्वारा पूरे समूह को कार्य से पृथक कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की गलती का दंड पूरे समूह की महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है, जिससे कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि वे वर्षों से ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ मध्यान्ह भोजन का कार्य कर रही थीं। अचानक काम छिन जाने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है। महिलाओं का कहना है कि अधिकांश परिवार इसी आय पर निर्भर थे और अब बच्चों की पढ़ाई व घर खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। जनसुनवाई में उपस्थित महिलाओं ने अधिकारियों से मांग की कि उन्हें पुन: मध्यान्ह भोजन योजना का कार्य सौंपा जाए अथवा आजीविका मिशन के अंतर्गत किसी अन्य वैकल्पिक रोजगार से जोड़ा जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें।

घर से स्कूल जाने कलकत्ता से निकली छात्रा लापता

किरनापुर पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी, तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कलकता से स्कूल जाने के लिए घर से निकली एक छात्रा वापस नहीं लौटी। मामले में किरनापुर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लापता छात्रा निकिता पिता सुरेचंद बिल्हारे 18 वर्ष 3 माह निवासी ग्राम कलकता है। निकिता ग्राम किन्ही स्थित स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा थी और प्रतिदिन पैदल ही स्कूल आने-जाने करती थी। उसके पिता सुरेचंद बिल्हारे ड्राइवरी एवं मजदूरी का कार्य करते हैं। परिवार में चार बेटियां हैं, जिनमें से दो का विवाह हो चुका है। निकिता परिवार की सबसे छोटी बेटी है। बताया गया कि 27 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 9 बजे निकिता रोज की तरह स्कूल बैग लेकर, स्कूल ड्रेस पहनकर पैदल स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। छात्रा के घर न लौटने पर परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों, रिश्तेदारों एवं परिचितों के यहां उसकी तलाश की। वहीं स्कूल से जानकारी लेने पर पता चला कि 27 दिसंबर को निकिता स्कूल नहीं पहुंची थी। लगातार खोजबीन के बावजूद निकिता का कोई सुराग नहीं लग पाया है। बताया गया है कि निकिता घर से अपने पढ़ाई संबंधी कुछ दस्तावेज एवं स्कूल बैग साथ लेकर निकली थी ।लापता छात्रा का हुलिया इस प्रकार है—रंग गोरा, चेहरा गोल, ऊंचाई लगभग 5 फीट, लंबे बाल, तथा सफेद रंग का सलवार-सूट (स्कूल ड्रेस) पहने हुए थी ।परिजनों की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 12/2026 दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है और हर संभावित पहलू से जांच की जा रही है।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में बालाघाट में परचम फहराया

योद्धा कराते एंड फिटनेस एकेडमी ने जीते 14 पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में आयोजित 16वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय इंडियन कराटे चैंपियनशिप में योद्धा कराते एंड फिटनेस एकेडमी, बालाघाट के खिलाड़ियों ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में एकेडमी के खिलाड़ियों ने कुल 14 पदक अपने नाम किए, जिनमें 3 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिवम् बवानकर ने फाइट इवेंट में स्वर्ण पदक तथा काता में कांस्य पदक हासिल किया। वेद भगत ने काता में स्वर्ण और फाइट में रजत पदक जीतकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं नोमिका पालेवार ने काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिव्यांशी नागपुरे ने काता में रजत तथा फाइट में कांस्य पदक अर्जित किया। आराध्य मोहारे ने काता और फाइट दोनों स्पर्धाओं में रजत पदक जीतकर एकेडमी को गौरवान्वित किया। एंजल मोहारे ने ब्लैक बेल्ट श्रेणी में काता और फाइट दोनों में कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रमेश कुंभलकर ने काता और फाइट दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते, जबकि सफल पाण्डेय ने फाइट इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा प्रतियोगिता में प्रियंजलि तिवारी, आस्था बसेने, लक्ष्य नागपुरे, युगांक नागपुरे, श्रेया बसेने एवं आहना बसेने ने भी सहभागिता कर एकेडमी का सफल प्रतिनिधित्व किया। इस उपलब्धि पर योद्धा कराते एंड फिटनेस एकेडमी, बालाघाट के संस्थापक, संचालक एवं मुख्य प्रशिक्षक सेन्सेई लक्की मड़ावी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों की इस सफलता में अभिभावकों के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया।

आस-पास की खबरें

लालबर्रा ब्लॉक सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष बने मथुरा बिसेन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ब्लॉक कांग्रेस सेवादल के नये अध्यक्ष के रूप में मथुरा बिसेन की नियुक्ति की गई है जिससे कांग्रेसियों एवं समर्थकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। सोमवार को जबलपुर में सेवादल प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव व पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया जी सहित वरिष्ठ कांग्रेसियों की उपस्थिति में संभाग स्तरीय सेवादल बैठक संपन्न हुई। जिसमें संभाग के सभी जिले से पहुंचे नये नियुक्त अध्यक्ष गणों को प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव जी द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये है। उक्त कार्यक्रम में लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष पद पर नियुक्त लालबर्रा के बांदरी निवासी मथुरा बिसेन को नियुक्ति पत्र प्रदान किया है। मथुरा बिसेन के लालबर्रा ब्लॉक सेवादल कांग्रेस के अध्यक्ष बनने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, पूर्व विधायक हिना कावरे, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, सम्राटसिंह सरस्वर जिला पंचायत अध्यक्ष, लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर, खमरिया अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले, भाऊराम गाड़ेश्वर पूर्व अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा, लक्ष्मी वाघाडे, विनीता सोनी, संदेश सैयाम, मधु शर्मा, ज्ञानचंद शर्मा, रवि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अनीस खान, अनिल शर्मा, शैलेश केकती, बालकृष्ण बिसेन, जाहिद खान, रूपसिंह उईके, मनीष बटघरे, पन्नालाल गौतम, टुंडीलाल ठाकरे, बलेश राहंगडाले, दिलेश ठाकुर, सुमित स्वामी, नितिन शाखला, रामनाथ सोनी, ॠतिक कटारे, शिबू चौरसिया, अशोक लिलहरे, डॉ. रवि ठाकरे, चित्रसेन ठाकरे, देवराज ठाकरेले, श्री धामडे, मुरली ठाकरे, लेखराम सर्वे, श्री चारमोडे, दुर्गा पगरवार, गुलाब चौधरी, गजेन्द्र देशमुख, होलिका भॉयर, रूखमणि मर्सकोले, रंजना चौहान, फिरोज खान, मुस्तान खान, शैलेश सोनी, शमी कुरैशी, श्री भौटेकर, ईश्वरी चौधरी, संजय कटरे, कृष्णा टेंभरे, अमीनुद्दीन हन्फी, सुनील अवधिया, प्रशांत चंद्रवार, गणेश मोहबे, राजू मेहरबान, कृष्ण कुमार यादव, इमरान खान, नूरकलम, मकसूद खान, काले बाबा, सतानंद दमाहे, सुंदर लिल्हारे, नावेद खान, युगल कुमार, दीपक तोमर, विनोद सोनी, स्वप्निल शर्मा, भेजनलाल सर्राटे, लवकुश पांचे, अशोक जैन सहित अन्य शामिल है।

अमोली शासकीय कन्या उमा. विद्यालय की सुरक्षा भगवान भरोसे चल रही

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इन दिनों असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। स्कूल के भवन के पीछे बाउण्ड्रीवाल न होने के कारण रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा अंदर घुसकर चोरी जैसी वारदात को अंजाम दिया जा सकता है। साथ ही स्कूल पहुंचने के लिए सीधा मार्ग भी नही है ऐसी स्थिति में छात्राओं सहित शिक्षकगणों को भी स्कूल तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। वहीं स्कूल तक पानी पहुंचाने के लिए लगी नल-जल योजना की पाइपलाईन भी एक स्थान से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जहां से पानी का रिसाव हो रहा है जिसका अब तक पीएचई विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। ऐसी स्थिति में जिस स्थान से पाइपलाईन क्षतिग्रस्त हुई है उस स्थान से जब पानी पाइपलाईन के बाद से स्कूल में लगी टंकी में पहुंचता है तो गंदा पानी भी साथ में जा रहा है और उसी पानी का उपयोग स्कूल की छात्राएं पीने में कर रही है। इस तरह से स्कूल में विभिन्न समस्या बनी हुई है जिससे छात्राओं सहित शिक्षकगणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा पीएचई विभाग से नल-जल योजना की जो पाइपलाईन स्कूल के समीप से क्षतिग्रस्त हुई है उसका मरम्मत कार्य एवं शासन-प्रशासन से स्कूल की सुरक्षा के लिए बाउण्ड्रीवाल एवं पहुंच मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की मांग की है।

बाउण्ड्रीवाल नही होने से असामाजिक तत्वों के अंदर प्रवेश एवं चोरी होने की संभावना

सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन चिंतित

आपकों बता दे कि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली में कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित होती है और इस स्कूल में छात्राएं शिक्षा ग्रहण करती है। लेकिन शासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन का निर्माण किया गया है, लेकिन इस स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का निर्माण नही करवाया गया है। साथ ही स्कूल भवन के सामने वाले भाग में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण किया गया है, पीछे भाग में नही किया गया है। ऐसी स्थिति में स्कूल की छुट्टी होने के बाद रात के समय असामाजिक तत्व अंदर घुसकर गंदगी करते है। साथ ही चोरी की वारदात को भी अंजाम दे सकते है एवं आसपास स्थित झाड़ियों की सफाई नही होने से स्कूल के अंदर जहरीले कीड़े-मकोड़े के प्रवेश होने का भी डर बना हुआ है। वहीं समनापुर मार्ग के पीछे स्कूल है जो सड़क से दिखाई नही देता है यानि की स्कूल अंदर में है। जिसके कारण नये लोगों को स्कूल किस स्थान पर है उसकी जानकारी नही होने पर परेशान होना पड़ता है क्योंकि स्कूल जाने के लिए कोई सीधा एवं सरल रास्ता नही है। जिससे छात्राओं को भी स्कूल तक पहुंचने में परेशानी होती है। वहीं विद्यालय में स्थित प्रयोगशाला, कम्प्यूटर कक्ष और अन्य कीमती सामानों की सुरक्षा को लेकर भी स्कूल प्रबंधन चिंतित है। पूर्व में भी कई बार असामाजिक तत्वों द्वारा खिड़कियों और दरवाजों से छेड़छाड़ की कोशिशे की गई है इसलिए प्रशासन से जिस स्थान से बाउण्ड्रीवाल नही है। उस स्थान पर बाउण्ड्रीवाल एवं आवागमन के लिए पक्की सड़क का निर्माण करवाने की मांग छात्राएं, छात्राओं के अभिभावक एवं शिक्षकगणों ने की है।

सड़क एवं बाउण्ड्रीवाल का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - शर्मा

दूरभाष पर चर्चा में शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय अमोली के प्राचार्य बीपी शर्मा ने बताया कि भवन की सुरक्षा के लिए पूर्व में सामने से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण किया गया है, पीछे भाग से निर्माण नही किया गया है, जहां फेंसिग तार लगाया गया है। वह भी क्षतिग्रस्त होने लगा है, उक्त स्थान पर बाउण्ड्रीवाल निर्माण की मांग प्रशासन से की गई है। साथ ही यह भी बताया कि जो पाइपलाईन क्षतिग्रस्त हुई है उसका हमारे स्तर से मरम्मत कार्य करवा दिये है लेकिन पुरी तरह से ठीक नही हुआ है, पीएचई विभाग से मांग है कि पाइपलाईन का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये एवं स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नही होने से आने-जाने में छात्राओं सहित शिक्षकगणों को परेशानी होती है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि पक्की सड़क का भी जल्द निर्माण करवाये।

सड़क के दोनों ओर उगी खरपतवार की पंचायत ने करवाई सफाई, आवागमन में होगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के आगे वैनगंगा बड़ी नहर स्थित गाडर से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने के कारण मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणजनों को आने-जाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में सड़क के किनारे खरपतवार होने से आवागमन में हो रही परेशानी नाम शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद ग्राम पंचायत अमोली के द्वारा गत दिवस सड़क के दोनों ओर उगी घनी एवं बड़ी-बड़ी झाड़ियों की साफ-सफाई करवा दी गई है। वहीं झाड़ियों की साफ-सफाई हो जाने से अब लोगों को आवागमन में पूर्व में हो रही परेशानियों से निजात मिल चुकी है। साथ ही ग्रामीणजनों ने समय-समय पर झाड़ियों की साफ-सफाई करवाते रहने के साथ ही प्रशासन से पक्की सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है। चर्चा में ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का लंबे समय से निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन निर्माण अब तक नही किया गया है। साथ ही गाडर से लेकर आमाटोला पहुंच मार्ग के दोनों ओर की झाड़ियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने से घनी झाडिया (खरपतवार) उग चुकी थी। साथ ही इस मार्ग में मोडाई के साथ ही बीच से वैनगंगा बड़ी नहर गुजरी है और दुसरे साइड से सर्राटी नदी गुजरी है और गाडर भी स्थित है। वहीं घनी झाड़िया होने के कारण उक्त स्थानों से जब लोग आना-जाना करते है तो उन्हे खासा परेशानियां होती थी। जिसकी सफाई करवाने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। वहीं इस समस्या को लेकर गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद अमोली पंचायत के द्वारा झाड़ियों (खरपतवार) की साफ-सफाई करवा दी गई है। सड़क किनारे की घनी एवं लंबी झाड़ियों की साफ-सफाई हो जाने से अब आवागमन में सुविधा हो रही है एवं पूर्व में झाड़ियों में वन्यप्राणियों के छुपे रहने का जो डर बना हुआ था वह दुर हो चुका है। बस सड़क की समस्या बनी हुई है इसलिए प्रशासन से मांग है कि अमोली से आमाटोला (ददिया) पहुंच मार्ग का जल्द पक्का निर्माण करवाये।

बकोड़ा में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 26 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में 26 जनवरी को दिन-रात के मेले के अवसर पर रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आगामी 26 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से मोर गांव के माटी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिकाओं के द्वारा साथी कलाकारों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मेला समिति अध्यक्ष मुकुंद कावरे, सचिव मल्लू बालेश्वर, सदस्य गौरीशंकर, सुनील, दीपक, भुवन, मनीष, सुरेन्द्र, संतलाल, स्वास्तिक, अनिमेय, अमर, अजय, योगेश, प्रथम, धर्मेन्द्र, रितु, बब्लू, शिवा, दुर्योधन, मुनेश, यवराज, राधेश्यांम, अनंतलाल, आशाराम, अक्षय, महेन्द्र, अर्पित, प्रभु, गुलाब, डोम, जितेन्द्र, गुड्डू, शंकर, मिनेश, टेकचंद, सुभाष, शुभम, आशीष, संतोष सहित ग्रामीणजनों ने की है।

शिविर में 388 बच्चों की हुई हृदय की जांच

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ के द्वारा 20 जनवरी को नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल बच्चों में जन्मजात हद्य रोग संबंधी नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर, पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल बकोड़ा प्राचार्य जीआर अंगुरे सहित अन्य शिक्षक एवं रायपुर से पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित इस नि:शुल्क हद्य जांच शिविर में एस ई सी एल के सीएसआर कार्यक्रम 'धड़कन' अन्तर्गत जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ऐसे बच्चे जिन्हें साँस लेने में परेशानी, वजन ना बढ़ना, बार बार सर्दी-खासी या निमोनिया होना, स्तनपान के समय पसीना आना, तेज धड़कन, शरीर का नीलापन संबंधित लक्षण है। ऐसे 388 बच्चों की नि:शुल्क परीक्षण कर जांच की गई। साथ ही बच्चे एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य संबंधित उचित मार्गदर्शन भी दिया गया। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा बताया गया कि जन्मजात हद्य रोग संभावित चिहांकित बच्चों का परीक्षण एवं सर्जरी एस.इ.सी.एल. के द्वारा रायपुर के श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल में पूर्णत: नि:शुल्क की जायेगी। इस अवसर पर शिक्षक अफरोज खान, धानेश्वर बिसेन, श्रीमती लेखन पटले, धनंजय सोनी, रामप्रसाद पटले, श्याम सोलंकी, श्रीमती लता शिव, श्रीमती भारती पारधी, सत्यम कटरे, भवित कटरे, नरेन्द्र हाथी, शासकीय प्राथमिक स्कूल बलेगांव के प्रभारी प्रधानपाठक प्रदीप डोंगरे, अशोक वैद्य, श्रीमती खेमेश्वरी रहांगडाले सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बेनीराम पंचेश्वर बने मरार माली समाज सर्किल अमोली के अध्यक्ष

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन कर समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम रामजीटोला स्थित मरार माली समाज मंगल भवन में मंगलवार को मरार माली समाज सर्किल अमोली की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक पर्यवेक्षक छन्नुलाल दांदरे सहित अन्य पर्यवेक्षक, मरार माली समाज लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मात्रे, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर एवं सामाजिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित इस बैठक में मरार माली समाज सर्किल अमोली का नवीन कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारी नियुक्त करने, समाजोत्थान, संगठन की मजबूती सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। तत्पश्चात नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया और बेनीराम पंचेश्वर को सर्वसम्मति से मरार माली समाज सर्किल अमोली का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह लालचंद देशमुख को उपाध्यक्ष, श्रीराम जामरे को सचिव, दिनेश पंचेश्वर को कोषाध्यक्ष, शिवलाल पंचेश्वर को सहसचिव, संजय पंचेश्वर, राजू पंचेश्वर, कपूरचंद माने, श्रीमती सीमा मानेश्वर, श्रीमती सविता पंचेश्वर, श्रीमती लक्ष्मी बरले को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। बैठक में उपस्थित पर्यवेक्षकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सर्किल के अंतर्गत आने वाले 10 ग्रामों के सामाजिक बंधुओं को साथ में लेकर समाजोत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही गई है। पर्यवेक्षक छन्नुलाल दांदरे ने बताया कि लालबर्रा ब्लाक के अंतर्गत 10 सर्किल के कार्यकारिणी का गठन होना है जिसमें 5 मरार माली समाज सर्किल का गठन हो चुका है एवं शेष 5 का भी जल्द किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि सर्किल का गठन कर पदाधिकारियों के माध्यम से ग्राम स्तर पर ब्लाक एवं जिला स्तर से मिलने वाली जानकारी को पहुंचाने के साथ ही उनकी समस्याओं का भी समाधान किया जाता है। इसी उद्देश्य से मरार माली समाज सर्किल का गठन किया जा रहा है और सभी के सहयोग से समाज का विकास एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में काम किये जायेगें। इसलिए सभी ग्रामीणजनों से अपील है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करे और संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करें। वहीं मरार माली समाज सर्किल अमोली नवनियुक्त अध्यक्ष बेनीराम पंचेश्वर ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाज का विकास एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। इस अवसर पर मरार माली समाज सर्किल अमोली के अंतर्गत आने वाले 10 ग्रामों के ग्राम अध्यक्ष, सचिव सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के दो खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत दो छात्रों का राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

इस तरह से शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के लिए गर्व का विषय है कि महाविद्यालय के दो छात्र अनुराग बारमाटे एवं आयुष नेटी (बी.ए. प्रथम वर्ष) राज्य स्तरीय जूडो (पुरूष) ओपन प्रतियोगिता में चयन हुआ है। जो आगामी 27 जनवरी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करने हेतु सागर रवाना होगे। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी भाग लेगे। महाविद्यालय परिवार को विश्वास है कि अनुराग एवं आयुष अपने प्रतिभा, मेहनत एवं अनुशासन के बल पर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य, महाविद्यालय परिवार एवं दोनों खिलाडियों के माता-पिता ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है। साथ ही छात्रों की इस उपलब्धि से इस महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम राज्य स्तर पर गौरवांवित हुआ है।

अज्ञात व्यक्ति ने इलेक्ट्रीकल दुकान संचालक से की धोखाधड़ी

भुगतान करने की बात कहकर साथ ले गये युवक को छोड़ भागा अज्ञात व्यक्ति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के कटंगी रोड़ स्थित चेतन इलेक्ट्रॉनिक्स में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा संचालक से १८ हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें बताया जा रहा है कि उक्त अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सामग्री खरीदी कर दुकान संचालक से साथ में चलने युवक को कहा था। उसे भुगतान करने की बात कही गई इसके बाद साथ गये युवक को आधे रास्ते छोड़ सामग्री लेकर अज्ञात व्यक्ति फरार हो गया। यह घटना १८ जनवरी की दोपहर की बताई जा रही है जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। इसमें दुकान में आए अज्ञात युवक की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल हो रहे हैं। हालांकि यह नगर में पहली घटना नहीं है उक्त व्यक्ति के द्वारा इसके पहले भी अन्य दो स्थान पर इस प्रकार की वारदात करने की बात सामने आ रही है।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल से चेतन इलेक्ट्रॉनिक के सामने आया। जहां किनारे में मोटरसाइकिल खड़ी कर वह दुकान के अंदर जाकर इलेक्ट्रॉनिक की विभिन्न सामग्री घर में बिजली फिटिंग करने को लेकर खरीदी करने लगा। जहां दुकान संचालक चेतन जैन के द्वारा समस्त सामग्री निकालकर अज्ञात व्यक्ति को दी गई। जिसमें पूरी सामग्री को जोड़कर करीब १८ हजार रुपये का बिल तैयार कर रुपये मांगे गए। तो उक्त व्यक्ति के द्वारा एक युवक उनके साथ चलने की बात कहते हुए कहा कि यह सामग्री घर तक ले जाने में वह मदद करेगा और उसे रुपये देकर वापस यहां पर छोड़ भी दूंगा। इसके बाद दुकानदार के द्वारा भरोसा कर युवक को भेजा गया। परंतु बड़ी नहर लाल किवाड़ी भदभादया के आगे एक किराना दुकान में मोटरसाइकिल रोक कर उक्त व्यक्ति के द्वारा इलेक्ट्रॉनिक दुकान के युवक को उतार दिया। जिसे महिला को छोड़कर आने की बात कहते हुए अज्ञात व्यक्ति उक्त स्थान से फरार हो गया। इस घटना की जानकारी दुकान संचालक चेतन जैन को उस समय लगी जब उनका कर्मचारी आने में लेट हुआ तो फोन लगाया गया तो उसने बताया कि उक्त व्यक्ति उसे छोड़कर चला गया है। इसके बाद इस घटना की जानकारी नगर में आग की तरफ फैल गई और हर तरफ यह एक चर्चा का विषय बना रहा। हालांकि यह पहली घटना नहीं है इसके पहले भी उक्त व्यक्ति के द्वारा सविता टॉकीज के पास स्थित मां इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बालाघाट रोड़ स्थित गुरुदेव फोटोकॉपी में भी पूर्व में इस प्रकार की घटना करने की बात सामने आ रही है।

अज्ञात व्यक्ति सामान छोड़कर पैसे लेकर आता हूं कहकर गायब हो गया-चेतन

पीड़ित चेतन जैन ने बताया कि १८ फरवरी को एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ दोपहर में सामान खरीदने मेरी दुकान आया था। उसने बताया कि मेंढ़की रहता हूं शिवधाम में घर बना रहा हूं सामान देने पर उसने कहा कि रुपये नहीं लाया हूं एक लड़का दो समान भी घर तक छोड़ दूंगा और पैसे भी देकर यहां पर छोड़ूंगा। तो वह लड़का उसके साथ गया परंतु नहर के पास एक किराना दुकान में उसने हमारी दुकान के लड़के को उतार कर रुकने कहा कि यह मेरी दुकान है यहां रुको। मैं सामान छोड़कर पैसे लेकर आता हूं फिर वह गायब हो गया। ऐसी ही एक घटना सविता टॉकीज के पास इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बालाघाट रोड गुरुदेव कंप्यूटर में सामने आई थी। हमारे पास से करीब १८००० रुपये का सामान लेकर वह गया है उसकी गाड़ी के आगे और पीछे कोई नंबर नहीं है। इस घटना की शिकायत मेरे द्वारा थाने में कर दी गई है।

दिसबंर २०२४ में यही व्यक्ति ने मेरे दुकान से सामान खरीद कर ऐसी ही घटना को अंजाम दिया था-खेमराज

पीड़ित खेमराज एडे ने बताया कि दिसंबर २०२४ की घटना मेरे यहां भी हुई थी उसमें वही व्यक्ति दिख रहा है जो चेतन के सीसीटीवी फुटेज में आया है। उसके द्वारा मेरे यहां से वायर और चिल्लर सामान निकलवाया गया था और उसे लेकर हमारे लड़के के साथ गया कि इसे पैसे दे दूंगा बोलकर साथ में ले जाकर शिवधाम मोहल्ले में उतार दिया कि घर की चाबी लेकर आता हूं। वह फरार हो गया था उसके द्वारा हमारे यहां से मोटर का चिल्लर सामान खरीदी किया गया था वह भी करीब ७ हजार रुपये कीमत का था। जिसकी शिकायत हमने थाने में की थी परंतु अभी तक कुछ समझ नहीं आया है। हम यही चाहते हैं कि पुलिस इसमें गंभीरता से ध्यान दें ताकि व्यापारियों के साथ ऐसी दोबारा घटना ना हो सके। इस प्रकार धोखाधड़ी करने वालों को सबक मिलना चाहिये ग्राहक का विश्वास खत्म कर रहे हैं हमारे यहां भी सीसीटीवी कैमरे में यह व्यक्ति कैद हुआ था जो हमने पुलिस को दी थी परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ।

जिला स्तरीय खेलो एम पी युथ गेम्स २०२६ बेडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकासखण्ड स्तरीय बैडमिंटन चयन ट्रायल प्रतियोगिता में जिले के १० विकासखण्डों में चयनित ८० से अधिक १० वर्ष से कम आयु के उदयमान बालक बालिकायें इंडोर मूलना खेल परिसर में आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन में सम्मिलित होने हेतु खेलो एम पी युथ गेम्स २०२६ बैडमिंटन एकल स्पर्धा का शुभारंभ सम्पन्न किया गया। जिसके मुख्य अतिथि अजय सोनी अध्यक्ष जिला बैडमिंटन संघ बालाघाट का स्वागत प्रतिस्पर्धा में आए खिलाडियों टीम मैनेजर एवं खेल समन्वयकों के द्वारा किया गया। अतिथि श्री सोनी ने सभी खिलाड़ी बालक बालिकाओं से परिचय प्राप्त किया और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता जबलपुर हेतु जिले का प्रतिनिधित्व कर चयनीत होने वाले प्रतिभा संपन्न नवउदिते खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि वे अपना खेल कौशल का परचम लहरायें और जिले की खेल संस्कृति को बढ़ावा देवे। जिला स्तरीय चयन ट्रायल प्रतियोगिता स्थल मुलना खेल परिसर में खेल खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु राहुल बरेसा जिला खेल एवं कल्याण अधिकारी राहुल बालाघाट ने युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन हेतु उत्साहित किया और बताया कि खेलो एम पी युथ गेम्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों एवं संभाग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों की शासन के द्वारा निःशुल्क भोजन आवास आवागमन एवं गणवेश सुविधा प्रदान की जा रही है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे है। जिले से संभाग स्तरीय बालक एवं बालिका के चयन ट्रायल बैडमिंटन स्पर्धा को कुशलता पूर्वक संचालन आयोजन हेतु पुलिस अधीक्षक बालाघाट के द्वारा मैच प्रभारी की अहम जिम्मेदारी वरिष्ठ खिलाड़ी श्री निवासराव सचिव जिला बैडमिंटन संघ बालाघाट को सौंपी गई थी। जिनके कुशल मार्गदर्शन में बालाघाट जिले भर के १० विकासखण्डों में आयोजित प्रतियोगिता के वरीयता स्थान प्राप्त ५-५ विजेता खिलाड़ियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता बालाघाट में चयन ट्रायल हेतु शामिल करवाया गया था। जिसमें वारासिवनी, बैहर, लांजी, बालाघाट, कटंगी, बिरसा, लालबर्रा, के खिलाड़ी बालक बालिकाओं के मध्य स्पर्धा संपन्न किया गया।

खेल आयोजन में तकनिकी समिति के सदस्यों में शामिल रहे जिसमें गणेश सिंह ठाकुर, रूपेश मिश्रा, अमित उईके एवं डेलेन्द्र राहेंगडाले ने आयोजन दरम्यान खिलाड़ियों में खेल भावना अनुशासन और जोश पैदा करने के साथ साथ अपनी भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वाह किया। खेलो एम पी युथ गेम्स २०२६ हेतु निम्न प्रतिभाशाली विजेता खिलाड़ियों का चयन ट्रायल आधार पर किया गया। जिसमें बालिका वर्ग में कुमारी सोनल करण, कुमारी तान्या दुबे, कुमारी याना गौतम, ध्वनि पटले सभी वारासिवनी ब्लॉक से कुमारी हेमांशी जैन बालाघाट से चयनित सूची में वरीयता स्थान पर चयनित किये गये। बालक वर्ग में वंश पवार बैहर,मौलिक देशमुख, दिव्यांश नगपुरे वारासिवनी , नैतिक बडघैया बिरसा,जयदेव किरनापुरे लांजी, उपरोक्त खिलाड़ी बैडमिंटन संभाग प्रतियोगिता जबलपुर के स्पर्धा में शामिल होने हेतु बालाघाट से रवाना हो चुके है। जो जिले का प्रतिनिधित्व संस्कारधानी में कर रहे है। बैडमिंटन के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जिले से चयनित विजेता खिलाड़ियों को उत्कृष्ठ प्रदर्शन करके संभाग एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ग्वालियर में चयन हेतु शुभकामनाए प्रदान की है।

भारतीय बौद्ध महासभा आलेझरी सर्कल शाखा का पुनर्गठन संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिले में बौद्धों की सर्वोच्च सामाजिक एवं धार्मिक धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा के माध्यम निरंतर धम्म का करवा गतिमान हो रहा है। इसी क्रम में संस्था की सर्कल शाखा आलेझरी का पुनर्गठन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष म.प्र. राज्य शाखा ,अध्यक्षता आर डी बंसोड तहसील अध्यक्ष,विशेष अतिथि अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष बालाघाट,खुशियाल मेश्राम जिला उपाध्यक्ष एवं बौद्धाचार्य,आर डी देशभरतार जिला सचिव,मुकेश पटले नगर अध्यक्ष आलेझरी मुख्यालय सहित एकोडी ,रेंगटोला,जागपुर, कासपुर, हड़कीटोला, लिंगमारा, केरा, मांगेझरी आदि ग्राम शाखाओं के उपासक उपासिकाएं शामिल रहे। सामूहिक पूजा वंदना अतिथियों के सत्कार के बाद सभी अतिथियों ने संगठन उद्देश्य एवं उद्देश्यों की पूर्ति की जाने हेतु जानकारियां दी। मुख्य अतिथि डॉ.चरनदास ढेंगरे ने विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब आंबेडकर के सम्यक संकल्प की पूर्ति हेतु धम्म संस्था निरंतर क्रियाशील है। अंत में आर डी बंसोड तहसील अध्यक्ष वारासिवनी के द्वारा पूर्व शाखा को भंग कर शाखा पुनर्गठन की कार्यवाही सम्पन्न कर कार्यकारिणी की घोषणा की। सभी ने सहमति पत्र देकर निष्ठा से क्षेत्र में धम्म संस्था के माध्यम से धम्म कार्य गतिमान करने का संकल्प लिया। जिसमें चयनित पदाधिकारी यो में अध्यक्ष तिलक गजभिए, महामंत्री मनीष मेश्राम, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश गणवीर, उपाध्यक्ष दिलीप बागड़े, ममता वाहने,सपना बारमाटे, संतोष गौरे, कार्य सचिव योगेश मेश्राम,सचिव विजेंद्र हिरकने, अनिल डोंगर, श्यामलता भीमटे, आरती वार्षिकर, भूमिका पटले, तीर्थराज मेश्राम, ऑडिटर रामदयाल बागड़े,संगठक अनमोल मेश्राम, एवन नंदगवली, शोभाराम गजभिए,संगीता वर्षीकर,लकेश मेश्राम, सदस्य सत्यम गजभिय,अनमोल मेश्राम एवं अनिकेत मेश्राम आदि की नियुक्तियां की गई।

गांधी बाल उघान में हल्दी कुमकुम का हुआ आयोजन

हल्दी कुमकुम कार्यक्रम के माध्यम से महिलायें सुहाग की मंगलकामनायें करती है-स्मिता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गांधी बाल उद्यान में मंगलवार को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नगर सहित क्षेत्र की महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिन्हें वान और हल्दी कुमकुम भेंटकर उनके सुहाग की दीर्घायु व सदा सुहागन होने की कामना की गयी। विदित हो की मकर संक्रांति पर्व के साथ त्योहारों की शुरुआत हो गई है। बालाघाट जिला महाराष्ट्र से लगा हुआ है इसलिए यहां पर भी हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम महिलाएं मकर संक्रांति के पश्चात आयोजित करती हैं। जो पूरे महीने चलता है महिलाएं एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर तिलगुड़ खिलाकर शादीशुदा महिलाओं को सुहाग की चीजें जैसे कंगन, कुमकुम, बिंदी और फुल इत्यादि वस्तु भेंट में देती है। यहां पर पति के नाम पर उखाने लिए जाते है यानि जब वान या कोई भेंट दी जाती है तो उस एक कविता की तरह पति का नाम लेते है। इसी तरह काफी उत्साह के साथ यह हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्र की महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज करवायी। जहां हल्दी कुमकुम कार्यक्रम के पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिता नृत्य व गीत प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई। जिसमें उपस्थित महिलाओं के द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लिया गया। पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने चर्चा में बताया कि मकर संक्रांति का पर्व चल रहा है। हर वर्ष हमारे द्वारा भव्य स्तर पर हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया जाता है वह आयोजन इस वर्ष भी रखा गया है। इस हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से महिलायें आयी हुई है जिन्हें हल्दी कुमकुम देकर सुहाग की मंगलकामनायें कर रहे है। साथ ही सभी महिलाओं को इस दिन का इंतजार भी रहता है जिसमें सभी महिलाओं को हल्दी कुमकुम लगाकर वान स्वरूप सुहाग से संबंधित भेट भी प्रदान किया गया है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की है। इस दौरान नृत्य ,गीत ,अंताक्षरी जैसे विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इन प्रतियोगिता में महिलाओं के द्वारा भाग लेकर प्रस्तुती दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्र की महिलाएं मौजूद रही।

पंचकल्याणक स्मृति महोत्सव का हुआ समापन

मंदिर में विमलनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री दिगंबर जैन मंदिर में श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में जारी चार दिवसीय पंचकल्याणक स्मृति महोत्सव का २० जनवरी को समापन किया गया। इस चार दिवसीय महोत्सव में मांगलिक धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे अंतिम दिवस विमलनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इस पंचकल्याणक स्मृति महोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रमों का प्रारंभ १७ जनवरी को प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रतिदिन पूजन अभिषेक एवं संगीतमय विधान के कार्यक्रम एवं रात्रि में आरती सहित ४८ रजत दीपकों के द्वारा भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया। इसमें प्रथम दिवस आदिम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक पर भक्तामर विधान किया गया। द्वितीय दिवस पार्श्वनाथ विधान किया गया,तृतीय दिवस श्री शान्तिनाथ विधान किया गया एवं चतुर्थ दिवस नवीन पाषाण जिनालय में मूलनायक विमलनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक पूजन विधान किया गया। विधान के समय आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद से संचालित प्रतिभास्थली विद्यालय डोंगरगढ़ से दो बाल दीदी का आगमन भी हुआ। जिन्होंने प्रतिभास्थली में दी जा रही संस्कारो के साथ शिक्षा से जीवन निर्माण तक आचार्य भगवन के सपनों को साकार करने का उपदेश दिया एवं प्रोजेक्टर पर प्रतिभास्थली की

बालिकाओं की विभिन्न विधाओं को प्रदर्शित भी किया। कार्यक्रम में विधानाचार्य एवं संगीतकार पूनमचन्द जैन एवं सन्दीप जैन का सम्मान श्रीफल से किया गया। कमेटी के सचिव अंचल जैन ने बताया कि प्रतिदिन होने वाले विधान के द्वारा सम्पूर्ण विश्व में शाँति की मङ्गल भावना एवं सभी जीवों के कल्याण हेतु की कामना की गयी । सकल समाज के सभी सदस्यों ने इस मांगलिक धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। अजीत जैन ने बताया कि १४० वर्ष बाद पंचकल्याणक हमारे यहां हुआ था जो हमारे जैन दर्शन का सबसे बड़ा उत्सव होता हैं। इसमें भगवान की प्रतिष्ठा होती है यह भगवान का पर्व काफी उत्सव के साथ मनाया गया था जो पूज्य आचार्य एवं माता जी के ससंघ के सानिध्य में हुआ था। उसकी प्रथम वर्षगांठ पर यह चार दिवसीय आयोजन किया गया था जिसमें उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए पूजा अर्चना विधान होता रहा। इस अवसर पर स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

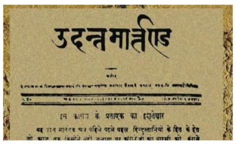

आतंक के जहरीले फनों को कुचलने की चुनौती

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जबकि सात अन्य घायल हो गए। सवाल है कि आखिर कश्मीर घाटी और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है?

आतंकियों पर लगाम कसने के सरकार के दावों के बीच इस तरह के नापाक मंसूबे कैसे फलीभूत हो पा रहे हैं, इस पर नए सिरे से मंथन की जरूरत है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें सीमा पार पाकिस्तान की जमीन में हैं। किश्तवाड़ जिले के सोननार क्षेत्र में जिन आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हुई, उनके विदेशी मूल के होने और पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की बात कही जा रही है। सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों की धर-पकड़ के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था। घाटी में इस तरह के अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि कश्मीर में सुरक्षाबलों का सूचना तंत्र मजबूत है, लेकिन इस तरह की वारदात में किसी जवान का शहीद हो जाना दुखद और चिंताजनक है। ऐसे में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है।

केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है? दावों और हकीकत के बीच के इस अंतर को समझने की जरूरत है। यह सवाल भी अहम है कि देश के भीतर सक्रिय आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद कहां से आ रहा है और उनके वित्त पोषण का स्रोत क्या है! आतंकी तंत्र के लिए हवाला के जरिए पैसे भेजने की बात जगजाहिर हो चुकी है, लेकिन अब इसमें क्रिप्टो करंसी का नाम भी जुड़ गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया है कि जांच में %क्रिप्टो हवाला% तंत्र का पता चला है, जो जम्मू-कश्मीर में विदेशी धन का अवैध प्रवाह कर रहा है। जाहिर है कि इस तरह के वित्त पोषण से न केवल आतंकियों के लिए हमले का सामान जुटाया जाता है, बल्कि अलगाववादी तत्वों को सक्रिय करने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षाबलों के लिए यह एक नई चुनौती है।

आतंकवाद का बढ़ता खतरा अब वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से यह खतरा और भी व्यापक एवं भयावह होता जा रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी शामिल है। हालांकि, हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी वारदात में संख्या की लिहाज से कमी आई है, लेकिन लक्षित हमलों को और ज्यादा भीषण बनाने के प्रयास बढ़े हैं। वर्ष 2016 में पठानकोट हमला, 2017 में अमरनाथ यात्रियों पर हमला, वर्ष 2019 में पुलवामा हमला और पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने की घटना इसका उदाहरण है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सीमा पार से घुसपैठ रोकने के साथ आतंकियों के वित्तपोषण के तंत्र को तोड़ने के लिए व्यापक एवं प्रभावी रणनीति तैयार की जाए।

नितिन नबीन के सामने 5 बड़ी चुनौतियां

रजनीश कुमार

अटल बिहारी वाजपेयी जब 1968 में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बने तो उनकी उम्र महज 44 साल हो रही थी। लालकृष्ण आडवाणी भी 46 साल की उम्र में 1973 में जनसंघ के अध्यक्ष बने थे। 1977 में भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया। लेकिन यह विलय तीन साल से ज्यादा नहीं चला। छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी बनी और पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी बने। तब बीजेपी कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश कर रही थी। 1984 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को केवल दो सीटें मिलीं।

इस चुनावी नतीजे को लेकर बीजेपी के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी किताब 'माई कंट्री माई लाइफ' में लिखा है, 'इस चुनावी नतीजे ने हमें वहाँ पहुँचा दिया था, जहां हम जनसंघ के जमाने में 1952 के पहले चुनाव में थे। इस चुनावी नतीजे के बाद अटल जी ने दो प्रश्न रखे थे क्या 1977 में जनसंग को जनता पार्टी में मिलाना और फिर 1980 में जनता पार्टी से अलग हो जाने का निर्णय ही पार्टी की हार कारण बना ? दूसरा सवाल यह कि क्या बीजेपी को फिर से जनसंघ हो जाना चाहिए?'

बीजेपी अब इन दोनों सवालों से बहुत आगे निकल चुकी है और 45 वर्ष से ज्यादा का सफर तय कर चुकी है। नितिन नबीन का जन्म बीजेपी के जन्म से करीब दो महीने बाद 23 मई 1980 को हुआ था। अब उन्हीं नितिन नबीन के पास बीजेपी की जिम्मेदारी है। 45 साल के नितिन नवीन को बीजेपी की कमान मिली तो उनकी उम्र की चर्चा काफी हुई लेकिन बीजेपी से पहले जनसंघ में भी ऐसा होता रहा है।

अटल से नितिन नवीन तक

नितिन नवीन बीजेपी के अध्यक्ष तब बने हैं, जब बीजेपी ऐतिहासिक रूप से बहुत मजबूत है। आज बीजेपी की 240 लोकसभा सीटें हैं और 21 राज्यों में बीजेपी या उसकी अगुआई वाले गठबंधन एनडीए की सरकार है। राज्यसभा में भी बीजेपी के 99 सांसद हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या नितिन नवीन के सामने कोई चुनौती नहीं होगी?

नीना व्यास लंबे समय तक अंग्रेजी अखबार द हिन्दून के लिए बीजेपी को कवर करती थीं। उनका मानना है कि बीजेपी जब सरकार में होती है तो अध्यक्ष पद का महत्व हाँ में हाँ मिलाने से ज्यादा नहीं होता है। नीना व्यास कहती हैं, 'यह बात मैं केवल 2014 के बाद वाली बीजेपी की नहीं कर रही हूं। 2014 से पहले भी चलती अटल-आडवाणी की ही थी। सारे फैसले पीएमओ में होते थे। पार्टी का भी और सरकार का भी। 2002 में नरेंद्र मोदी को जब गुजरात का मुख्यमंत्री बनाकर भेजा गया तो उस वक्त के बीजेपी अध्यक्ष जना कृष्णमूर्ति को पता भी नहीं था। कुशाभाऊ ठाकरे तो आडवाणी की सहमति के बिना कुछ नहीं कर पाते थे। बंगारू लक्ष्मण की हालत तो उनसे भी खराब थी। तब अटल-आडवाणी से अलग मुरली मनोहर जोशी थोड़ी ठीक स्थिति में थे।'

नीना व्यास कहती हैं, 'मेरा कहने का मतलब यह है कि नितिन नवीन के लिए फिलहाल अमित शाह और मोदी ही चुनौती हैं और वही समाधान भी।' नितिन नवीन के अध्यक्ष बनने को दो तरीकों से देखा जा रहा है। बीजेपी से सहानुभूति रखने वाले लोगों का कहना है कि यह ऐसी पार्टी है, जहाँ आम कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। दूसरी तरफ बीजेपी के आलोचकों का कहना है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो चाहते हैं, पार्टी में वही होता है।

लेकिन आरएसएस और बीजेपी की राजनीति पर करीब से नज़र रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार और लेखक नीलांजन मुखोपाध्याय नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पाटी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी है।

वह कहते हैं, 'ये बात सही है कि बीजेपी में लगभग अनजान कार्यकर्ताओं को भी पार्टी में ऊपर तक आने का मौका मिलता है। नितिन नबीन ने बहुत लोगों को साइडलाइन तो नहीं किया है लेकिन ओवरटेक जरूर किया है। लेकिन ओवरटेक करने की उनकी क्षमता न तो राष्ट्रीय स्तर पर उभरकर सामने आई थी और न ही उनके गृह राज्य बिहार में प्रदेश स्तर पर। दूसरी तरफ वाजपेयी और आडवाणी जब जनसंघ के अध्यक्ष इस उम्र में बने थे तो ये खुद को साबित कर चुके थे। ऐसे में यह बात भी दुरुस्त नज़र आती है कि नितिन नवीन का चयन इसलिए हुआ क्योंकि वह अमित शाह और नरेंद्र मोदी के वफादार हैं।'

आरएसएस की पसंद और नापंसद

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी को आरएसएस के कथित रूप से समहत नहीं होने से जोड़ा जा रहा था। नितिन नबीन के बारे में कहा जा रहा है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका न संघ विरोध कर सकता है और न बीजेपी के भीतर उनकी स्वीकार्यता को लेकर कोई विवाद है।

नीना व्यास मानती हैं कि नितिन नवीन बीजेपी अध्यक्ष के रूप में कोई पहली पसंद नहीं रहे होंगे लेकिन बीजेपी में कई बार लो प्रोफाइल रहना आपके हक में चला जाता है। नीना व्यास कहती हैं, 'बीजेपी के अध्यक्ष के लिए एक बड़ी चुनौती यह भी होती है कि वह आरएसएस से अच्छा समन्वय बनाकर रखे। मेरा आकलन है कि बीजेपी का कोई भी अध्यक्ष ऐसा नहीं हुआ है, जिस पर आरएसएस की असहमति रही हो। 2005 में आरएसएस के कारण ही आडवाणी को बीजेपी का अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था।'

दरअसल, 2005 में बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी पाकिस्तान गए थे। आडवाणी कराची में जिना के मजार पर गए थे और उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। आडवाणी ने जित्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें सेक्युलर और हिन्दू-मुस्लिम एकता का राजदूत बताया था। आडवाणी ने जिन्ना की तारीफ में वहाँ के रजिस्टर पर लिखा था, 'ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। लेकिन बहुत कम लोग हैं, जिन्होंने इतिहास बनाया है। कायद-ए-आजम मोहम्मद अली जिना उन कम लोगों में से एक हैं।' हालांकि नितिन नबीन की पृष्ठभूमि आरएसएस वाली नहीं रही है। इन्होंने पढ़ाई भी सेंट माइकल हाई स्कूल पटना से की है और दिल्ली के कर्नल सत्संगी किरण मेमोरियल पब्लिक स्कूल से इंटमीडिएट की पढ़ाई की है। नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा में राष्ट्रीय महासचिव जुरूप रहे हैं। हालांकि 2014 के बाद की बीजेपी में यह बहुत मायने नहीं रखता है कि किस व्यक्ति की पृष्ठभूमि क्या रही है। कांग्रेस से बीजेपी में आने वाले लोग भी मुख्यमंत्री तक बने।

नितिन नबीन की चुनौतियां

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में नितिन नवीन ने संगठनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया था। कहा जाता है कि नवंबर 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में बीजेपी के सह-प्रभारी के तौर पर नबीन ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को खास तौर पर प्रभावित किया, जब पार्टी ने भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ कांग्रेस को हराकर अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

अगले वर्ष उन्हें छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनावों के लिए बीजेपी का प्रभारी नियुक्त किया गया, जहां पार्टी ने राज्य में सभी सीटें जीत लीं। जुलाई 2024 में उन्हें राज्य का पार्टी प्रभारी बनाया गया।

2026 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव

अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के सामने इस साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुदुचेरी और केरल में विधानसभा चुनाव होंगे। इनमें से किसी भी राज्य में बीजेपी के लिए लड़ाई आसान नहीं है। लेकिन असली चुनौती 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करना होगा। ये चुनाव ऐसे समय में होंगे, जब देश परिसीमन की प्रक्रिया से गुज़र रहा होगा। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू किया जा रहा होगा। ऐसे में नए अध्यक्ष को बदले हुए राजनीतिक माहौल के अनुरूप पार्टी को तैयार करना होगा। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान संसद से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण उस परिसीमन के बाद लागू होगा, जो इस अधिनियम के लागू होने के बाद कराई जाने वाली पहली जनगणना के आधार पर किया जाएगा। कहा जा रहा है कि मोदी सरकार का मकसद 2029 के आम चुनावों में महिला आरक्षण को लागू करने का है। सरकार ने जनगणना शुरू करने की अधिसूचना पहले ही जारी कर दी है। यह एक मार्च 2027 की स्थिति के मुताबिक देश की जनसंख्या का आकलन प्रस्तुत करेगी। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया के लिए मंच तैयार हो जाएगा।

नेतृत्व की चुनौतियां

नरेंद्र मोदी की उम्र 2029 के लोकसभा चुनाव में 80 साल के करीब पहुँच जाएगी। ऐसे में बीजेपी का नेतृत्व मोदी के बाद कौन करेगा, इस सवाल से भी नितिन नवीन को जूझना पड़ेगा। 2013 में नरेंद्र मोदी को जब बीजेपी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई थी तो यह बहुत सहमति से नहीं हुआ था। (साभार)

-रामधारी सिंह दिनकर

नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बल्कि बाहर भी है।

नर और नारी, दोनों के जीवन के उद्देश्य एक हैं

अर्धनारीश्वर शंकर और पार्वती का कल्पित रूप है, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग नारी का होता है। स्पष्ट ही, यह कल्पना शिव और शक्ति के बीच पूर्ण समन्वय दिखाने को निकाली गई होगी, किंतु इसकी सारी व्याप्तियां वहीं तक नहीं रुकतीं। अर्धनारीश्वर की कल्पना में कुछ इस बात का भी संकेत है कि नर-नारी पूर्ण रूप से समान हैं एवं उनमें से एक के गुण दूसरे के दोष नहीं हो सकते। अर्थात नरों में नारियों के गुण आएं, तो इससे उनकी मर्यादा हीन नहीं होती, बल्कि उनकी पूर्णता में वृद्धि होती ही होती है। किंतु पुरुष और स्त्री में अर्धनारीश्वर का यह रूप आज कहीं भी देखने में नहीं आता। संसार में सर्वत्र पुरुष पुरुष है और स्त्री स्त्री। नारी समझती है कि पुरुष के गुण सीखने से उसके नारीत्व में बट्टा लगेगा। इसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियोचित गुणों को अपनाकर समाज में स्त्रैण कहलाने से घबराता है। स्त्री और पुरुष के गुणों के बीच एक प्रकार का विभाजन हो गया है तथा विभाजन की रेखा को लांघने में नर और नारी, दोनों को भय लगता है। किंतु लगता है कि गुणों का बंटवारा करते समय पुरुष ने नारी से उसकी राय नहीं पूछी, अपने मन से उसने जहां चाहा, नारी को बिठा दिया। स्वयं तो वह वृक्ष बन बैठा और नारी को लता बना दिया। स्वयं तो वह वृंत बन गया और नारी को उसने कली मान लिया। यदि आदिमानव और आदिमानवी आज मौजूद होते, तो ऐसी कल्पना से सबसे अधिक आश्चर्य उन्हें ही होता। हम तो साथ-साथ जन्मे थे तथा धूप और चांदनी में, वर्षा और आतप में साथ ही घूमते भी थे; बल्कि आहार-संचय को भी हम साथ ही निकलते थे और अगर कोई जानवर हम पर टूट पड़ता, तो हम एक साथ उसका सामना भी करते थे। नारी की पराधीनता तब आरंभ हुई, जब मानव जाति ने कृषि का आविष्कार किया, जिसके चलते नारी घर में और पुरुष बाहर रहने लगा। यहां से जिंदगी दो टुकड़ों में बंट गई। नर और मादा पशुओं में भी थे और पक्षियों में भी। किंतु पशुओं और पक्षियों ने अपनी मादाओं पर आर्थिक परवशता नहीं लादी। लेकिन मनुष्य की मादा पर यह पराधीनता आप से आप लद गई। और इस पराधीनता ने नर-नारी से वह सहज दृष्टि भी छीन ली, जिससे नर पक्षी अपनी मादा को या मादा अपने नर को देखती है। नारी और नर एक ही द्रव्य की ढली दो प्रतिमाएं हैं। आरंभ में दोनों बहुत कुछ समान थे। आज भी प्रत्येक नारी में कहीं न कहीं कोई एक प्रच्छन्न नर और प्रत्येक नर में कहीं न कहीं एक क्षीण नारी छिपी हुई है। किंतु सदियों से नारी अपने भीतर के नर को और नर अपने भीतर की नारी को बेतरह दबाता आ रहा है। परिणाम यह है कि आज सारा जमाना ही मर्दाना मर्द और औरताना औरत का हो उठा है। नर-नारी के प्रचलित संबंधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव संसार के इतिहास पर पड़ रहा है और जब तक यह संबंध नहीं सुधरते, शांति के मार्ग की सारी बाधाएं दूर नहीं होंगी। नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बाहर भी है। जिसे भी पुरुष अपना कर्मक्षेत्र मानता है, वह नारी का भी कर्मक्षेत्र है। नर और नारी, दोनों के जीवनोद्देश्य एक हैं।

सूत्र - पूर्णता का आभास करें

गांधी जी ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में नारीत्व की भी साधना की थी। अर्धनारीश्वर केवल इसी बात का प्रतीक नहीं है कि नारी और नर जब तक अलग हैं, तब तक दोनों अधूरे हैं, बल्कि इस बात का भी कि पुरुष में नारीत्व की ज्योति जगे और प्रत्येक नारी में भी पौरुष का स्पष्ट आभास हो। प्रत्येक नर को एक हद तक नारी व प्रत्येक नारी को एक हद तक नर बनाना भी जरूरी है।

मुद्दा

हिंसक स्थानीय भाषाबोध के खतरे

देश इन दिनों दो तरह के भाषा विमर्श से जूझ रहा है। एक तरफ स्थानीय राजनीतिक विरोध के बहाने राजभाषा को निशाना बनाया जा रहा है, तो दूसरी तरफ राजभाषा का विरोध तो नहीं हो रहा, लेकिन स्थानीय भाषा बोध को स्थापित करने के बहाने उसे बोलने वालों को निशाना बनाया जा रहा है। तमिलनाडु की भाषाई राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की अपनी हालिया यात्रा के दौरान हस्तक्षेप भी किया है, लेकिन महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों के साथ हो रही बदसलूकी की घटनाओं पर अब तक न तो राज्य और न ही केंद्र की ओर से कोई निर्णायक हस्तक्षेप होता दिख रहा है।

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मराठी हो या तमिल या हिंदी, सभी भाषाओं का सम्मान होना चाहिए। लेकिन इनके नाम पर हिंसा सभ्य समाज में कतई स्वीकार नहीं की जा सकती।

के कार्यकर्ता उन लोगों को जबर्दस्ती मराठी बोलने को मजबूर कर रहे हैं, जो गैर-मराठी भाषी हैं। इनमें ज्यादातर हिंदी भाषी हैं। ऐसे लोग ज्यादातर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों और केंद्रीय सेवाओं में कार्यरत हैं। राज ठाकरे के कार्यकर्ताओं के निशाने पर दुकानों और डिपार्टमेंटल स्टोर में काम करने वाले गैर-मराठी भाषी भी हैं।

महाराष्ट्र में बीती तीन फरवरी को राज्य सरकार के दफ्तरों में मराठी में काम करना, बोलना, कंप्यूटर की बोर्ड आदि का उपयोग जरूरी कर दिया गया था। बड़ा हिंदी क्षेत्र इसके समर्थन में नजर आया। लेकिन हिंदी भाषियों को इस बात का इल्म नहीं था कि जिस मराठी भाषाबोध की प्रशंसा में वे खड़े हैं, वही भाषाबोध उनके ही लोगों को निशाने पर लेने का जरिया बन जाएगा।

केंद्रीय सेवाओं की भर्ती परीक्षाएं देने महाराष्ट्र पहुंचे लोगों पर भी पूर्व में खूब हमला हुआ। चूंकि सरकारी नौकरियों की चाहत और मजबूरी सबसे ज्यादा पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों के नागरिकों की रही है, लिहाजा इन हमलों के सबसे ज्यादा शिकार यहीं के नौजवान रहे। मुंबई की सड़कों पर ऑटो और टैक्सियां दौड़ाने वाले ज्यादातर लोग पूर्वी उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। शुक्र है कि अभी उन्हें निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। मुंबई में शिवसेना के उभार के पीछे मलयाली लोगों के खिलाफ चलाए गए आंदोलन की भी भूमिका मानी जाती है, लेकिन मलयाली लोगों के विरोध से शुरू उसकी यह राजनीतिक स्टाइल उसकी पहचान बन गई और अब हिंदी भाषियों के विरोध की तरफ बढ़ चुकी है। मराठी भाषाबोध का सम्मान होना चाहिए। लोग मराठी बोलना सीखें और लिखें, इस पर भी किसी को एतराज नहीं होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बल प्रयोग और बदसलूकी हो, इसे सभ्य समाज में कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

महाराष्ट्र राजभाषा कानून के तहत मराठी की अनिवार्यता सिर्फ राज्य सरकार के दफ्तरों और राज्य की सार्वजनिक इकाइयों पर ही लागू होती है। केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आदि के लिए ऐसी अनिवार्यता नहीं है। वैसे भी केंद्र सरकार के दफ्तर पूरे देश में हैं और उसके अधिकारियों-कर्मचारियों का स्थानांतरण पूरे देश में होता रहता है। अगर मराठी भाषी इन आंदोलनकारियों जैसा भाषाबोध हर राज्य के स्थानीय भाषा-भाषियों में विकसित हो जाए, तो केंद्रीय कर्मचारियों के लिए मुश्किलें अनंत होंगी।

तमिलनाडु की अपनी हालिया यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलभाषी और तमिल नेताओं से मांग रखी कि वे अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी के बजाय तमिल में करें। तमिलनाडु में हिंदी भाषा का विरोध महाराष्ट्र से अलग है। वहां हिंदी का विरोध तो है, लेकिन हिंदी भाषियों का नहीं। बहरहाल अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन से तमिल भाषा में मेडिकल की पढ़ाई शुरू कराने की मांग करके भाषा विरोधी इस विमर्श को नई गति दे दी है।

-उमेश चतुर्वेदी

ज्ञान मीमांसा

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर जीवन की समाप्ति के चार से पांच अरब वर्ष बाद सूर्य इसे निगल जाएगा।

आखिर कैसे होगा पृथ्वी का अंत

हर वह चीज जिसकी शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। पृथ्वी के साथ भी यही होगा, लेकिन विज्ञान की मानें तो फिलहाल पृथ्वी पर कोई संकट नहीं है। वैज्ञानिक शोधों के अनुसार, पृथ्वी का अंत इस पर मौजूद अंतिम जीवित प्राणी के खत्म होने के भी अरबों वर्ष बाद होगा। कैलिफोर्निया के पांच वर्षीय बच्चे सोलोमन ने मुझसे सवाल किया कि क्या पृथ्वी हमेशा रहेगी? पृथ्वी और ग्रह वैज्ञानिक होने के नाते मैंने उससे कहा कि हमें अपने ग्रह के भविष्य से पहले इसके इतिहास को जान लेना ठीक होगा कि यहां जीवन कब आया। पृथ्वी की अपेक्षा मानव का इतिहास बहुत छोटा है। 4.6 अरब वर्ष पहले अंतरिक्ष में गैस और धूल के विशाल बादलों से हमारे ग्रह का निर्माण हुआ। पृथ्वी की अपेक्षा मानव का इतिहास बहुत छोटा है। करीब 4.6 अरब वर्ष पहले अंतरिक्ष में गैस और धूल के विशाल बादलों से हमारे ग्रह का निर्माण हुआ, जिसे नेबुला कहते हैं। संभवतया 4.4 अरब वर्ष पहले पृथ्वी की सतह पर पहले महाद्वीप का निर्माण हुआ होगा। वर्तमान में पृथ्वी पर करीब 21 फीसदी ऑक्सीजन है, परंतु इसके निर्माण के वक्त ऑक्सीजन नहीं थी। यदि उस वक्त इन्सान पृथ्वी पर होता, तो उसका जीवन मुश्किल हो जाता है, क्योंकि मनुष्य समेत अनेक जीवों को ऑक्सीजन की जरूरत होती है। सवाल यह है कि तब ऑक्सीजन नहीं थी, तो फिर यह पृथ्वी पर आई कैसे? वैज्ञानिकों का मानना है कि वायुमंडल में करीब 2.4 अरब वर्ष पहले ऑक्सीजन का आना शुरू हुआ था, जिसे महान ऑक्सीकरण घटना कहते हैं। पृथ्वी की सतह पर पहले से ही बहुत छोटे-छोटे सूक्ष्मजीव मौजूद थे। उनमें से कुछ ने सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता विकसित की, जिस तरह से आज पौधे करते हैं। ऐसा करते समय उन्होंने ऑक्सीजन छोड़ी और यह वायुमंडल में जमा हो गई तथा अधिक जटिल जीवन रूपों के विकास को संभव बनाया। इस प्रक्रिया में काफी लंबा वक्त लगा। सभवतया पृथ्वी पर पहला प्राणी समुद्री स्पंज था, जो करीब 66 करोड़ वर्ष पहले दिखा था। माना जाता है कि इन्सान सबसे पहले अफ्रीका में दो से बीस लाख वर्ष पहले जन्मे, जो बाद में हर जगह फैल गए। अब पृथ्वी के भविष्य पर बात करते हैं। इन्सान समेत अन्य जीव और पादप अपने जीवन के लिए सूर्य से ऊर्जा ग्रहण करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य की तपिश से धीरे-धीरे पृथ्वी का वातावरण इतना गर्म हो जाएगा कि एक अरब वर्ष बाद यहां जीवन, तो दूर महासागरों में पानी भी नहीं बचेगा। एक मनुष्य का औसत जीवन काल करीब 73 वर्ष का होता है। करीब चार से पांच अरब वर्ष बाद हमारी पृथ्वी एक आग का गोला बन जाएगी और सूर्य उसे निगल जाएगा।

वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य की तपिश से धीरे-धीरे पृथ्वी का वातावरण इतना गर्म हो जाएगा कि एक अरब वर्ष बाद यहां जीवन तो दूर महासागरों में पानी भी नहीं बचेगा।

-शीचुन हुआंग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। लेवाली ठंडी रहने से मंगलवार को दलहनों में चना व मसूर बाजार मंदी के रहे। मूंग में भी सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुर्ख रही। व्यापाकिर सूत्रों के अनुसार चने व मसूर में लेवाल ठंडे पड़ने से बाजार मंदी के रहे। मूंग में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोयाबीन में बाजार 4900-5100 रू. प्रति क्विंटल पर सुर्ख रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती बनी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4020, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1260-1265, सोया रिफाइंड 1320-1325, कपास्या 1260, धूलिया 1265, कड़ी 1270,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1350,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7200-7400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4900-5100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800, एवरेज 5600-5700, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-6900, तुअर महाराष्ट्र 7400-7600, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। विदेशी बाजारों में अनाप-शनाप तेजी के बाद स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में कीमतें रिकार्ड तेजी दर्ज हुई। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 311000, चाँदी (99) 310000, टंच 309500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 152000,

रुपया में तेज गिरावट

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपय आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 90.98 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 8 पैसे टूटकर 90.98 पर पहुंच गया। लगातार विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावना को प्रभावित किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बनी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.91 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन कारोबार के दौरान यह और कमजोर होकर 90.98 तक आ गया। इससे पहले सोमवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 90.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी रुपये की कमजोरी को बढ़ाया।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1065.71 अंक नीचे आकर 82,180.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 353.00 अंक की गिरावट के साथ ही 25,232.50 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट ग्रीनलैंड मामले को लेकर अमेरिका की टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बाद विदेशी निवेशकों के सतर्कता बरतने से आई है। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की केवल 1 कंपनी एचडीएफसी बैंक का शेयर ही बढ़त पर बंद हुआ। वहीं अन्य शेयरों में गिरावट रही। इसी प्रकार, निफ्टी केवल 3 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। वहीं अन्य शेयरों में गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक 0.38 फीसदी उछलकर जबकि

जबकि एटरनल के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.02 फीसदी की भारी गिरावट रही।आज एचडीएफसी बैंक को छोड़कर सेंसेक्स की बाकी सभी 29 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को बीएसई बाजार पूंजीकरण 465.68 लाख करोड़ रुपये था पर ये मंगलवार को 455.72 लाख करोड़ रुपये पर ही रह गया। इस प्रकार निवेशकों के 10.12 लाख करोड़ रुपये डूब गये आज फाइनेंस, ऑटो, मेटल और फार्मा सेक्टर के शेयरों में खासतौर पर ज्यादा दबाव देखने को मिला। केवल बैंकिंग शेयरों में सीमित मजबूती रही। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा नुकसान में रहा।. इसके अलावा ऑटो और आईटी शेयरों में भी दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। व्यापक बाजार में गिरावट और गहरी रही, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में करीब तीन फीसदी तक की कमजोरी देखी गई। बाजार जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक और व्यापारिक तनावों के कारण बाजार में निकासी हावी रही। अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ बढ़ते मतभेदों से दुनिया भर के बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव आया है। इसके अलावा अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

डब्ल्यूईएफ में विशेषज्ञ बोले- एआई अपनाने में भारत सही दिशा में

नई दिल्ली। एजेंसी। दावोस में चल रहे विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) शिखर सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर सबसे ज्यादा चर्चा हुई। पहले दिन आयोजित सत्र में विशेषज्ञों ने कहा कि एआई अब सिर्फ तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि देशों और कंपनियों के भविष्य की रणनीति बन गया है। गूगल की मूनशॉट इकाई सैंडबॉक्सएक्यू के सीईओ जैक हिडारी ने स्पष्ट किया कि अब या तो व्यक्ति, कंपनियां और सरकारें एआई के साथ आगे बढ़ेंगी, या अपना अस्तित्व खोने के लिए तैयार रहें। जैक हिडारी ने कहा कि भारत एआई अपनाने में सही रास्ते पर है और इससे भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद मिल रही है। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र पर जोर दिया और कहा कि यदि भारत एआई को शिक्षा में नहीं अपनाता है, तो यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकता है। सेवलाइफ फाउंडेशन के सीईओ ने बताया कि एआई केवल डिजिटल कंटेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सड़क हादसों का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें रोकने में भी मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा कानूनों में सांस्कृतिक सहानुभूति शामिल करना जरूरी है और भारत का मेक इन इंडिया मॉडल विकासशील देशों में अपनाया जा सकता है। भारतीय आईटी कंपनी टेक महिंद्रा को भी एएमडी, सीमेंस और पेप्सिको जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ वास्तविक दुनिया में एआई अपनाने वाली कंपनियों की सूची में शामिल किया गया। डब्ल्यूईएफ और एक्सेंचर की रिपोर्ट में एमआईएनडीएस संगठनों का जिक्र किया गया। टेक महिंद्रा को सामाजिक और सार्वजनिक हित के क्षेत्र में एआई के योगदान के लिए सूची में जगह मिली।

एसईजेड नियमों में बदलाव पर जोर, ट्रंप शुल्क के प्रभाव को कम करने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी। वाणिज्य विभाग विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियमों में बड़े सुधार लाने पर जोर दे रहा है। यह कदम मुख्य रूप से अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 फीसदी तक के भारी शुल्क के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उठाया जा रहा है। अगर प्रस्तावित बदलाव लागू हो गए तो भारत की एसईजेड इकाइयों के लिए घरेलू बाजार में सामान बेचने की प्रक्रिया आसान हो सकती है। इसके तहत वे घरेलू सेवाओं के लिए रुपये में भुगतान प्राप्त कर सकेंगी और अनुपालन मानदंडों को सरल बनाया जा सकेगा। एसईजेड को नियंत्रित करने वाले मौजूदा कानून लगभग दो दशक पुराने हैं। पिछले चार साल से उनके सुधार पर चर्चा जारी है। कुछ बदलावों के लिए एसईजेड अधिनियम, 2005 में संशोधन की जरूरत होगी, जबकि अन्य सुधार केवल नियमों में बदलाव कर लागू किए जा सकते हैं। प्रस्तावों का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा और यह भी देखा जाएगा कि इन सुधारों को आगामी केंद्रीय बजट में शामिल किया जाए या नहीं। भारत में मौजूद एसईजेड इकाइयों का एक तिहाई से अधिक निर्यात अमेरिका को होता है। निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीईएस) के अनुसार, सितंबर में अमेरिका को निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 12 फीसदी घटकर 5.46 अरब डॉलर रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि एसईजेड नियमों में बदलाव से अमेरिका के अतिरिक्त शुल्कों के प्रभाव को कम किया जा सकता है और इकाइयों के संचालन में निश्चितता आएगी। हालांकि, वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के बीच अभी एकमत नहीं है। वाणिज्य मंत्रालय हितधारकों की चिंताओं को दूर करने के प्रयास में वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर काम कर रहा है। बदलावों का उद्देश्य न केवल निर्यात को राहत देना है, बल्कि घरेलू बाजार में एसईजेड इकाइयों के लिए अधिक लचीलापन सुनिश्चित करना भी है।

मेष- आज का दिन आपके लिए काम में कुछ कठिनाइयां लेकर आएगा। आपकी अपने बॉस से किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है, जिसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ेगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी बड़े नेता से मिलने का मौका मिल सकता है। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे। आपको किसी दूसरे से वाहन मांगकर चलाने से बचना होगा। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिरदर्द बन सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा, उनको लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। संतान को कहीं बाहर नौकरी मिलने से उन्हें जाना पड़ सकता है। आप अपने दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की भी योजना बनाएंगे और किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचने के लिए रहेगा। आप किसी बात को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें और आप अपने कामों में कोई बदलाव न करें। बिजनेस में यदि उतार-चढ़ाव चल रहे थे, तो वह भी काफी हद तक दूर होंगे। पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होने से मन काफी खुश रहेगा, इसलिए आपको अपने खर्चों का लेखा-जोखा रखने की आवश्यकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके पास काम अधिक रहने के कारण आप थोड़ा परेशान रहेंगे और आपके व्याकाग्रता भी बढ़ेगी, लेकिन फिर भी आपको समझदारी दिखाते हुए आगे बढ़ना होगा। संतान की पढ़ाई लिखाई में कोई समस्या आ रही थी, तो उसके लिए उनके गुरुजनों से सलाह मशवरा करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने बेफिजूल के खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे और विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। किसी सामाजिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा, जहां आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी, जिससे आपकी जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। धन को लेकर कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी, क्योंकि आपको किसी पैतृक संपति की भी प्राप्ति हो सकती हैं। आपको भाई- बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा, इसलिए आप कोई भी पुराने गिले शिकवे ना उखाड़ें और यदि कहीं बाहर जाने की सोच रहे थे, तो उसमें अपने माता-पिता से आशीर्वाद अवश्य लेकर जाएं।

तुला- आज का दिन आपके लिए अपने परोपकार के कार्यों में हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आपके मन में यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपका भगवान की भक्ति में खूब मन लगेगा। आपके घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, लेकिन वैवाहिक जीवन में कोई नई समस्या खड़ी हो सकती है, जिसके लिए आपको जीवनसाथी से मिलकर बातचीत करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए रहेगा। आपका कोई बैंक संबंधित काम लटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है और आप किसी परिजन से मेल मिलाप करने जा सकते हैं। आप अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकता है, इसलिए आप अपनी आंखों और कान को खोलकर रखें।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा। यदि आप किसी काम को लेकर भटक रहे हैं, तो उसमें आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा कर सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आय में बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। किसी को धन उधार देने से बचें। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप जीवनसाथी को कहीं बाहर घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं, जिससे दोनों के बीच प्रेम और गहरा होगा, लेकिन आप अपनी सोच से कार्यक्षेत्र में अच्छा लाभ उठाएंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा, जिनको लेकर आपके खर्चो भी बेतहाशा बढ़ सकते हैं। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो आपको उसके मिलने में समस्या आएगी, इसलिए आप अपनी आय और व्यय में बजट बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

मीन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप अपनी आय को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देंगे और बचत करने की भी योजना बनाएंगे। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करने की आवश्यकता है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

शब्दजाल - 8147

शब्दजाल में दस फलों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	गू	र	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी	
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कै	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

आम,संतरा, अनार,तरबूज, अंगूर, नाशपति,सीताफल,सेब,अन्नानास, पपीता

शब्दजाल - 8146 का हल

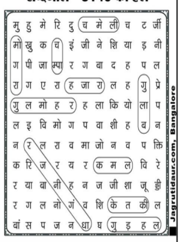

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.08 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	09.41 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.11 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.49 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	17.03 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.19 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.41 बजे से
		वृश्चिक	01.56 ब.से
		धनु	04.12 बजे से
		मकर	06.17 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 21 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 02.48 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.58 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 18.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.48 बजे तदनन्तर गर 02.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872596
जूलियन दिन 2461061.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन रूपी जागीर

तर्कशास्त्र के महान पंडित रामनाथ नवद्वीप के वन में एक गुरुकुल चलाते थे। उस समय कृष्णनगर में महाराज शिव चंद्र का शासन था। उन्होंने जब पं. रामनाथ की कीर्ति सुनी, तो उनसे मिलने गए। पंडित जी अपनी छोटी सी झोपड़ी में शांत भाव से विद्यार्थियों को पढ़ा रहे थे। महाराज को देख पं. रामनाथ जी ने उनका उचित स्वागत-सत्कार किया। कुशल-क्षेम पूछने के उपरांत कृष्णनगर नरेश ने उनसे पूछा, पंडित प्रवर, मैं आपकी क्या मदद करूं? रामनाथ जी ने कहा, राजन, भगवत्कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं, मैं संतुष्ट हूं। राजा शिवचंद्र कहने लगे, विद्वत् वर, मैं घर के खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। रामनाथ जी मुस्कराए। फिर शिवचंद्र की मनःस्थिति को भांपकर कहा, घर के खर्चों के बारे में तो गृहस्वामिनी ही अधिक जानती हैं। उन्हीं से पूछ लें। महाराज पंडित जी के घर गए और उनकी पत्नी से पूछा, माताजी घर खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं है? इस पर उन परम साध्वी ने कहा, महाराज, भला सर्व समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तों को क्या कमी रह सकती है? फिर भी माताजी? महाराज, कोई कमी नहीं है। पहनने को कपड़े हैं, सोने के लिए बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। खाने के लिए विद्यार्थी ले आते हैं। झोपड़ी के बाहर जमीन में साग-भाजी हो जाती है। और भला क्या जरूरत होगी? गुरुपत्नी बोलीं। शिवचंद्र ने कहा, फिर भी हम आपको कुछ गांवों की जागीर देना चाहते हैं। इसकी आय से गुरुकुल भी ठीक तरह से चल सकेगा और आपके जीवन में भी कोई अभाव नहीं रहेगा। उत्तर में वह वृद्धा मुस्कराईं और कहने लगीं, राजन, प्रत्येक मनुष्य को परमात्मा ने जीवन रूपी जागीर पहले से ही दे रखी है। जो जीवन की इस जागीर को भली प्रकार संभालना सीख जाता है, उसे फिर किसी चीज का कोई अभाव नहीं रह जाता। नरेश का मस्तक श्रद्धा से झुक गया।

फिल्म वर्ग पहेली - 7091

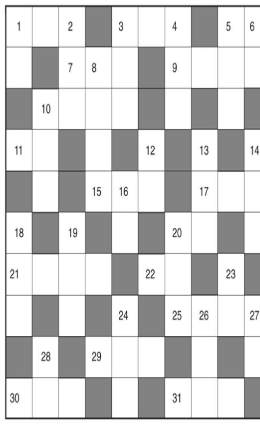

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7090

शि	ल्या	■	अ	स	रा	नी	■	स	■
का	■	क	म	ल	■	य	ल	गा	र
री	ना	■	री	मा	■	त	■	ई	■
■	रा	जे	श	■	प	■	स	■	ब
का	ज	ल	■	दा	ग	द	फ	य	र
ला	■	र	ख	वा	ला	■	री	■	सा
पा	पी	■	ल	■	क	र्ण	■	घा	त
नी	■	हि	ना	■	हीं	■	ज	य	■
■	जं	■	य	■	का	का	■	ल	व
कि	ग	अं	क	ल	■	श	क्ति	■	ध

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7400

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल-7399 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8615

बाएँ से दाएँ

1. खटपट,ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड,दम,शामन-3
9. धरा,भूमि-3
11. शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया,करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि,देवमुनि-3
20. सब्जी,भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह,दोष,जुर्म-3
2. अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3. सौत,दूसरी स्त्री-3
4. होशियार,गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद,तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह,भवन-3
21. जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8614 का हल

क	न	का	र	■	ग	ज	रा	■
ला	त	■	बै	■	ज	■	ह	क
हा	■	या	या	ब	र	■	■	ल
र	स	द	■	ध	■	प	ला	श
■	■	गा	ल	■	जी	त	■	■
क	हा	र	■	आ	■	झ	र	ना
हा	■	■	ग	ठ	जो	ड़	■	म
नी	र	■	म	■	क	■	ना	व
■	ब	द	न	■	र	ह	ब	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मोहझरी धान खरीदी केन्द्र का मामला

बारदाना नहीं होने से 13 किसानों के धान की नहीं हो सकी खरीदी

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में शासन के द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है जिसकी अंतिम तिथी 20 जनवरी 2026 थी। इस तिथी के अन्दर क्षेत्र के लगभग सभी किसानों के द्वारा अपनी धान की उपज समर्थन मूल्य पर अपने अपने सबंधित धान खरीदी केन्द्रो में विक्री कर चुके है तथा किसानों के खातों में राशि भी स्थानान्तरित हो चुकी है। लेकिन इसी खरीदी में क्षेत्र 13 किसान महज बारदाना नही होने के चलते अपना धान विक्री नही कर पाये है और अब जब अंतिम तिथी बीत चुकी है तो इन 13 किसानों को कह दिया गया कि अब आपकी धान नही ली जा सकती 14 जनवरी से धान खरीदी केन्द्र में इन 13 किसानों ने अपनी धान रखी हुई। इस संपूर्ण प्रक्रिया पर सवालिया निशान उठाये गये है वहीं केन्द्र प्रभारी ने इसे व्यवस्थाओं की कमी बताया है।

मोहझरी धान खरीदी केन्द्र का मामला

दरअसल यह संपूर्ण मामला जहां 13 किसान अपनी धान की उपज विक्री नही कर पाये है वह है मोहझरी धान खरीदी केन्द्र का जहां 13 किसानों ने 14 जनवरी से अपनी धान जो कि क्विंटलो में लाकर रखी हुई है लेकिन 20 जनवरी अंतिम तिथी बीत जाने के बाद भी इन किसानों की धान समर्थन मूल्य पर नही खरीदी गई है। बतादे कि मोहझरी खरीदी केन्द्र में 13 किसाने जिनमें जितेन्द्र कबीरे, लालेश्वर ऐड़े, चन्द्रशेखर कबीरे, भुमेश्वर रिनायत, प्रशांत कबीरे, प्रमीला बाई पंचभाई, सतवंती कबीरे, तिलकचंद पटले, रत्न गोपाल पटले, गिरीश धनवले, दीनाराम बेनीराम, तिलकचंद पटले, निर्मला पटले ये सभी मोहझरी खरीदी केन्द्र समिति के अन्तर्गत आने वाले ग्रामो के किसान है। इन्होने बताया कि हमारे द्वारा 14 जनवरी के पूर्व स्लॉट बुक किया गया था जो कि 14 जनवरी को हमारी धान खरीदी की जानी थी हमने 13 जनवरी को ही अपनी धान लाकर मोहझरी खरीदी केन्द्र में रख दिया गया। सभी 13 किसानो के द्वारा लगभग 1983 बोरी एवं लगभग 793.2 क्विंटल धान लाया गया था लेकिन केन्द्र प्रभारी, खरीदी प्रभारी के द्वारा कहा गया कि वर्तमान में बारदाना उपलब्ध नही है इस लिये आपके धान की खरीदी नही की जा सकती। आगे 19 या 20 जनवरी तक बारदाने उपलब्ध हो जायेंगे तब आपके धान की खरीदी कर ली जायेगी। लेकिन 20 जनवरी अंतिम तिथी बीत जाने के बाद भी इन किसानों की धान खरीदी नही कि जा सकी। 14 जनवरी की तिथी बीत जाने के बाद यह किसान अब जब स्लॉट बुक कर रहे है तो पोर्टल इन किसानों के नाम को मान्य ही नही कर रहा है जिसके कारण अब यह अपनी उपज विक्री करने से वंचित हो चुके है। इसके पीछे इन किसानों ने शासन की लापरवाही एवं व्यवस्थाओं में कमी बताया है। तथा संपूर्ण प्रकरण की शिकायत कलेक्टर बालाघाट से की है।

केन्द्र प्रभारी ने माना व्यवस्थाओ मे कमी- मोरेश्वर आठोड़े

उक्त संबध में मोहझरी धान खरीदी केन्द्र प्रभारी मोरेश्वर आठोड़े ने बताया कि यह 13 किसान 14 जनवरी को अपनी अपनी धान लेकर आये थे किन्तु बारदानों के अभाव के चलते इन किसानो की धान की खरीदी नही हो पाई। फिर दुसरे दिन इन 13 किसानो के टोकन निकालने की कोशिश की गई लेकिन टोकन नही निकल पाया जिससे इनके धान की खरीदी रूक चुकी है। इस संपूर्ण प्रकरण में गलती हमारी भी नही और ना ही किसान की गलती है इसमें व्यवस्थाओं की कमी है क्योंकि यदि बारदाने समय पर उपलब्ध रहते तो हम 13 किसानों के द्वारा दी गई धान की खरीदी कर लेते। उक्त संपूर्ण जानकारी हमारे द्वारा फुड इन्स्पेक्टर एवं डीएसओं को सूचीबद्ध करके भेजी जा चुकी है यदि कोई अग्रिम आदेश प्राप्त होगा तो हमारे द्वारा इन बचे हुये 13 किसानों की धान की खरीदी की जावेगी।

ग्राम पंचायत देवलगांव के हाईस्कूल शाला प्रांगण में हुआ आनंद उत्सव कार्यक्रम

देवलगांव, दहेगांव एवं सिंगोला स्कूलों के विद्यार्थियों हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन स्कूल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा आयोजित आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया जा रहा है जिसकी रूप रेखा के तहत जनपद क्षेत्र की तीन -तीन पंचायतो का समूह गठित कर कलस्टर मुख्यालय की पंचायत में 14 जनवरी से 24 जनवरी के मध्य कार्यक्रम या खेल गतिविधियॉ आयोजित किया जाना है। जिसके तहत 20 जनवरी को ग्राम पंचायत देवलगांव के शासकीय माध्यमिक हाईस्कूल शाला प्रांगण में आनंद उत्सव कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत देवलगांव, दहेगांव एवं सिंगोला के अन्तर्गत शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की। आनंद उत्सव कार्यक्रम के तहत कबड्डी, खोखो, रस्सा कस्सी, पीट्ठू, बोरा दौड़, चम्मच दौड, नींबू दौड़ सहित पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे संगीत, लोक संगीत, नृत्य भजन, गायन, कीर्तन, नाटक आदि एवं स्थानीय स्तर पर तय अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में ग्राम देवलगांव सरपंच पुष्पा ठाकरे, ग्राम पंचायत सिंगोला सरपंच श्रीमति रोशनी छत्रपाल मचिया, उपसरपंच कैलाश मस्करे, सचिव रमेश कुमार लिल्हारे ,सहायक सचिव भोजराज भोंगांडे, सचिव दिलीप मडामें, छत्रपाल मचिया एवं गंभीरदास पगरवार उपसरपंच श्रीमती दयमंती सोनवाने ,हाई स्कूल प्राचार्य राजेश बेंजामी कार्यक्रम नोडल अधिकारी डीलेश्वर हरिनखेड़े एवं पंचगण कोमल टेंभरे, सोमेश्वर हरिनखेड़े , हेमलता मेश्राम एवं समस्त शिक्षक गण, गणमान्य नागरिकगण मोतीराम ठाकरे , केशोराव टेंभरे, तिलकचंद ठाकरे, उमेंद्र निखाड़े, भूमेश्वर टेंभरे , संजीत ठाकरे , कुशोबा हरिनखेडे,मनोज ठाकरे , शैलेश टेंभरे, राजू टेंभरे , सेवकराम सोनवाने , नंदकिशोर फूडे, अनंतराम ठाकरे , विनोद टेंभरे, लक्ष्मीचंद टेंभरे एवं अन्य ग्रामीणजन ,समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बीस से अधिक छात्रों का सीमा सुरक्षा बल एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के युवा आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। जमीन से लेकर आसमान तक लांजी के युवाओं ने प्रदेश और देश में अपना परचम लहराया है। सिविल सेवा, स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, शिक्षा, खेल, न्यायालय जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के साथ ही वैज्ञानिक, इंजीनियर, पायलट, स्पेस सेंटर जैसे ऊंचे पदों पर भी लांजी के युवा तैनात हैं। देश सेवा के क्षेत्र में भी लांजी के युवा अग्रणी हैं—आर्मी, पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और सीमा सुरक्षा बल में तैनात होकर वे राष्ट्र की सेवा में समर्पित हैं। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित आरक्षक (सामान्य ड्यूटी) परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम विगत दिवस घोषित किया गया है। जिसमें लांजी क्षेत्र के अनेक युवाओं का चयन सीआरपीएफ व बीएसएफ में हुआ है। जिसमें बिसोनी निवासी देवेश पिता विजय वारे का सीआरपीएफ, ग्राम घोटी नंदौरा निवासी संजय पिता रोशेलाल कावरे सीआरपीएफ,घोटी नंदौरा निवासी विवेक पिता ज्ञानेश्वर वाकडे सीआरपीएफ, ग्राम खाण्डाफरी निवासी नोहित पिता अनाराम चौधरी सीआरपीएफ, नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 13 के आकाश पिता रामप्रसाद बारसागढे सीआरपीएफ, ग्राम पूरवाटोला निवासी रुपंम पिता राजेश्वर बारसागढ़े सीआरपीएफ। नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 13 निवासी विकास पिता रामप्रसाद बारसागढे का चयन बीएसएफ, तथा तोपेश पिता दामेश्वर कलपुरिया का चयन बीएसएफ, नगर के वार्ड क्रमांक 05 मंडई टेकरी हर्षित पिता कोमल प्रसाद कोठारे का चयन बीएसएफ, नगर के वार्ड क्रमांक 07 मरार मोहल्ला निवासी वरूण पिता तिलकेश बढ़मे का चयन बीएसएफ, नगर के वार्ड क्रमांक 07 बरई मोहल्ला निवासी साहिल पिता बिगेन्द्र पाण्डे का चयन बीएसएफ , रमपुरा निवासी आशीष पिता बाडुलाल मानकर का चयन बीएसएफ में हुआ। लांजी नगर व क्षेत्र के इन युवाओं की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है। स्थानीय लोग और परिवार इन चयनित युवाओं को बधाई दे रहे हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने सीतापाला में शिविर आयोजित कर किसानों को वितरित किया खाद, बीज, उपकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा ग्रामीणो से सीधा संबध स्थापित करने हेतु सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन कर ग्रामीणों आवश्यकता अनुरूप सामग्री का वितरण किया जाता है जो कि उनके द्वारा जीवन उपयोगी साबित होती है। इसी प्रोग्राम के तहत सीतापाला क्षेत्र में स्थापित केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस बल की जी/07वीं बटालियन के द्वारा 20 जनवरी 2026 को सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का जी/07 वी बटालियन के कमाण्डेंट कपिंग गिल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में ग्राम सीतापाला, रिसेवाड़ा, कटिपार एवं बहेला के किसानों को बीज, खाद, फावड़ा, गैंती सहित अन्य कृषि उपयोगी सामग्री वितरित की गई। इससे क्षेत्र के किसानों को खेती के कार्य में बड़ी राहत मिली है। कार्यक्रम के दौरान जी/07 वाहिनी के कम्पनी कमाण्डर राजीव कुमार (सहायक कमाण्डेंट) ने किसानों को कृषि सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा जो सामग्री प्रदान की गई है जिससे खेती में बहुत मदद मिलती है। सीआरपीएफ का यह सहयोग हमारे लिए बहुत उपयोगी है। कार्यक्रम में उप कमाण्डेंट रविन्दर सिंह, उप कमाण्डेंट अजय कुमार पटियाल, चिकित्सा अधिकारी विवेक द्विवेदी, चौकी प्रभारी हेमन्त शर्मा, साथ ही सरपंच श्रीमती अंजुला मरकाम (रिसेवाड़ा) एवं सरपंच श्रीमती सुनीता चौरागड़े (बहेला) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्रामीणों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था भी सीआरपीएफ के द्वारा की गई थी। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत होता है, साथ ही क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलती है। सीआरपीएफ की यह पहल न केवल किसानों को सशक्त बना रही है, बल्कि पुलिस और आम जनता के बीच सहयोग और विश्वास को भी सुदृढ़ कर रही है।

स्कूली शिक्षा के साथ-साथ वनों का ज्ञान भी अत्यंत आवश्यक-एसडीएम श्री सिंहसार

पीपलगाँव में वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य द्वारा अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के द्वारा संपूर्ण प्रदेश में पर्यावरण, वन संपदा, वन्य प्राणी, प्रकृति सहित वनों से जुडी वस्तुओ को लेकर एक महत्वपूर्ण अभियान या कार्यक्रम संचालित किया जाता है जिसे अनुभूति कार्यक्रम नाम दिया गया है।वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य के अंतर्गत बीट पीपलगाँव कक्ष क्रमांक -257 में मध्य प्रदेश शासन वन विभाग द्वारा स्कूली बच्चों में प्रकृति, वृक्ष, वन तथा वन्य जीवों के प्रति संरक्षण की भावना विकसित करने हेतु अनुभूति कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुभूति कार्यक्रम 2025-26 की थीम %मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव, हम हैं धरती के दूत' के अंतर्गत यह बताया गया कि बच्चे धरती के दूत हैं जो हरियाली एवं जंगल का संदेश लेकर समाज में जाते हैं एवं अपने आस पास वृक्ष संरक्षण का कार्य करते हैं अनुभूति का यही नारा है। इसमें पर्यावरण का महत्व, जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत और प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली पर आधारित कचरे का प्रबंधन के बारे में विद्यार्थियों को रोचक तरीके से बताया गया। इस अनुभूति कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी के 126 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने दूरबीन से पक्षी दर्शन, जंगली जीवों के बारे में रोचक जानकारी तथा पर्यावरण संरक्षण के तरीके के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जाना ण्वन संरक्षण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देकर बच्चों ने पुरस्कार भी प्राप्त किये। इस दौरान एसडीएम कमलचंद सिंहसार एवं नायब तहसीलदार लांजी संजय बारस्कर द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

स्कूली शिक्षा के साथ-साथ वनों का ज्ञान भी अत्यंत आवश्यक- एसडीएम श्री सिंहसार

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एस डीएम लांजी कमलचंद सिंहसार ने विद्यार्थियों को वन के महत्व के साथ ही प्लास्टिक मुक्त अनुभूति कार्यक्रम के लिए वन विभाग के कार्यों की सराहना की। श्री सिंहसार ने कहा जिस तरह बच्चे वर्ष भर स्कूल में शिक्षा अध्ययन के लिये पहुंचते है उसी प्रकार वर्ष के एक दिन बच्चों को वनों एवं वन्य जीवों के बारे में जानने के लिये जंगल जरूर पहुंचना चाहिए। जिस तरह विद्यार्थियों के लिये किताबी ज्ञान आवश्यक है उसी तरह वन एवं वन्य जीवों की जानकारी भी अति महत्वपूर्ण है। वनविभाग द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम से बच्चों में वनों के प्रति जागरूकता और जानकारी दोनो बढ़ती है। ऐसे आयोजनों से बच्चों को वनविभाग की कार्यक्षमता का भी पता चलता है जिससे वह जानने का प्रयास करते है की कितनी विषम परिस्थितियों में वनविभाग के अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यों को अंजाम देते हैं।

मास्टर ट्रेनर्स ने प्रकृति, वन क्षेत्र, वन्य प्राणी, पक्षीयों लेकर दी अद्भुत रोचक जानकारी

अनुभूति कार्यक्रम एक सफल शैक्षिक पहल है जो बच्चों को प्रकृति के करीब लाती है और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है, जिसमें विशेषज्ञों का योगदान महत्वपूर्ण है। कार्यक्रमों में मास्टर ट्रेनरों (अनुभवी वन जानकार) ने अपनी विशेषज्ञता से अद्भुत और रोचक जानकारी देते हुये कहा कि बच्चों और शिक्षकों दोनों ने संरक्षण के प्रति गहरी समझ विकसित की और भरपूर तारीफ की। मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र बड़ीचार्य ने अपने शानदार मजाकिया लहजे और अभूतपूर्व ज्ञान से जिस तरह बच्चों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई उससे कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, वनकर्मियों और बच्चों ने मुक्त कंठ से उनकी तारीफ की। प्रेरक महेन्द्र ढवरे ने अनुभूति की इस वर्ष की थीम मै भी बाघ हम हैं बदलाव हम हैं धरती के दूत गान से कार्यक्रम प्रारंभ करवाया तथा वन और वन्यजीव से संबंधित रोचक जानकारी प्रदान की। अनुभूति की एक दिवसीय कार्यक्रम में बच्चों प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली पर आधारित जीवन प्रबंधन सीखा जिसे वन विभाग पश्चिम लांजी के स्टाफ ने रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया था। कार्यक्रम के दौरान दसवीं कक्षा की छात्रा पूर्वी शक्करपुड़े ने अनुभूति थीम सॉंग हम हैं धरती के दूत गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर जंगल का संदेश दिया। कु. पूर्वी ने अपने नृत्य कौशल से जंगल के विषय में जो जानकारी बच्चों और अधिकारियों तक पहुंचाई वह काबिले तारीफ थी। सभी ने मुक्त कंठ से छात्रा के नृत्य एवं जंगल के प्रति प्रेम को जमकर सराहा और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आयोजन में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पत्रकार संजय टेम्भरे, पवन कश्यप, गोपाल सिल्लारे, शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टेमनी के प्राचार्य जैनेंद्र कुमार बेदरे एवं वनसमिति अध्यक्ष कन्हैयालाल पंचाले ने विद्यार्थियों को वन विभाग के स्टाफ के साथ मिलकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर परिक्षेत्र पश्चिम लांजी के परिक्षेत्राधिकारी सपन ताम्रकार, उप वनक्षेत्रपाल दिलीप उके, रवींद्र कुमार सोनवाने, वनपाल सुनील कुमार खोंगल, वनपाल करीम खान, वनपाल संजय विश्वकर्मा, वनरक्षक विवेक बंसोड़, नेमेंन्द्र मलघाटी, कुलदीप मण्डले, काशीराम हनोते, प्रियंका रामटेक्कर, संगीता कोकोटे, कुलदीप मंडले, संजय दुरूगकर, कन्हैयालाल गायकवाड़, नरेन्द्र धुर्वे, वनरक्षक रत्नकला भलावी, वनरक्षक अभिषेक सोनी, वनरक्षक विभूति नाथ झा, जड़ी-बूटी एवं औषधीय पौधे के विशेषज्ञ राजेन्द्र कुमार केकरे सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित थे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मूल पदस्थापना पर न लौटने वालों का रुक सकता है वेतन

वर्षों से अटैच चल रहे शिक्षकों को स्कूलों में वापस लौटने की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्षों से अटैच चल रहे शिक्षकों को स्कूलों में वापस लौटने के लिए सख्त चेतावनी दी है। इसके अनुसार सभी शिक्षक तत्काल अपनी मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में लौटें। ऐसा नहीं करने पर वेतन आहरण रोका जाएगा और जिम्मेदारी सीधे प्राचार्यों पर तय होगी। एमपी बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल पहले ही जारी हो चुका है। इसके तहत कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च और कक्षा 10वीं की परीक्षा 13 फरवरी से 6 मार्च तक आयोजित की जाएगी। वहीं, बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर मोहन सरकार पहले ही सरकारी शिक्षकों की छुट्टियों पर रोक लगा चुकी है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल में करीब ढाई सौ शिक्षक ऐसे हैं, जो मुख्य पदस्थापना छोडक़र अन्य स्थानों पर अटैच हैं। इनमें से अधिकांश ने सुविधा के अनुसार अपने घर के पास की स्कूल में अटैचमेंट करा रखा था। कुछ शिक्षक अन्य शासकीय कार्यालयों और यहां तक कि मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में भी अटैच पाए गए हैं। अब इन सभी को मूल स्कूल में लौटना अनिवार्य किया गया है। इसके निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने जारी कर दिए हैं।

ई-सेवा पुस्तिका भी करनी होगी अपडेट

डीईओ अहिरवार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि शिक्षकों की उपस्थिति के आधार पर ही वेतन आहरित किया जाएगा। यदि कोई शिक्षक मूल संस्था में उपस्थित नहीं पाया जाता है, तो संबंधित प्राचार्य को जिम्मेदार माना जाएगा। इसके साथ ही 31 जनवरी तक ई-सेवा पुस्तिका अपडेट करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। यदि समय सीमा के बाद अपडेशन होता है, तो कर्मचारियों का वेतन भुगतान प्रभावित हो सकता है।

- सीबीएसई की 12वीं के एग्जाम कैंसिल होने के बाद लिया निर्णय।
- एक्सपर्ट की राय लेकर मंत्रियों का समूह तय करेगा कि रिजल्ट कैसे बनेगा
- सीबीएसई 12वीं के प्रदेश में करीब 1.30 लाख विद्यार्थी।
- इससे पहले सीबीएसई और एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

शैक्षणिक कार्य पर अटैचमेंट का पड़ रहा असर

बता दें कि अटैचमेंट के कारण कई सरकारी स्कूलों में पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में सामने आया है कि बच्चों की तैयारी अधूरी रह गई है। परीक्षा समय नजदीक होने के कारण विभाग ने भी इसे गंभीर लापरवाही माना है। डीईओ का कहना है कि यदि शिक्षक मूल स्कूल में नहीं लौटते हैं, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और वेतन भी रोका जा सकता है।

इसलिए अटैचमेंट किया खत्म, सख्ती जारी

डीईओ नरेंद्र अहिरवार ने बताया कि मध्यप्रदेश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक हैं। कुछ स्कूलों में विषय विशेषज्ञों की कमी है। ऐसे में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए सभी अटैचमेंट समाप्त करने का निर्णय लिया है। अहिरवार ने बताया कि कई शिक्षक वर्षों से मूल संस्था छोडक़र दूसरी जगहों पर कार्यरत थे। इससे स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी सामने आई। अटैचमेंट खत्म होने से स्कूलों में शिक्षकों की भरपाई हो सकेगी।

3 लाख कर्मचारियों की छुट्टी पर पहले ही रोक

इससे पहले मोहन यादव सरकार शासकीय शिक्षकों की छुट्टी पर रोक लगा चुकी है। सरकार ने एमपी बोर्ड की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्कूलों में कार्यरत साढ़े तीन लाख से अधिक शिक्षकों पर अतिआवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम लागू किया था। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशों के तहत 7 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक सरकारी टीचर्स छुट्टियां नहीं ले सकते।

केवल छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई हुई

भोपाल स्लॉटर हाउस मामले में प्रशासन को घेरते हुए पटवारी बोले

भोपाल। भोपाल में गौ मांस का मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। जिस प्रकार से गौ मांस ट्रक में मिला। उसके बाद प्रशासन ने तो कार्रवाई की है। मगर अभी भी खुले में भैंसों का वध किया जा रहा है। इसके साथ ही कई सवाल सुभाष नगर स्लाटर हाउस पर खड़े हो रहे हैं।भोपाल में पीपीटी मॉडल पर सुभाष नगर स्लाटर हाउस को नगर निगम ने निजी हाथों दिया है। सुभाष नगर स्लाटर हाउस के दस्तावेजों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। सामने आया कि कैमरे हों या डॉक्टर स्लाटर हाउस में पूरी तरह नियंत्रण संचालक असलम के हाथ में था। निगम ने आंखें मूद रखी थीं। जो 26 टन गौ मांस पकड़ा था, परिवहन दस्तावेज के हिसाब से यह 85 भैंसों का बताया गया है, जो जानकारी से मैच नहीं खाती है। पटवारी ने कहा कि कई सवाल अभी भी खड़े हो रहे हैं क्योंकि एमआईसी की सहमति से मंजूरी मिली। मगर सीसीटीवी कंट्रोल असलम के पास था, जबकि नियम कहते हैं कि पुलिस कंट्रोल रूम या नगर निगम के पास स्लॉटर हाउस के सीसीटीवी कैमरे का कंट्रोल होना चाहिए।

कई अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई नहीं

हालांकि संचालक असलम चमड़ा के ऊपर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि जिस प्रकार से गाड़ी के इस्तेमाल किया जाता था, वह पूरी तरह नगर निगम की तरह पीले कलर की दिखाई दे रही है। उसे पर नगर निगम लिखा था, जबकि वह गाड़ी निजी वाहन है। इसी वहां से मरे हुए जानवरों को ले जाया जाता है हालांकि स्लॉटर हाउस पर कार्रवाई की गई है। मगर अभी भी स्लाटर हाउस के सामने लोगों का कब्जा देखने को मिल रहा है और खुलेआम भैंसों का वध किया जा रहा है। जिसको लेकर कांग्रेस पार्षद अमित शर्मा का कहना है कि कार्रवाई में बड़ी लापरवाही की गई है। छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई की गई जबकि बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई अभी तक नहीं की गई। इस पूरे मामले पर नगर निगम की महापौर और एमआईसी मेंबर जवाबदारी है।

जनवरी के आखिरी में तेज सर्दी का एक और दौर

भोपाल। मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। पिछली दो रात में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक बढ़ गया। वहीं, दिन में धूप निकल रही है, लेकिन जनवरी के आखिरी सप्ताह में तेज सर्दी का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालय पर एक्टिव सिस्टम जब गुजर जाएंगे, तब ठंड बढ़ेगी।

वर्तमान में प्रदेश के ऊपर दो सिस्टम है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से कई जिलों में बादल छा रहे हैं। वहीं, 21 जनवरी को स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। इस वजह से 23 जनवरी से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में मौसम बिगड़ सकती है। इस सिस्टम का असर एमपी के उत्तरी हिस्से में देखने को मिल सकता है। ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर संभाग में बादल और बारिश होने के आसार हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अगले 4 दिन तक कोई अलर्ट नहीं है, लेकिन अगला वेस्टर्न डिस्टरबेंस तीव्र हो सकता है। इसलिए बादल-हल्की बारिश की संभावना है। अगले दो-तीन दिन में स्थिति साफ हो जाएगी।

एमपी हाईकोर्ट ने अफगानी युवक की याचिका खारिज की, कहा

बिना वीजा भारत में रहने का हक नहीं; एफआईआर को लीगल बताया

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अफगानी युवक की एक याचिका को खारिज कर दिया है। युवक ने वीजा नियमों के उल्लंघन और अवैध ठहराव के आरोप में भारत से लीव इंडिया नोटिस को चुनौती देने के लिए याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि बिना वीजा भारत में रहने का कोई हक नहीं है।

युवक का नाम सैयद राशिद है। वह 2019 में वीजा पर भारत आया था और भोपाल के एक निजी विश्वविद्यालय में रहकर एमए की पढ़ाई कर रहा था। कोरोना काल और महामारी के कारण उसे वीजा विस्तार मिला और 2022 में उसने कोर्स पूरा भी कर लिया। इसके साथ ही सैयद राशिद ने छात्र वीजा रहते हुए विश्वविद्यालय में नौकरी भी शुरू कर दी, जबकि उसका रोजगार वीजा कभी स्वीकृत नहीं हुआ था।

सरकार ने पहले दिया था वीजा विस्तार

सरकार ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए अफगानी युवक का वीजा 24 मार्च 2024 तक बढ़ाया, लेकिन उसके बाद भी याचिकाकर्ता भारत में बना रहा। तालिबान के अफगानिस्तान में सत्ता में आने के बाद उसे यूएनएचसीआर से शरणार्थी का दर्जा मिला। इस बीच, भोपाल के डिप्टी कमिश्नर ने 8 जनवरी 2025 को आवेदक को लीव इंडिया नोटिस भेजकर एफआईआर दर्ज कराई, जिसे अफगानी युवक ने चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने दलीलें पेश कीं।

वीजा अवधि समाप्त होने के बाद रहना कानून विरुद्ध

जस्टिस विशाल मिश्रा की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि यूएनएचसीआर से शरणार्थी का दर्जा मिलना भारतीय वीजा कानून से छूट नहीं देता और बिना वैध वीजा भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता। अदालत ने लीव इंडिया नोटिस को बरकरार रखते हुए याचिका पर दखल देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी कहा कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भारत में रुकना विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 का उल्लंघन है। ऐसे में प्रशासन द्वारा जारी लीव इंडिया नोटिस और एफआईआर की कार्रवाई पूरी तरह वैध है।

अविमुक्तेश्वरानंद के साथ योगी की पुलिस ने किया गलत व्यवहार

भोपाल। प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को रोके जाने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। मामले पर कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि ये सनातनियों का अपमान है। पीएम मोदी और सीएम योगी को इसके लिए सनातनियों से माफी मांगनी चाहिए।

दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, कि सनातन धर्म के हमारे चार पीठ हैं। द्वारिका, पुरी, रामेश्वरम और बद्रीनाथ जोशी मठ। इन मठों पर शंकराचार्य की पीठ हजारों वर्षों से उपस्थित हैं। जोशी मठ के शंकराचार्य के साथ पुलिस ने गलत व्यवहार किया। वो मौनी अमावस्या पर स्नान करने का अधिकार चाहते थे। ये सनातनी परंपरा चली आ रही है। जो शंकराचार्य स्नान करने जाते हैं, वो पालकी में बैठकर जाते हैं, पैदल नहीं जाते हैं। वो पालकी में जाते हैं। लेकिन उम्मीद नहीं थी कि योगी आदित्यनाथ जैसे व्यक्ति, जो खुद महंत हैं। उनकी पुलिस शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करेगी। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। शंकराचार्य जी जल और अनाज छोडक़र सत्याग्रह कर रहे हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद हमारे गुरू भाई हैं। हमारी पूरी संवेदना उनके साथ है। मोदी और योगी को सभी सनातनियों से माफी मांगनी चाहिए। जिन पुलिस अधिकारियों ने ऐसा किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

भाजपा और ओवैसी दोनों मिलकर खेल खेलते हैं

दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि भाजपा हिंदुओं के साथ नहीं हिंदुत्व के साथ है। हिंदू सम्मेलन जगह-जगह हो रहे हैं। हमसे ही चंदा ले रहे हैं और हमको ही भंडारा खिला रहे हैं। ये कौन सा धर्म है। भाजपा और आरएसएस इनका कोई लेना देना धर्म से नहीं है। ये कहते हैं कि हिंदुओं एक हो जाओ, मुसलमानों से खतरा है।

विजय शाह को मंत्री पद से हटाया जाए

भोपाल में कांग्रेस का प्रदर्शन, युवक को मंत्री का मुखौटा पहनाकर पुलिस को सौंपा, अमित शर्मा बोले-

भोपाल। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ कांग्रेस ने भोपाल में अनूठे ढंग से प्रदर्शन किया। भोपाल में कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा के नेतृत्व में एक कार्यकर्ता को मंत्री विजय शाह का मुखौटा पहनाकर उसे हथकड़ी लगाकर पीसीसी के सामने प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता पीसीसी से मंत्री का मुखौटा पहने हुए व्यक्ति को हथकड़ी पहनाए हुए पांच नंबर स्टॉप पर स्थित पुलिस चौकी पहुंचे। यहां मंत्री का मुखौटा पहने व्यक्ति को पुलिस के हवाले किया। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा ने कहा मंत्री विजय शाह ने देश की बेटी सोफिया कुरैशी का अपमान किया। सोफिया ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया और उसे अपमानित करने वाले मंत्री को मध्य प्रदेश की मोहन सरकार बचाने में लगी हुई है। छह महीनों से सरकार लगातार मंत्री को संरक्षण दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सत्य की जीत हुई

अमित शर्मा ने कहा- मध्य प्रदेश की सरकार जिस मंत्री का संरक्षण कर रही थी उसपर मुकद्मा चलाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से सत्य की जीत हुई है मोहन सरकार की हार हुई है। अमित शर्मा ने कहा- हम मंत्री विजय शाह के घर गए थे वे घर से फरार हैं। हमें विजय शाह केरवा के जंगल में घूमते हुए मिले हमने उन्हें प्रतीकात्मक रूप से गिरफ्तार करके पुलिस के हवाले किया है।

अफसरों की गाडियों-एसी और फर्नीचर के लिए नहीं मिलेगा पैसा

- बजट सत्र से पहले वित्त विभाग सख्त, तीसरे अनुपूरक को लेकर फैसला

भोपाल। विधानसभा के फरवरी में प्रस्तावित बजट सत्र की तैयारियों के बीच वित्त विभाग ने सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि 31 मार्च से पहले की शेष वित्तीय तिमाही के दौरान अफसरों के लिए नई गाडियां खरीदने, कार्यालयों में एसी लगवाने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या फर्नीचर की खरीद के लिए किसी भी तरह का बजट आवंटन नहीं किया जाएगा। वित्त विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चालू वित्त वर्ष के तीसरे अनुपूरक बजट में इस तरह के मामलों से संबंधित कोई भी प्रस्ताव न भेजा जाए।

वित्त विभाग के अनुसार अगले माह से शुरू होने वाले विधानसभा बजट सत्र के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस वर्ष बजट निर्माण की प्रक्रिया जीरो बेस्ड बजट प्रणाली के आधार पर की है, जिसमें सभी मदों की समीक्षा के बाद ही प्रावधान किए गए हैं। साथ ही पूर्व वित्तीय वर्ष के लंबित बिलों को बजट प्रावधान के जरिए न्यूनतम करने का प्रयास भी किया गया है। ऐसी स्थिति में तीसरे अनुपूरक बजट के लिए विभागों से केवल तय मापदंडों के अनुरूप प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रस्ताव 23 जनवरी 2026 तक केवल ऑनलाइन माध्यम से ही भेजे जाएंगे। विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि तीसरे अनुपूरक बजट से संबंधित सभी प्रस्ताव पहले संबंधित प्रशासकीय विभाग से अनुमोदन के बाद ही भेजे जाएं। प्रस्ताव में योजना का सेगमेंट कोड और नाम स्पष्ट रूप से उल्लेखित करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा जिन बजट मदों में केंद्र सरकार से सहायता प्राप्त होनी है, वहां केंद्र से मिलने वाली राशि की पूरी जानकारी देना जरूरी होगा, चाहे वह अनुदान हो या ऋण के रूप में। यदि किसी मद के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की जा रही है, तो उसके साथ अनुदान संख्या और संबंधित वित्तीय विवरण भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। जिन कामों के लिए राज्य की आकस्मिक निधि से एडवांस स्वीकृत किया गया है। ऐसे प्रस्ताव जिसके लिए विभागों ने वित्त विभाग से चर्चा की है और जिनके लिए वित्त विभाग द्वारा सहमति दी गई है। जिनके लिए भारत सरकार या अन्य एजेंसी से वित्तीय सहायता या केंद्रांश स्वीकृत किया गया हो और जो मौजूदा बजट मद से अलग नहीं की जा सकती हो। जिसके लिए अतिरिक्त संसाधन की व्यवस्था प्रशासकीय विभाग अन्य योजनाओं में उपलब्ध राशि से कटौती कर बचत राशि से नहीं कर पाएंगे। विशेष पूंजीगत सहायता योजना में जिन विभागों द्वारा भारत सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं या भेजना है उसके अंतर्गत अलग से बजट लाइन खोलने की आवश्यकता हो तो प्रतीक प्रावधान से अलग से बजट लाइन खोलने के लिए अनुपूरक प्रस्ताव दिया जा सकेगा। विशेष पूंजीगत सहायता योजना में भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्राप्त कार्यों में यदि अलग से अतिरिक्त बजट की जरूरत हो तथा अन्य योजनाओं से बचत की पूर्ति किया जाना संभव नहीं हो।

अब तक 41,367 नए मतदाताओं ने नाम जुड़वाने के आवेदन दिए

- भोपाल जिले में एसआईआर के बाद दो हजार से अधिक मतदाताओं ने नाम कटवाए

भोपाल। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का प्रारूप 23 दिसंबर को जारी कर दिया गया है। जिसके बाद से अब तक 41 हजार 367 मतदाताओं ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म छह दिया है, हालांकि जिले की बैरसिया, उत्तर, नरेला, मध्य, दक्षिण पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा क्षेत्र में भारी तादाद में नाम कटने के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि इस बार एक लाख से अधिक नये नाम जुड़वाने के आवेदन आएंगे, लेकिन अब तक 41 हजार 367 आवेदन ही आए हैं। जबकि 22 जनवरी शाम पांच बजे के बाद नये आवेदन लेने का काम बंद कर दिया जाएगा। पांच जनवरी से वार्ड और तहसील कार्यालयों में चल रही एक लाख 16 हजार 925 नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई का काम जारी है। जिसके तहत मतदाताओं से उनकी उम्र के हिसाब से जन्म का प्रमाण मांगा जा रहा है। यह सुनवाई 14 फरवरी तक जारी रहेगी। जिसके बाद नौ मैपिंग वाले मतदाताओं के नाम जोडऩे और हटाने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि नये आवेदन लेने का काम 22 जनवरी शाम पांच बजे तक सभी बीएलओ अपने मतदान केंद्र पर करेंगे।

मैदानी अफसरों की तैयार होगी रिपोर्ट, मिलेगी नई पदस्थापना

- कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के एक्शन प्लान की आज रिपोर्ट लेंगे सीएस

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन बुधवार को मैदानी अफसरों से कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के एक्शन प्लान की रिपोर्ट लेंगे। इस रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर-कमिश्नर सहित अन्य मैदानी अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उस रिपोर्ट के आधार पर 21 फरवरी के बाद होने वाली बड़ी प्रशासनिक सर्जरी में अफसरों की पदस्थापना की जाएगी। गौरतलब है कि राजधानी में गत अक्टूबर में हुई कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में सीएम डॉ. मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को योजनाओं के तय समय सीमा में क्रियान्वयन को लेकर जरूरी निर्देश दिए थे। साथ ही अगले तीन महीने एवं एक साल के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कलेक्टरों से इसके अनुसार कार्य करने को कहा गया था। अब मुख्य सचिव अनुराग जैन बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक में कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर कलेक्टरों को जरूरी निर्देश देंगे।

चुनाव आयोग द्वारा 22 साल बाद कराई गई एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की प्रक्रिया पूरी होने और प्रशासनिक सिस्टम की अत्यधिक सक्रियता थमने के बाद अब राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं वाले कामों की समीक्षा में जुट गई है। सरकार अब जिलों में पदस्थ कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के परफॉर्मेंस डेटा की गहन पड़ताल कर रही है, ताकि आगामी तबादलों को लेकर ठोस निर्णय लिया जा सके। दरअसल, 21 फरवरी को चुनाव आयोग का तबादलों पर लगा अघोषित प्रतिबंध खत्म होने वाला है। इसके बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। ये तबादले इसलिए भी लंबे समय से प्रतीक्षित हैं, क्योंकि कई जिलों में पदस्थ एसपी अब डीआईजी पद पर पदोन्नत हो चुके हैं, वहीं कलेक्टरी कर रहे कई आईएएस अधिकारी सचिव पद पर प्रमोट हो चुके हैं।

कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कांफ्रेंस के एक्शन प्लान की समीक्षा

करीब साढ़े तीन माह पहले भोपाल में आयोजित दो दिवसीय कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कांफ्रेंस में सरकार ने विभिन्न विभागों और जिलों के लिए एक विस्तृत एक्शन प्लान तय किया था। अब उसी एक्शन प्लान की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव ने एक बार फिर बैठक की तारीख तय की है। यह बैठक अब तक तीन बार स्थगित हो चुकी है और चौथी बार बुधवार को होने का प्रस्ताव है। इस बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन जिलों से सीधे फीडबैक लेंगे कि सरकार द्वारा तय किए गए एक्शन प्लान पर किस जिले ने कितना काम किया है। इसी फीडबैक और आंकड़ों के आधार पर कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक इस समीक्षा के बाद ही सरकार तबादलों और नई पदस्थापनाओं को लेकर अंतिम निर्णय लेगी। ऐसे में आगामी दिनों में प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज होने के संकेत हैं।

कमिश्नर, कलेक्टर ने मांगी रिपोर्ट

सीएस की बैठक की डेट फाइनल होने के बाद जिलों में कलेक्टर-कमिश्नर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से एजेंडावार रिपोर्ट मांगी है, ताकि उसे शासन को भेजा जा सके और बैठक में सीएस के सवालों का जवाब दिया जा सके। इस बैठक में पुलिस, जिला पंचायत, बिजली, नगरीय विकास समेत अन्य विभागों के 85 मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार करने और जनहित के मामलों में एक्टिव रहने के लिए कहा गया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मुख्य सचिव बैठक में कलेक्टरों के कामकाज की विस्तार से समीक्षा करेंगे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों और सूचनाओं के आधार पर जिलों एवं संभागों की 10 प्रमुख बिंदुओं पर रैंकिंग तैयार की है। इस रैंकिंग में प्रत्येक बिंदु पर टॉप और बॉटम के दो-दो जिलों को शामिल किया गया है, जबकि संभागीय स्तर पर टॉप और बॉटम से एक-एक संभाग को चयनित किया गया है। इसका उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों और संभागों को प्रोत्साहित करना तथा कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सुधार के लिए ठोस दिशा-निर्देश देना है। जिन 10 प्रमुख बिंदुओं पर जिलों और संभागों की रैंकिंग की गई है, उनमें कृषि एवं उससे गई है। जुड़े क्षेत्र, स्वास्थ्य एवं पोषण, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, नगरीय विकास, सुशासन, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य, कानून व्यवस्था तथा विविध एवं अतिरिक्त बिंदु शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन, उपलब्धियों और कमियों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस समीक्षा बैठक के लिए करीब 217 पेज की विस्तृत पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) तैयार की है। इसी पीपीटी के आधार पर मुख्य सचिव जिलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

जिलों में पदस्थ आईएएस, आईपीएस की होगी नई पोस्टिंग

राज्य सरकार ने एक जनवरी से 71 आईएएस, दो दर्जन आईपीएस को सीनियर पदों पर प्रमोट किया है। इसमें सचिव पद पर प्रमोट हो चुके भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के अलावा अपर सचिव पद पर प्रमोट हो चुके 11 जिलों के कलेक्टर भी शामिल हैं। इनमें धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस, मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सागर कलेक्टर संदीप जी आर, राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, अपर आयुक्त राजस्व जबलपुर संभाग अमर बहादुर सिंह, पांढुर्णा कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ, गुना कलेक्टर किशोर कुमार कान्याल के नाम शामिल हैं। अपर सचिव पद पर प्रमोट होने वालों को सरकार रियायत दे सकती है पर सचिव बनने वाले अधिकारी तो हटाए ही जाएंगे। साथ ही जिन अफसरों के तीन साल के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं, उन्हें भी हटाया जा सकता है।

तहसीलदार का कम्प्यूटर आपरेटर ले रहा था 10 हजार की घूस

भोपाल। ईओडब्ल्यू रीवा की टीम ने ने तहसीलदार गुढ जिला रीवा के कम्प्यूटर आपरेटर भगवान दीन चौरसिया को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हांथ गिरफ्तार किया है। आरोपी यह रकम फरियादी की बेटी के ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए मांग रहा था। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार ग्राम नर्रहा तहसील गुढ़ जिला रीवा में रहने वाले फरियादी बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह पेशे से खेती-किसानी करते है। उनकी बेटी के ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए अक्टूबर 2024 में तहसील कार्यालय गुढ़ में बेटी के कार्यालय बालाघाट से आवेदन सत्यापन हेतु आ चुका था। जब उन्होनें इस संबध में जानकारी ली तब तहसीलदार के कम्प्यूटर आपरेटर भगवानदीन चौरसिया ने सत्यापन कराने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत की मॉग करने लगा। रिश्वत न देने पर वह लगातार सत्यापन का कार्य टाल रहा था। शिकायत की शुरुआती जॉच में रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाये जाने पर ईओडब्ल्यू ने उसे रंगे हाथ पकड़ने के लिये योजना तैयार की। इसके बाद रकम देने के लिये फरियादी की आरोपी से बातचीत कराई गई जिस पर उसने रिश्वत की रकम लेकर मंगलवार को फरियादी को तहसील कार्यालय गुढ बुलाया। यहॉ जैसै ही तहसीलदार के कम्प्यूटर आपरेटर भगवानदीन चौरसिया ने फरियादी ने बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी से रिश्वत की रकम 10 हजार रुपये अपने कब्जे में लिये वैसे ही पहले से घात लगाकर बैठी ईओडब्ल्यू रीवा की टीम ने भगवानदीन चौरसिया को रंगे हाथ पकड़ लिया।

भारतीय टीम पहले टी20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

नागपुर । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को यहां पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर अगले माह होने वाली टी20 सीरीज के लिए लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टी20 में अच्छा रहा है पर सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में सूर्यकुमार का लक्ष्य इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर टी20 विश्वकप के लिए फार्म हासिल करना रहेगा। सूर्यकुमार ने साल 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद से ही भारतीय टीम को अधिकतर मुकाबलों में जीत मिली है।

पिछले दो साल में भारतीय टी20 टीम को कुछ मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भी वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम को हालांकि बल्लेबाजी तिलक वर्मा की कमी खेलेगी। तिलक सर्जरी के कारण इस इस मैच में नहीं खेलेंगी। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम भी काफी अच्छी है। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा हालांकि उसकी राह इतनी आसान नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। टीम के पास अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाज और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। वहीं न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल 13 में जीत हासिल की है। उसके पास आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं। टीम के पास कप्तान मिचेल सैंटनर जैसा स्पिनर और जैकब डफी जैसा तेज गेंदबाज है। अच्छी फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के रहने से टीम काफी मजबूत हुई है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क इस मैच में रहेंगे। इसका कारण है कि माइकल ब्रैसवेल और एडम मिल्ने दोनो ही फिट नहीं हैं।

वहीं भारतीय टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं। स्पिनर वरुण भारतीय टीम के मुख्य हथियार होंगे। वरुण के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख बदील देते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

समय- मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

लिस्ट एक क्रिकेट में सचिन का रिकार्ड तोड़ने विराट को चाहिये दो शतक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में हुए तीसरे एकदिवसीय मैच में शतक के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं हालांकि लिस्ट ए क्रिकेट में अभी भी वह शतकों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक का विश्व रिकॉर्ड सचिन के नाम है पर विराट उसे बेहद करीब पहुंच गये हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में तेंदुलकर के नाम 60 शतक हैं, जबकि विराट ने 59वां शतक लगाया है। इस प्रकार वह एक शतक के साथ ही तेंदुलकर की बराबरी पर पहुंच जाएंगे। वहीं दो शतक लगाते ही एकदिवसीय क्रिकेट में वे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके लिए उन्हे अगले 5 महीने तक इंतजार करना होगा क्योंकि उसके बाद ही एकदिवसीय सीरीज होनी है। वे एक भी वनडे मैच आपको खेलते दिखाई नहीं देंगे।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो सचिन 60 और विराट कोहली 59 के बाद तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के ग्राहम गूच हैं। गूच ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिलाकर लिस्ट ए क्रिकेट में 44 शतक लगाये थे। वहीं 40 शतक जिम्बाब्वे के ग्रीम हिक के नाम हैं और वह चौथे नंबर पर हैं। इस सूची में पांचवें नंबर पर श्रीलंका की टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा हैं, जिन्होंने 39 शतक लगाये हैं। वहीं, लिस्ट में छठे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, उनके नाम 37 शतक एकदिवसीय में हैं।

साइना नेहवाल ने संन्यास लिया

नई दिल्ली। अनुभवी बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइन ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनकी फिटनेस पहले जैसी नहीं रही है। इसी कारण वह प्रतिस्पर्धी खेलों में अब नहीं उतरेंगी। साइना ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने अंतिम बार कोई मुकाबला साल 2023 में सिंगापुर ओपन में खेला था। वह गत ढाई-तीन साल से पेशेवर बैडमिंटन से दूर रही हैं। उनके घुटने में भी समस्या है। इस कारण वह काफी समय से खेल से दूर चल रहीं थीं। उनकी उम्र भी 35 के करीब पहुंच रही है जिससे भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा है। उन्हें अपने योगदान के कारण अर्जुन पुरस्कार (2009), मेजर ध्यानचंद खेल रत्न (2010), पद्म श्री (2010) और पद्म भूषण (2016) जैसे अवार्ड मिले हैं।

साइना ने पिछले कुछ समय से बैडमिंटन नहीं खेला है और उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। साइना ने कहा, "मैंने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था मैंने अपनी अनुसार ही खेला और अब संन्यास की घोषणा की है। साथ ही कहा कि अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो खेल में बने रहने का मतलब नहीं है।" नेहवाल ने कहा कि यह फैसला उन्होंने घुटने की गंभीर समस्या से लिया, जिसकी वजह से लगातार उच्च दबाव वाली ट्रेनिंग कठिन हो गयी थी।

नेहवाल ने कहा, उनका घुटना दर्द कर रहा है। कार्टिलेज पूरी तरह से खराब हो गया है, इसके अलावा उन्हें जोड़ो की बिमारी है, यह बात मेरे माता-पिता को पता होनी चाहिए थी, मेरे कोच को यह जानना जरूरी था और मैंने बस उनसे कहा, 'अब शायद मैं यह और नहीं खेल पाऊंगी, यह कठिन है卐 संन्यास की घोषणा पर साइना ने कहा, लोगों को धीरे-धीरे पता चल ही रहा था कि साइना नहीं खेल रही है। घुटने की चोट को लेकर साइना ने कहा, खेल में शीर्ष पर आने आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग की जरुरी होती है पर अब मेरा घुटना एक या दो घंटे में ही दर्द करने लगा था। गौरतलब है कि बैडमिंटन में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली साइना पहली भारतीय खिलाड़ी थीं। इसके अलावा वह साल 2015 में विश्व रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी भी रही थीं। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2008 में उन्होंने जीत हासिल की जबकि सुपर सीरीज खिताब 2009 इंडोनेशिया ओपन 2009 उन्होंने जीत हासिल की। 2010 और 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक भी जीता है। वह इन खेलों में दो एकल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

केन्द्रीय अनुबंध में विराट, रोहित का डिमोशन तय

बी ग्रेड में रखे जाने की संभावना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा का डिमोशन होना तय है। अभी ये दोनो ही खिलाड़ी ए प्लस ग्रेड में हैं। ये ग्रेड उन खिलाड़ियों को मिलता है जो तीनों ही प्रारुप खेलते हैं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। ऐसे में इनका डिमोशन तय है। इसका एक और कारण ये है कि बीसीसीआई अनुबंध से ए प्लस कैटेगरी को समाप्त कर उसकी जगह पर केवल ए, बी और सी कैटेगरी को जारी रख सकती है। अगर ऐसा होता है तो फिर विराट कोहली और रोहित शर्मा के अलावा जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा का भी डिमोशन क्योंकि ये दोनो भी पिछली बार ए प्लस कैटेगरी में शामिल थे। बीसीसीआई को अक्टूबर 2025 से सितंबर 2026 तक के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा करनी है। ऐलान बीसीसीआई को करना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई एक बदला हुआ केन्द्रीय अनुबंध सिस्टम लाने वाला है, जिसके तहत ग्रेड ए प्लस को बंद कर दिया जाएगा। इस नये सिस्टम को मंजूरी मिली तो विराट और रोहित को बी ग्रेड में रखा जाएगा। ये दोनो ही अभी तक ए प्लस कैटेगरी में थे। रविंद्र जडेजा का भी यही हाल होगा पर जसप्रीत बुमराह ए कैटेगरी में चले जाएंगे।

चयहन समिति ने अनुबंध प्रणाली में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। कमिटी ने 7 करोड़ राशि वाले ए प्लस वर्ग को समाप्त कर केवल तीन वर्ग ए, बी और सी रखने को कहा है। इससे वेतन पर भी प्रभाव पड़ेका। ए प्लस कैटेगरी के लिए पहले 7 करोड़ मिलते थे, ए के लिए 5, बी के लिए 3 और सी के लिए 1 करोड़ रुपये सालाना मिलते थे। अगर ये मॉडल अप्रूव हुआ तो केवल एकदिवसीय खेल रहे रोहित और विराट को बी कैटेगरी में रखा जाएगा।

हॉकी इंडिया लीग में रांची रॉयल्स ने शूटआउट में जीसी को हराया

भुवनेश्वर। अराइजीत सिंह हुंदल के दो गोलों से रांची रॉयल्स ने हॉकी इंडिया लीग के एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में एचआईएल जीसी को शूटआउट के दौरान 4-1 से हराया। अराइजीत ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 19वें और 32वें मिनट में दो गोल किये। इसके बाद सैम लेन ने 42वें मिनट में, जबकि टॉम बून ने 57वें मिनट में गोल किये। इस प्रकार रॉयल्स की टीम ने कुल चार गोल दाग दिये। वहीं, एचआईएल जीसी की ओर से ललित कुमार उपाध्याय ने 25वें और 53वें मिनट में दो गोल दागे जबकि केन रसेल ने 36वें मिनट में और सुदीप चिर्माको ने 39वें मिनट में एक-एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। अराइजीत ने 19वें मिनट में एक आसान गोल किया। 25वें मिनट में, एचआईएल जीसी की ओर से ललित कुमार उपाध्याय ने एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरे क्वार्टर के दो मिनट बाद, रांची रॉयल्स ने एक बार फिर से से बढ़त ले ली। 32वें मिनट मनदीप सिंह ने शॉट लगाया पर इसे जीसी के गोलकीपर जेम्स मजारेलो ने रोक दिया पर वापस आयी इस गेंद पर अराइजीत ने गोल दाग दिया। इसके तीन मिनट बाद, ही एचआईएल जीसी ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इस बार 36 वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से केन रसेल ने गोल दाग दिया। 39वें मिनट में सुदीप चिर्माको के शानदार फील्ड गोल से एचआईएल जीसी ने बढ़त हासिल कर ली। कुछ ही समय बाद रांची रॉयल्स ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

घड़ी में सात मिनट शेष थे, रांची रॉयल्स ने अपने ही गोल के सामने एक बड़ी गलती कर दी। वहीं ललित कुमार उपाध्याय ने 53वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। 57वें मिनट में, रांचीरॉयल्स को एक लेट पेनाल्टी कॉर्नर मिला। इसपर टॉम बून ने गोल दाग दिया जिससे दोनारे ही टीमें बराबरी पर आ गयीं। मुकाबले को शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में रांची रॉयल्स ने विष्णुकांत सिंह, सैम लेन, मैक्सिम वैन ओस्ट और टॉम बून गोलों से जीसी को 4-1 से हराया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेटर के तौर पर उतरना चाहते हैं बोल्ट

जमैका। विश्व के सबसे तेज धावक रहे जमैका के उसेन बोल्ट ने कहा है क वह 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेटर के तौर पर उतरना चाहते हैं। ओलंपिक स्वर्ण विजेता रहे बोल्ट ने कहा कि एथलीट बनने से पहले वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। बचपन में वह तेज गेंदबाजी करते थे। तब स्कूल के दिनों में उनके क्रिकेट कोच ने ही उन्हें एथलीट बनने को कहा। इसके बाद वह इसमें आगे बढ़ते चले गये। बोल्ट ने एथलेटिक्स में बड़ी सफलताएं हसिल की हैं पर इसके बाद भी उनका क्रिकेट के प्रति प्यार कम नहीं हुआ। साल 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक के ज़रिये 128 साल के बाद क्रिकेट की ओलंपिक में वापस होगी। अंतिम बार क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलंपिक में खेला गया था, जहां ब्रिटेन ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। बोल्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर मुझे खेलने के लिए बुलाया गया तो मैं तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह पेशेवर खेल से संतुष्ट होकर संन्यास ले चुके हैं पर अगर जमैका क्रिकेट बोर्ड की ओर से उन्हें मौका मिलता है, तो वह खेलने तैयार रहेंगे।बोल्ट को अब तक का सबसे महान एथलीट माना जाता है। उनके नाम आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड हैं। बोल्ट हाल के वर्षों में क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। वह अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप 2024 के ब्रांड एंबेसडर भी रहे। इसके अलावा उन्होंने दोस्ताना मैच भी खेले हैं।

आईपीएल की तरह ही पीएसएल में भी होगी खिलाड़ियों की नीलामी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर ही खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित करेगा। पीसीबी इस साल अपने 11 वें सत्र से पहले ये बदलाव करेगा। इसके तहत ही अब तक जारी प्लेयर ड्राफ्ट प्रणाली की जगह प्लेयर नीलामी मॉडल रखा जाएगा। पीसीबी का कहना है कि वह विकास , प्रतिस्पर्धा के साथ ही नये तरीके अपननो पर जोर दे रहा है। जिससे कि टूर्नामेंट का आकर्षण बढ़ सके। पीसीबी ने कहा कि बदलाव का लक्ष्य खेल में पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ ही खिलाड़ियों को कमाई के अधिक अवसर देना है। में

नए नियमों के अनुसार हर फ्रेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, जिसमें हर वर्ग से एक खिलाड़ी शामिल होगा। वहीं पहले हर फ्रेंचाइजी को अपनी टीम से 8 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी जिसमें एक मेंटर, एक ब्रांड एंबेसडर और प्लेयर ड्राफ्ट में नौवें खिलाड़ी को रिटेन करने के लिए राइट टू मैच विकल्प शामिल था। पीएसएल 11 के लिए मेंटर, ब्रांड एंबेसडर और आरटीएम से जुड़े नियम हटा दिए गए हैं। नई शामिल होने वाली टीमों को प्लेयर नीलामी से पहले उपलब्ध प्लेयर पूल से चार खिलाड़ियों को चुनने और रिटेन करने की अनुमति होगी।

हर फ्रेंचाइजी को एक विदेशी खिलाड़ी की सीधे शामिल करने की भी इजाजत होगी। जो पीएसएल 10 में नहीं खेला था जिससे टीमें नई अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा के साथ लाकर अपनी टीमों को मज़बूत कर सकेंगी। इसके अलावा खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाकर प्रति फ्रेंचाइजी 16 लाख रुपये कर दिया गया है। पीसीबी ने कहा, ये कदम लीग की रणनीतिक दिशा और विकास को दिखाते हैं, जबकि क्रिकेट में उत्कृष्टता, प्रशंसकों की भागीदारी को बढ़ावा देने और अभूतपूर्व ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए उठाया गया है। इसमें कहा गया है कि प्लेयर नीलामी प्रक्रिया, शेड्यूल और ऑपरेशनल गाइडलाइंस के बारे में अतिरिक्त जानकारी सही समय पर शेयर की जाएगी।

सूर्यकुमार पहले टी20 में कर सकते हैं अपने 9000 रन पूरे

नागपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में 25 न बनाते ही अपने 9000 रन पूरे करे लेंगे। ये रन बनाते ही सूर्या 9000 रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ही 9000 रन बनाये हैं। पिछले एक साल में सूर्यकुमार का टी20 में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये। कप्तानी की जिम्मेदारी के कारण उनकी बल्लेबाज़ी पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। यूर्या ने अब तक 346 मैच में 8,975 रन बनाये हैं। उनका औसत 34.78 जबकि स्ट्राइक रेट 152 से अधिक है। उनके नाम 6 शतक और 59 अर्धशतक हैं। भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट के नाम है, जिन्होंने 414 मैचों में 13,543 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिनके खाते में 463 मैचों में 12,248 रन हैं। वहीं शिखर धवन के नाम 334 मैचों में 9,797 रन हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं।

टी20 विश्वपकप नहीं ओलंपिक टीम में जगह बनाना है लक्ष्य - स्मिथ

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने पिछले कुछ समय में घरेलू बिग बैश टी20 लीग (बीबीएल) मे काफी रन बनाये हैं पर इसके भी उन्हें अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इसी कारण अब उनका लक्ष्य ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाना है।

स्मिथ के अनुसार अभी प्रबंधन को जैसी टीम चाहिये। वैसी उपलब्ध है। इसी कारण उनकी इसमें जगह नहीं बनती है। वह जानने है कि अब वह टीम की योजनाओं में शामिल नहीं हैं। स्मिथ ने अंतिक बार फरवरी 2024 में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। ऐसे में वह करीब एक साल से टीम से बहार हैं। ऐसे में उनकी वापसी संभव नजर नहीं आती। ऐसे में स्मिथ का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाना है। इस खिलाड़ी ने कहा है कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में खेलना है। साथ ही कहा कि अगर वहां खेलने का अवसर मिला, तो ये विशेष अवसर होगा।

इस बल्लेबाज ने बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स की ओर से अक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सभी को हैरान किया है। सिडनी थंडर के खिलाफ स्मिथ ने 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। उन्होंने एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 32 रन भी बना दिये थे। स्मिथ की वापसी से सिडनी सिक्सर्स को मिला है। उनकी शानदार बल्लेबाज़ी के दम पर टीम बीबीएल प्लेऑफ में पहुंच चुकी है।।

स्मिथ के अनुसार टी20 विश्वकप 2026 में मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। ऐसे में उनके लिए शीर्ष क्रम में जगह नहीं बनती है। स्मिथ ने कहा, मैं बड़े टूर्नामेंट्स में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता हूं पर मुझे लगता है कि अब वो समय निकल चुका है। टीम के पास दो ऐसे ओपनर हैं जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए मैं पूरी तरह आराम में हूं लीग में खेलने का आनंद ले रहा हूं। स्मिथ ने पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिय था। वह अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में खेलते हैं। जिसमें उन्होंने वॉशिंगटन फ्रीडम को जीत दिलायी है। स्मिथ ने कहा कि उन्होंने आईसीस चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद इसलिए एकदिवसीय क्रिकेट छोड़ा था जिससे कि वह अधिक से अधिक फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट खेल सकें और टी20 फॉर्मेट के लिए लय में रहे।

15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे दो क्रिकेट मुकाबले

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों का प्रशंसकों को इंतजार रहता है। इन मैचों में काफी रोमांच रहता है। अब एक बार फिर 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। इस दिन दोनो ही टीमों के बीच एक नहीं दो मुकाबले होंगे क्योंकि इसी दिन दोनों देशों की पुरुष टीमों जहां टी20 विश्वकप, वहीं महिला टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी तक बैंकॉक, थाईलैंड में खेला जाएगा और इसमें कुल 8 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो समूहों रखा गया है। इस टी20 टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष महिला क्रिकेटर नजर आयेंगी। इसमें चार सदस्य देशों की 'ए' टीमें और क्षेत्र की चार शीर्ष एसोसिएट टीमें भी शामिल रहेंगी। इसकें ग्रुप ए में भारत ए, पाकिस्तान ए, यूएई और नेपाल हैं। भारत ए टीम अपना अभियान 13 फरवरी को यूएई के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 15 फरवरी को पाकिस्तान ए से उसका मुकाबला होगा। वहीं टीम 17 फरवरी को नेपाल से खेलेगी। ग्रुप बी में श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, मलेशिया और मेजबान थाईलैंड के बीच मुकाबला होगा।

वहीं दूसरी ओर भारतीय पुरुष टीम को टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप ए में पाकिस्तान, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को यूएसए के खिलाफ करेगी। वहीं 12 फरवरी को उसे नामीबिया, 15 फरवरी को पाकिस्तान और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलना है।

संजीवनी 108 बनी जीवनदायिनी, एम्बुलेंस में गूंजी ज्योति पांचे की गोद में किलकारी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील अंतर्गत ग्राम दत्ता में संजीवनी 108 आपातकालीन सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए सुरक्षित प्रसव कराकर एक परिवार को खुशियों की सौगात दी। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम दत्ता निवासी 25 वर्षीय ज्योति पति राहुल पाचे को 19 जनवरी 2026 की रात अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। स्थिति को गंभीर देखते हुए परिजनों ने रात्रि 02:15 बजे संजीवनी 108 आपातकालीन सेवा पर कॉल किया। सूचना मिलते ही संजीवनी 108 एम्बुलेंस बिना विलंब के मौके पर पहुंच गई। हालांकि हितग्राही को स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ गई। ऐसी आपात स्थिति में एम्बुलेंस में तैनात ईएमटी प्रमोद गायधाने ने सूझबूझ, प्रशिक्षण और साहस का परिचय देते हुए एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। कुछ ही

क्षणों में एम्बुलेंस में एक नन्हीं किलकारी गूंज उठी और प्रथम पुत्री का जन्म हुआ।

पायलट देवराम राऊत द्वारा एम्बुलेंस को सुरक्षित एवं तेज गति से हितग्राही तक पहुंचाया गया तथा प्रसव के बाद मां और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में सुरक्षित रूप से भर्ती कराया गया। वर्तमान में जच्चा और बच्ची दोनों स्वस्थ हैं। दोपहर 02:35 बजे जन्मी इस नन्हीं पुत्री के आगमन से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने संजीवनी 108 सेवा, ईएमटी और पायलट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली मदद ने उनकी जिंदगी का सबसे अनमोल पल सुरक्षित बना दिया। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि संजीवनी 108 आपातकालीन सेवा न केवल मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने का माध्यम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर जीवन रक्षक बनकर नई जिंदगी को सुरक्षित धरती पर लाने में भी अहम भूमिका निभा रही है।

कबड्डी बालक वर्ग में बालाघाट और बालिका वर्ग में छिंदवाड़ा प्रथम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला कबड्डी संघ बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में खेलो एमपी यूथ गेम्स जोन स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन मुलना स्टेडियम, बालाघाट में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामकिशोर (नानो) कावरे रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर तथा जिला कबड्डी संघ के महासचिव रमेश दीक्षित उपस्थित रहे।

जोन स्तरीय इस प्रतियोगिता में बैतूल, बालाघाट एवं छिंदवाड़ा जिले की बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के परिणाम अनुसार बालक वर्ग में बालाघाट ने प्रथम, छिंदवाड़ा ने द्वितीय एवं बैतूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में छिंदवाड़ा प्रथम, बालाघाट द्वितीय तथा बैतूल तृतीय स्थान पर रहा। खेलो एमपी जोन कबड्डी प्रतियोगिता का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा सभी खिलाडियों को आगामी राज्य स्तरीय खेलो एमपी कबड्डी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया।

साथ ही बालाघाट जोन के खिलाडियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस आयोजन को सफल बनाने में जिला कबड्डी संघ के सचिव, पदाधिकारी, ऑफिशियल्स, जिला खेल प्रशिक्षक, ब्लॉक युवा समन्वयक, खेल शिक्षक एवं खेल विभाग के कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम गटापायली से लाल परेड ग्राउन्ड तक कु. वीणा जमरे की प्रेरणादायी उड़ान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कहते हैं कि सच्ची लगन, अनुशासन और सेवा भावना हो तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते। इसी कहावत को साकार किया है वारासिवनी विकासखंड के ग्राम गटापायली की बेटी कु. वीणा जमरे ने, जिन्होंने एक छोटे से गांव से निकलकर गणतंत्र दिवस परेड जैसे गौरवपूर्ण राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का सपना पूरा किया।

कु. वीणा जमरे वर्तमान में प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय अंतर्गत शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में बी.एस.सी चतुर्थ वर्ष की छात्रा हैं। ग्रामीण परिवेश में जन्मी वीणा बचपन से ही समाजसेवा और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहीं। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़कर अनुशासन, सेवा और परिश्रम को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाया।

एनएसएस की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हुए कु. वीणा जमरे ने अपनी कर्मठता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। कठिन प्रशिक्षण और चयन प्रक्रियाओं को पार कर उन्होंने एनएसएस का प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र प्राप्त किया। अपने अथक परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के सतत प्रोत्साहन से उनका चयन भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 26 जनवरी 2026 के लिए हुआ है, जहां वे अपने महाविद्यालय एवं बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

उल्लेखनीय है कि कु. वीणा जमरे इससे पूर्व वर्ष 2025 में भी गणतंत्र दिवस परेड की चयन प्रक्रिया के अंतर्गत ग्वालियर प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता कर चुकी हैं, जो उनकी निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने राज्य स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में हास्य नाटिका के माध्यम से राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए बालाघाट जिले और अपने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कु. वीणा जमरे की यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उनकी यह उपलब्धि ग्रामीण अंचलों की बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह संदेश देती है कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

सीनियर एवं अति पिछड़ी जनजाति बालिका छात्रावास बैहर में कक्षा 12वीं की छात्राओं को भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। बैहर। सीनियर बालिका छात्रावास एवं अति पिछड़ी जनजाति बालिका छात्रावास बैहर में कक्षा 12वीं की छात्राओं को कक्षा 9वीं से 11वीं की छात्राओं द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती सरोज पंद्रे, श्रीमती सुजाता रावतकर एवं पालकों द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात विदाई समारोह की औपचारिक शुरुआत हुई।

इस अवसर पर शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालिका छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती हेमलता मरकाम, उत्कृष्ट बालिका छात्रावास बैहर की अधीक्षिका श्रीमती यशोदा मेरावी, श्रीमती किरण नागवंशी (सहायक वार्डन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास), शिक्षिका श्रीमती कामना श्रीवास्तव, पी.एम. श्री विद्यालय बैहर के शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य

प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी का मन मोह लिया। कक्षा 12वीं की छात्राओं को स्मृति-चिह्न स्वरूप गिफ्ट पैक भेंट किए गए। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं पालकों को भी उपहार प्रदान किए गए। समारोह के अंत में छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती सरोज पंद्रे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कक्षा 12वीं की छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों को स्वादिष्ट भोजन कराया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रावास के समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सुसंगत एवं प्रभावशाली मंच संचालन कु. सुषमा धुर्वे द्वारा किया गया।

01 लाख 17 हजार 156 किसानों से 1441.64 करोड़ रुपए की खरीदी गई धान

समर्थन मूल्य पर 60 लाख 85 हजार 450 क्विंटल धान की हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश शासन की उपार्जन नीति के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 01 दिसम्बर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक की गई है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि चालू सीजन में जिले में 20 जनवरी 2026 की शाम तक 01 लाख 17 हजार 156 किसानों से 1441 करोड़ 64 लाख 31 हजार 50 रुपए की 60 लाख 85 हजार 450 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। किसानों से खरीदे गए धान का तेजी से उठाव कर गोदामों में पहुंचाया जा रहा है। अब तक 90 प्रतिशत से अधिक धान का परिवहन किया जा चुका है। किसानों को 1110 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। खरीदी केंद्रो पर किसानों से खरीदी गई धान का तेजी से उठाव कर परिवहन किया जा रहा है और गोदामों में पहुंचाया जा रहा है। अब तक 53 लाख 28 हजार 900 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया गया है, जो कि कुल खरीदी गई धान का 90 प्रतिशत है।

किसानो के खाते में पहुंची 1110 करोड़ रुपए की राशि

अब तक 1110 करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में पहुंच गई हैं। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 01 लाख 30 हजार 37 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में गत वर्ष 01 लाख 09 हजार 961 किसानों से 54 लाख 99 हजार 620 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई थी।

12 छात्रों को हाफ़िज़-ए-कुरान की उपाधि से किया गया सम्मानित

मौलाना आज़ाद एजुकेशन सोसाइटी डोंगरिया का 12वां जलसा संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मौलाना आज़ाद एजुकेशन सोसाइटी डोंगरिया में 19 जनवरी की शाम 12वें जलसा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 12 विद्यार्थियों को कुरान शरीफ कंठस्थ करने पर हाफ़िज़-ए-कुरान की उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था से शिक्षा प्राप्त कर चुके पूर्व छात्रों का मिलन सम्मेलन भी आयोजित हुआ, जिसमें एमबीबीएस डॉक्टर, इंजीनियर तथा उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मौलाना अब्दुल वहाब पारेख रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना जियाउर्रहमान साहब कुरैशी, कामठी ने की। विशेष अतिथियों ने 25 वर्षों से संचालित इस शिक्षण संस्था की शैक्षणिक एवं सामाजिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को संस्था की कार्यगुजारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरुआत मदरसे में अध्ययनरत छात्रों द्वारा कुरान की तिलावत और नात-ए-पाक से की गई। जलसे के दौरान उपस्थित जनसमूह उस समय भावुक हो गया, जब इसी संस्था से शिक्षा प्राप्त कर वर्तमान में छत्तीसगढ़ में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत शेख वसीम ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन की कहानी साझा की। शेख वसीम ने बताया कि वे एक गरीब परिवार से आते हैं। उनके पिता ट्रक चालक थे और उन्होंने अपने तीनों बेटों को इसी संस्था में शिक्षा के लिए दाखिल कराया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं हाईस्कूल तक की पढ़ाई यहीं से की, जबकि उनके दोनों छोटे भाई कुरान के हाफ़िज़ बने। उस समय उनके पिता तीनों भाइयों को मात्र 50 रुपये प्रतिमाह खर्च के रूप में देते थे। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि वे कई बार फीस तक जमा नहीं कर पाते थे, लेकिन संस्था ने उनकी पूरी शिक्षा का खर्च स्वयं उठाया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कुरान कंठस्थ करने वाले 12 विद्यार्थियों को धार्मिक विद्वानों द्वारा हाफ़िज़-ए-कुरान की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर विशेष दुआ का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था की तरक्की, समाज की खुशहाली और देश में अमन-शांति के लिए दुआएं की गईं।

सीआरपीएफ ने जरूरतमंदो को खाद, बीज एवं कृषि उपकरणों का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल 7 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्राम सीतापाला पुलिस स्टेशन-बहेला, जिला-बालाघाट में स्थित जी/7 बटालियन में खाद, बीज एवं कृषि सम्बंधित उपकरणों का वितरण दिनांक 20/01/2026 को जरूरत मंद ग्रामीणों को किया गया।श्री कपिंग गिल, कमाण्डेंट 7 बटालियन ने नेतृत्व में आज दिनांक 20/01/2026 को खाद, बीज एवं कृषि सम्बंधित उपकरणों को वितरित कर ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया गया। सी0आर0पी0एफ द्वारा किये गये इस कार्य की गतिविधियों का आयोजन भविष्य में भी किया जाता रहेगा। इस अभियान के दौरान बटालियन के श्री अजय पटियाल (उप कमाण्डेट), सहा0 कमाण्डेट राजीव कुमार (कम्पनी कमाण्डर) अन्य जवानों के साथ ग्रामीण भी मौजूद थे।

ग्राम जरखरिद में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक गौरव सिंह पारधी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। ग्राम जरखरिद में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास के ग्रामों की कुल १६ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भजियापार, जरखरिद, चिरचिरा, बनेरा, सिरपुर, टेकाड़ी, जामुनिया, बोपली, कटेरा, कटंगी, कोसमी,येरवाघाट एवं रैयतवाड़ी सहित विभिन्न ग्रामों की टीमों ने शानदार खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं और युवाओं में अनुशासन, टीम भावना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्राम जरखरिद की टीम ने प्राप्त किया जिन्हें ५००१ रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। द्वितीय स्थान ग्राम रैयतवाड़ी की टीम को मिला जिसे ३००१ रूपये की राशि दी गई। वहीं तृतीय स्थान ग्राम सिरपुर की टीम ने प्राप्त कियाए जिन्हें २००१रूपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती कुन्ता झनकसिंह ठाकरे, उपसरपंच मानसिंह मंडावी,माधवप्रसाद मर्सकोले,संजय मंडावी,

जतन वरकड़े,रविंद्र राऊत,हेमेंद्र मंडावी, भूपेंद्र राऊत,दीपक ठाकरे,योगेश कुसराम, संजय पंद्रे ,मितेश पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

श्रीमती श्रद्धा अनुभव मिश्रा को डॉक्टरेट की उपाधि

पद्मेश न्यूज। बैहर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर की उच्च माध्यमिक शिक्षिका श्रीमती श्रद्धा अनुभव मिश्रा ने शिक्षा जगत में विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उन्हें भारत सरकार के केंद्रीय विश्वविद्यालय श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। श्रीमती मिश्रा ने शोधार्थी के रूप में वैदिक संहितोक्त नदीनां समीक्षात्मक अध्ययन विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया, जिसे विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. गोपाल प्रसाद शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त होने पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री आलोक कुमार चौरे, समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माल्यार्पण कर श्रीमती श्रद्धा अनुभव मिश्रा का सम्मान किया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रदान कीं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने इसे न केवल शिक्षकों बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बताया और कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ हुई है।

सांसद भारती पारधी का 21 जनवरी को बालाघाट-किरनापुर दौरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी का 21 जनवरी 2026 (बुधवार) को बालाघाट एवं किरनापुर क्षेत्र का एक दिवसीय दौरा प्रस्तावित है। दौरा कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती भारती पारधी 21 जनवरी को प्रात: 10:00 बजे बालाघाट स्थित अपने गृह निवास पर आमजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगी। तत्पश्चात प्रात: 11:00 बजे किरनापुर के लिए प्रस्थान करेंगी। दोपहर 12:00 बजे वे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय किरनापुर में स्ढ्ढक्र संबंधी बैठक में सहभागिता करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 1:30 बजे स्वर्गीय दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन सत्र 2025-26 कलांजलि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके पश्चात दोपहर 3:00 बजे बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी। बालाघाट आगमन पर वे दोपहर 3:45 बजे कमला नेहरू परिसर में पूज्य ब्राह्मण महिला मंडल द्वारा आयोजित हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम में तथा सायं 4:15 बजे नगर पालिका बालाघाट में आयोजित हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम में सहभागिता करेंगी। सायं 8:30 बजे ग्राम पंचायत कायदी में आयोजित ऑल इंडिया वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी सांसद श्रीमती पारधी की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम उपरांत रात्रि 9:00 बजे वे अपने गृह निवास बालाघाट लौटेंगी।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

आपसी रंजिश के चलते 70 वर्षीय वृद्ध से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम परसाटोला में एक 70 वर्षीय व्रद्ध को उसी के पड़ोसी ने लाठी से मारपीट कर घायल कर दिया ।यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई ।मारपीट में घायल व्यक्ति मनीराम पिता स्व. परसु पांचे 70 वर्ष ग्राम परसाटोला निवासी का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वहीं इस मामले में अशोक पिता देवीलाल मानेश्वर के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीराम अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं। जिनके मोहल्ले में ही अशोक मानेश्वर अपने परिवार के साथ रहते हैं। बताया गया कि अशोक मानेश्वर और मनीराम के बीच किसी बात को लेकर आपसी रंजीत बनी हुई थी। 19 जनवरी की शाम 7-00 बजे मनीराम अपने घर के पीछे चूल्हे में आग ताप रहे थे। तभी अशोक मानेश्वर आया और मनीराम को अश्लील गालियां देते हुए घर से बाहर निकलने बोला। मनीराम घर से बाहर निकला तब अशोक मानेश्वर ने उसे बोला कि तेरे कारण मेरा सांड घर से बाहर नहीं निकल रहा है। यह कहकर अशोक मानेश्वर ने मनीराम को गालियां देते हुए लाठी से मारपीट कर दिया जिससे मनीराम जमीन पर गिर गया ।मारपीट करने से मनीराम के शरीर में चोटें आई । हल्ला सुनकर परिवार और मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये जिसके बाद अशोक मानेश्वर मनीराम को सांड घर से बाहर नहीं निकलने पर जान से खत्म कर देने की धमकी देकर वहा से चला गया।। रात और साधन नहीं होने के कारण मनीराम 20 जनवरी को रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा । सिविल अस्पताल किरनापुर में मनीराम का इलाज किया गया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर अशोक मनेश्वर के विरूद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला कायम कर जांच शुरू की गई है।

विधायक अनुभा मुंजारे के रामकिशोर कावरे पर तल्ख आरोप

'कावरे बंधुओं की संपत्ति, आय के स्त्रोतों और वित्तीय लेनदेन की जांच हो'

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बीते दिनों पूर्व मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के भाई की कंपनी, कार्यालय तथा उनके सहयोगियों के ठिकानों पर जीएसटी विभाग द्वारा की गई छापेमार कार्रवाई को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जीएसटी विभाग की यह कार्रवाई कई सवाल खड़े करती है और इससे बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने मांग की कि पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे की संपूर्ण संपत्ति, आय के स्त्रोतों और लेन-देन की विस्तृत जांच की जाए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके।

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने 20 जनवरी को स्थानीय सर्किट हाउस में दोपहर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया । प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए और उनकी संपत्ति को लेकर तीखे सवाल खड़े किए। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि यह समझ से परे है कि कुछ ही वर्षों में रामकिशोर कावरे के पास इतनी अधिक संपत्ति कैसे आ गई और वे करोड़पति कैसे बन गए। उन्होंने सवाल उठाया कि बीते 20 से 25 वर्षों के भीतर ऐसा क्या हुआ, जिससे कावरे बंधुओं की संपत्ति में अचानक इतना बड़ा इजाफा देखने को मिला। उन्होंने हाल ही में पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे के कार्यालय और उनके सहयोगियों पर जीएसटी विभाग द्वारा की गई छापेमार कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्रवाई अपने आप में कई संदेह उत्पन्न करती है। विधायक ने कहा कि रामकिशोर कावरे के भाई कुमार कावरे और उनकी कंपनी में दोनों भाई सक्रिय रूप से कार्य करते हैं। ऐसे में भाजपा जिला अध्यक्ष के घर और उनके निकट संबंधियों पर इस प्रकार की कार्रवाई कहीं न कहीं वित्तीय अनियमितताओं और गलत धन संचय की ओर इशारा करती है। प्रेस वार्ता में विधायक मुंजारे ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में उनकी ही सरकार है और रामकिशोर कावरे स्वयं सत्तारूढ़ पार्टी के जिला अध्यक्ष हैं। ऐसे में नैतिकता के आधार पर उन्हें अपने पद से तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पहले डीएफओ द्वारा उन पर आरोप लगाए गए थे, तब रामकिशोर कावरे ने पूरे भाजपा परिवार और पदाधिकारियों के साथ धरना-प्रदर्शन कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया था। विधायक अनुभा मुंजारे ने भाजपा के उन पदाधिकारियों और नेताओं से भी सवाल किया, जिन्होंने पूर्व में मंच से उनके रामकिशोर कावरे के साथ उन्हें गलत बताते हुये बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि आज वही भाजपा पदाधिकारी यह बताएं कि वे अपने जिला अध्यक्ष के खिलाफ क्या कहेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका अध्यक्ष सहित सत्ता पक्ष के कई विधायक पहले नारे लगाते थे कि अनुभा मुंजारे को हटाओ और बालाघाट को बचाओ। अब विधायक मुंजारे ने उन्हीं नेताओं से सार्वजनिक रूप से सामने आकर जवाब देने की मांग की। प्रेस वार्ता के दौरान विधायक ने यह भी कहा कि वे स्वयं सभी के लिए मंच उपलब्ध कराएंगी, ताकि भाजपा के नेता और पदाधिकारी अपने ही जिला अध्यक्ष के खिलाफ खुलकर अपनी बात रख सकें। अपने बयान के अंत में विधायक अनुभा मुंजारे ने सरकार और संबंधित जांच एजेंसियों से मांग की कि कावरे बंधुओं की संपत्ति, उनके आय के स्त्रोतों और उनके परिचितों के वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जाए। उन्होंने कहा कि जीएसटी सहित अन्य विभागों को भी निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आम जनता के सामने सच्चाई आ सके और यह स्पष्ट हो सके कि आखिर कौन, किस माध्यम से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित कर रहा है।

डीएसपी संतोष पटेल के नाम से सोशल मीडिया में फर्जीवाड़ा

फेसबुक पर संतोष पटेल के नाम से अकाउंट बनाकर प्राचीन सिक्के बेचने का विज्ञापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय साइबर अपराधी अब नई-नई तकनीकों के माध्यम से लोगों के बैंक खातों से धनराशि हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जिले में सामने आया है, जिले में पदस्थ डीएसपी संतोष पटेल की फोटो का उपयोग कर सोशल मीडिया पर कॉइन बेचने के नाम पर लोगों से ठगी करने का प्रयास किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही डीएसपी संतोष पटेल ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के आकर्षक विज्ञापन, निवेश योजना या कॉइन बिक्री से जुड़े लिंक पर भरोसा न करें।

ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला 20 जनवरी को सामने आया, जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक फर्जी अकाउंट के माध्यम से जिले में पदस्थ डीएसपी संतोष पटेल की फोटो और नाम का इस्तेमाल कर पुराने कॉइन बेचने का विज्ञापन प्रसारित किया गया। इस विज्ञापन में डीएसपी संतोष पटेल की तस्वीर लगाकर इसे विश्वसनीय दिखाने का प्रयास किया गया, जिससे कई लोग भ्रमित हो गए। विज्ञापन को देखकर अनेक सोशल मीडिया यूजर्स ने डीएसपी की फोटो पहचानते हुए पोस्ट पर सकारात्मक टिप्पणियां भी कीं। अधिकांश लोगों को यह आभास हुआ कि संभवत: डीएसपी किसी संग्रहणीय कॉइन से जुड़े कार्य में संलग्न होंगे। हालांकि विज्ञापन में डीएसपी के पदनाम को गलत तरीके से डीएसबी लिखा गया था, जिसने एक सजग यूजर को संदेह में डाल दिया। संदेह होने पर संबंधित यूजर ने पूरे मामले की जानकारी तत्काल डीएसपी संतोष पटेल को दी। सूचना मिलते ही डीएसपी ने स्पष्ट किया कि उनके द्वारा न तो इस प्रकार का कोई सोशल मीडिया अकाउंट बनाया गया है और न ही वे किसी तरह के कॉइन खरीद-बिक्री या निवेश से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञापन में दर्शाया गया मोबाइल नंबर उनका नहीं है, जबकि ठग उनके नाम और फोटो का उपयोग कर लोगों से संपर्क कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित फर्जी अकाउंट के माध्यम से एक व्यक्ति ग्वालियर से फोन कॉल कर रहा था, जो कॉइन देने के नाम पर लोगों को व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए प्रेरित कर रहा था। बातचीत के दौरान वह व्यक्ति आधार कार्ड, पहचान पत्र और अन्य व्यक्तिगत दस्तावेज साझा करने के लिए बोल रहा था, जिससे स्पष्ट है कि उसका उद्देश्य साइबर ठगी करना था।

निर्वाचन कार्य में लगे आउटसोर्स ऑपरेटर सामूहिक अवकाश पर गये

5 दिन का सामूहिक अवकाश

मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामान्य निर्वाचन कार्य में लगे आउटसोर्स कर्मचारी अपनी प्रमुख मांगों को लेकर सामूहिक हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें बीते कई महीनों से एरियर की राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे आर्थिक परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हड़ताल गये कर्मचारियों ने बताया कि उनसे निर्वाचन कार्य के दौरान निर्धारित समय से अधिक, प्रतिदिन 12 से 14 घंटे तक काम लिया जा रहा है, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से काफी परेशान हैं। कर्मचारियों की मांग है कि लंबित एरियाज की राशि का शीघ्र भुगतान किया जाए तथा तय समय से अधिक कार्य न लिया जाए। इन मांगों को लेकर आउटसोर्स कर्मचारियों ने पांच दिन की सामूहिक हड़ताल का ऐलान किया है। कर्मचारियों ने प्रशासन से जल्द सकारात्मक कार्रवाई की मांग की है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। जिले में सामान्य निर्वाचन कार्य से जुड़े आउटसोर्स ऑपरेटर इन दिनों गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। निर्वाचन कार्य में लगातार दबाव और सुविधाओं के अभाव को लेकर ऑपरेटरों ने अब सामूहिक अवकाश का रास्ता अपनाया है। आउटसोर्स माध्यम से कार्यरत निर्वाचन ऑपरेटर पांच दिवसीय सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं और समस्याओं का समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। आउटसोर्स ऑपरेटर नरेंद्र लिल्हारे ने बताया कि वे बीते कई वर्षों से सामान्य निर्वाचन के अंतर्गत ऑपरेटर के रूप में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में वे निर्वाचन प्रक्रिया के तहत एसआईआर का कार्य कर रहे हैं, जिसमें उन्हें सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक समय देना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि रोजाना 12 से 14 घंटे तक लगातार काम कराया जा रहा है, इसके बावजूद उन्हें किसी प्रकार का अवकाश तक नहीं दिया जा रहा है। नरेंद्र लिल्हारे ने आरोप लगाया कि ऑपरेटरों का 11 माह का एरियर की राशि अब तक लंबित है, जिसका भुगतान नहीं किया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्यभार होने के बावजूद किसी प्रकार की राहत या अतिरिक्त सुविधा भी नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ करने के बावजूद विभाग की ओर से मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ऑपरेटरों को समय पर वेतन नहीं मिलता, कई बार अवकाश के लिए आवेदन देने के बावजूद छुट्टियां स्वीकृत नहीं की जातीं। शनिवार और रविवार जैसे अवकाश के दिनों में भी उन्हें कार्यालय आकर काम करना पड़ता है, जिससे वे मानसिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ित हो चुके हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर आउटसोर्स ऑपरेटरों ने इस बार सामूहिक निर्णय लिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। फिलहाल उन्होंने अपने उच्च अधिकारियों को पांच दिनों के सामूहिक अवकाश की सूचना दे दी है। ऑपरेटरों ने स्पष्ट किया है कि यदि पांच दिनों के भीतर उनकी मांगों विशेषकर लंबित एरियर की राशि का भुगतान और कार्यभार में राहत का समाधान नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
-मिलने का पता-
अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
समय -सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक, 4 बजे से शाम 6 बजे समय

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

JOBSAHI SATPUDA GROUP
JOBSAHI जॉब आपकी जेब में !
भारत का सबसे बड़ा
OPEN MEGA CAMPUS DRIVE
100+ COMPANIES
8000+ JOBS
देश के सभी राज्यों के Government एवं Private संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क भर्ती !
(योग्यता: ITI, Polytechnic, BE/BTech, BSc, 10th, 12th, BA, BCom)
मुख्य विशेषताएँ :
34,000 रुपए प्रति माह तक की सैलरी*
Satpuda Group की Guarantee
पूरी तरह FREE भर्ती
24 घंटे में Offer Letter *
SCAN TO APPLY
Satpuda Engineering College, Manjhapur, Lalburra Road, BALAGHAT (M.P.) 481001
+91 6262604133 +91 6262604110 जानकारी एवं सहायता के लिए Google पर Jobsahi सर्च करें या दिए गए संपर्क नंबर पर कॉल करें।

PADMESH X FIBERNET Connecting the Unconnected..
Ever thoughts what a good connection feels like...
Switch to PADMESHXFIBERNET SERVICE...

Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट